



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 15, 1982 (वैशाख 25, 1904)  
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 15, 1982 (VAISAKHA 25, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 मार्च 1982

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निविष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति की अवधि
	सर्वश्री	
1.	विजय भल्ला	1-3-82 से 2-6-82 तक
2.	सी० एल० शर्मा	1-3-82 से 31-5-82 तक
3.	बी० पी० कपल	1-3-82 तथा 3-3-82 से 2-6-82 तक
4.	आर० के० गौड़	2-2-82 से 27-2-82 तक तथा 3-3-82 से 2-5-82 तक
5.	के० जी० नायर	1-3-82 से 8-4-82 तक

2. सर्व श्री के० पी० सेन और बी० सी० गुप्त जिन्हें पहले 1-3-82 तक अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया था, 23-2-82 से सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये हैं।

दिनांक 23 मार्च 1982

सं० ए० 11016/1/81-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निविष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर डैक्स अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि
	सर्वश्री	
1.	योगेन्द्र नाथ	3-3-82 से 2-6-82 तक
2.	डी० आर० मदान	3-3-82 से 2-6-82 तक
3.	वेद प्रकाश	3-3-82 से 2-6-82 तक

2. उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 12/1/74-सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार सं० 75/प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 27 मार्च 1982

सं. पी. 2077-प्रशा.-111-सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1979 के आधार पर कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का. शा. सं. 5/61/80-सी.एस. (जे.)-खण्ड 111 दिनांक 17 फरवरी, 1982 द्वारा अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु संघ लोक सेवा आयोग में उनके नामित हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के सहायक तथा इस समय ग्रामीण विद्युतीकरण निगम में प्रतिनियुक्ति पर श्री अनिल कुमार को राष्ट्रपति द्वारा 17 फरवरी, 1982 से आगामी आदर्शों तक अनुभाग अधिकारी के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है।

यह नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में लिखित सी डब्ल्यू पी. सं. 1194/78 के निर्णय के अधधीन होगी।

य. रा. गांधी  
अवर सचिव (प्रशा.)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. सू. विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. ए-19021/3/81-प्रशा.-5-राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री के. चक्रवर्ती, भारतीय पुलिस सेवा (गुजरात - 1965) को दिनांक 16 अप्रैल, 1982 के पूर्वार्ध से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थाना-पन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 अप्रैल 1982

सं. ए-19035/1/81-प्र.-5-श्री एस. बी. लाल शर्मा, कार्यालय अधीक्षक के छूट्टी जाने पर उनके स्थान पर श्री एस. रामामूर्ति, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को तदर्थ आधार पर प्रशासन-5 अनुभाग, केन्द्रीय ब्यूरो मुख्यालय में दिनांक 19-4-1982 (अपराधन) से 18-6-1982 तक के लिए स्थाना-पन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत किया जाता है।

आर. एस. नागपाल  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110066, दिनांक 21 अप्रैल 1982

सं. ओ. दो. 1753/82 (इस्टेट) स्थापना-राष्ट्रपति श्री के. एस. बाजवा, संघ शासित क्षेत्र संदर्भ के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री बाजवा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप-महानिरीक्षक, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 3 अप्रैल 1982 के पूर्वार्ध में संभाला।

अ. क. सूरी  
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011 दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं० 10/29/80-प्रशा०-I-राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तारीख 31 अगस्त, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों पर प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थाई रूप से और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:-

क्र० सं०	कर्मचारी का नाम	कार्यालय जहां कार्यरत है	विहित मुख्यालय
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	ओ० पी० ग्राहजा	भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली	नई दिल्ली
2.	एस० आर० गर्ग	भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली	नई दिल्ली
3.	के० बी० रोहतगी	भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली	नई दिल्ली
4.	पी० एन० बवेजा	भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली	नई दिल्ली
5.	आर० एन० पों-गुरलेकर	जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र	बम्बई
6.	ऐ०वी० वल्लीनाथन	जनगणना कार्य निदेशक, तमिलनाडु	मद्रास
7.	जी० डी० अग्रवाल	जनगणना कार्य निदेशक राजस्थान	जयपुर
8.	जी० डी० सिंगला	जनगणना कार्य निदेशक, संघ राज्यक्षेत्र, चण्डी-गढ़।	चण्डीगढ़
9.	जी० सी० मिश्र	जनगणना कार्य निदेशक, बिहार	पटना
10.	एस० एस० ए० बेग	जनगणना कार्य निदेशक, उत्तर प्रदेश।	लखनऊ

1	2	3	4
11. श्री बी० एम० पटेल	जनगणना कार्य निदेशक, गुजरात	अहमदाबाद	
12. ए० जी० ओक	जनगणना कार्य निदेशक, मध्य प्रदेश	भोपाल	
13. आर० वाई० रेवा-शेट्टी	जनगणना कार्य निदेशक, कर्णाटक	बंगलूर	

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 24 अप्रैल 1982

सं. 15011/11/78-स्थापना—केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट इकाई में कमान्डेंट के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर उनके ध्यान के फलस्वरूप श्री एल. डीविड भा. पु. में. (अस्म और मोघालय 1967) अकादमी में 24-4-1982 के अपराह्न में सहायक निदेशक के पद का कार्य-भार सौंपा।

प्रेमधर मालवीय  
प्रभारी निदेशक

विस्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं. 2493/ए—अधिसूचना संख्या 522/ए, दिनांक 9-6-1981 के अनुक्रम में श्री आर. वेंकटरामन का प्रतिनियुक्ति पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में, प्रशासन अधिकारी, के रूप में तदर्थ नियुक्ति का कार्यकाल उन्होंने शर्तों पर दिनांक 31-3-82 तक अथवा यह पद स्थायी रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

पी. एस. शिवराम  
सहायक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

रक्षा लेखा विभाग  
कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नयी दिल्ली-110066, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. प्रशा./1/1704/5/1—हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, बंगलूर में स्थायी रूप से समाविष्ट हो जाने के परिणाम स्वरूप, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री सी. बी. नगेन्द्र दिनांक 19 जनवरी 1982 (अपराह्न) से इस विभाग के संस्थाबल पर नहीं रहे।

दिनांक 23 अप्रैल 1982

सं. प्रशा./1/1403/जिल्द-11—राष्ट्रपति, निम्नलिखित स्थायी लेखा अधिकारियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान (रुपए 700-1300) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ आधार पर छः माह की अवधि के लिए प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	तिथि जिसमें पदोन्नति मंजूर की गई है।
----------	-----	--------------------------------------

सर्वश्री

1. सी० आर० मजूमदार	28-8-81
2. जे० एस० एल० शर्मा	5-8-81
3. श्यामल देव	14-8-81
4. बी० नारायण राव	5-8-81
5. के० एल० माकिन	28-9-81
6. सी० सूर्य नारायण	21-9-81
7. ए० जानकीरामन	3-8-81
8. पी० के० सहगल	17-8-81
9. वी० सम्पथ	20-8-81
10. जी० के० कार	4-8-81

रविन्द्र कुमार माथुर  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

आर्डरनेस फैक्टरी बोर्ड

डी जी ओ एफ मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता-69, दिनांक 13 अप्रैल 1982

सं. 55/82/ए/ई-1 (एनजी)—आर्डरनेस फैक्टरियों के महानिदेशक महोदय, श्री अमलेन्दु चक्रवर्ती, स्टनो ग्रेड "बी"/वरिष्ठ निजी सहायक को तारीख 1-4-82 से आगामी आदेश न होने तक वर्तमान रिक्ति में स्थानापन्न स्टनो ग्रेड "ए"/निजी सचिव (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर प्रोन्नत करते हैं।

सी. एस. गौरीशंकरन  
सदस्य/कार्मिक  
कृते महानिदेशक आर्डरनेस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं. 16/जी/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उपप्रबन्धक/डीएजीजी ओएफ के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री के. के. पटकर, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981
2. श्री एम. पी. यादव, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981

3. श्री प्रियरजन, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981
4. श्री जे. सीथा राम, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981
5. श्री एस. के. दास, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981
6. श्री जे. बी. राय, अस्थायी सहायक प्रबन्धक 31 दिसम्बर, 1981
7. श्री पी. एम्. चौधरी, अस्थायी सहायक प्रबन्धक, 31 दिसम्बर, 1981
8. श्री एस. के. दुबे, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981
9. कु. एस. रामानन्द, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981
10. श्री एन. सुन्दरा पांडियन, सहायक प्रबन्धक (परखाविधि) 31 दिसम्बर, 1981

सं. 17/जी/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख में नियुक्त करते हैं :—

श्री एम्. आर. सुगधन, स्थानापन्न फॉर्मन 12 जनवरी 1982

वी. के. मंहता  
सहायक महानिदेशक, आर्डीनैन्स फ़ैक्टरियां

हस्पताल और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक अप्रैल 1982

सं. 2048डी/ए-19012(4-जे एस)/64-19बी.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डिप्टी श्री जोगिन्दर सिंह सरकारी सेवा से 30 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) से वादर्थक्य निवर्तन पर निवृत्त हो गए।

सं. 2074डी/ए-32013(ए.ओ.)/80-19ए को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधीक्षकों को प्रशान्तिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से पक्षोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है :—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
सर्वश्री		
1.	पी० के० राय सफाई	2-3-82 (पूर्वाह्न)
2.	जी० एल० चटर्जी	4-3-82 (पूर्वाह्न)
3.	राधा रमण दाम	8-3-82 (पूर्वाह्न)
4.	के० भी० वेंकटेश्वरन	10-3-82 (पूर्वाह्न)
5.	वी० पी० मल्होत्रा	11-3-82 (पूर्वाह्न)

सं. 2861बी/50/66(के आर)/19बी—एम. ई. सी. लिमिटेड में दिनांक 23-4-77 (पूर्वाह्न) से स्थाई भर्ती होने के फलस्वरूप भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के शिफ्ट बास श्री के. आर. कृष्णन ने इसी विभाग के शिफ्ट बास के पद को, उसी तिथि से त्याग दिया है। उनका विभाग में शिफ्ट बास के स्थाई पद पर लियन भी 23-4-77 (पूर्वाह्न) से समाप्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ—  
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 22 अप्रैल 1982

सं. ई. 1-5807/579-सिलेक्शन-74 (क्लास II)—श्री जे. एम्. शर्मा, ज्योडीय परिकलक दिनांक 7-5-1976 की अधिसूचना सं. ई. 1-5072/579-सिलेक्शन-74 (श्रेणी II) के अनुसार अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए थे, अब उन्हें दिनांक 28 जनवरी, 1981 में ग्रुप "बी" में एक अस्थाई पद पर अधिकारी सर्वेक्षक के रूप में 650-30-740-35-810-व. रा०-35-880-40-1000-द. रा०-40-1200 रु. के संशोधित वेतनमान में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं. सी.-5808/718-ए—श्री ए. बी. सरकार, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय (मैप क्वार्टर के पद पर प्रतिनियुक्त) को दिनांक 27 फरवरी, 1982 (अपराह्न) से श्री एम्. एस. एम्. परते, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के छुट्टी पर चले जाने से उनके स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. सेवा ग्रुप "बी") के पद पर पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में 840-40-1000-द. रा०-40-1200 रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं. सी.-5809/718-ए—श्री एन. रामास्वामी, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक (वरिष्ठ मान), म. प्र. एवं मा. उ. केन्द्र को दिनांक 1 मार्च, 1982 (पूर्वाह्न) से स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. सेवा ग्रुप "बी") के पद पर अनुसंधान एवं विकास निदेशालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में 840-40-1000-द. रा०-40-1200 रु. के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

जी. सी. अग्रवाल

बिरोडियर

भारत के महासर्वेक्षक

नियुक्ति प्राधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1982

सं. 2/14/67-एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सी. एल. नागिरी, लेखाकार रेडियो काश्मीर श्रीनगर 31/3/82 (पूर्वाह्न) में प्रशासनिक अधिकारी, तदर्थ आधार पर



रॉडियो काश्मीर श्रीनगर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एच. एन. बिश्वास  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1982

सं. 4/35/81-एस एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती अञ्जलि नागर को 12 मार्च, 1982, से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, बम्बई में रु. 650-30-740-35-810-व. रोज. - 35-40-1000-व. रोज. -40-1200 के वेतनमान में अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 4/38/81-एस एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री आर. डी. विशेष को 2 मार्च, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, सूरतगढ़ में रु. 650-30-740-35-810-व. रोज. -35-880-40-1000-व. रोज. -40-1200 के वेतनमान में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 4(42)/81-एस एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बिज महिन गुप्ता, को 18 जनवरी, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, अम्बिकापुर में रु. 650-30-740-35-810-व. रोज. -35-880-40-1000-व. रोज. -40-1200 के वेतनमान में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 4(52)/81-एस एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए. के. गुप्ता, को 4 फरवरी, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, जबलपुर में रु. 650-30-740-35-810-व. रोज. -35-880-40-1000-व. रोज. -40-1200 के वेतनमान में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 4(60)/81-एस एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती इन्दिरा येसूपरिया गजराज को 4 फरवरी, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, बंगलूर में, रु. 650-30-740-35-810-व. रोज. -35-880-40-1000-व. रोज. -40-1200 के वेतनमान में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. ए. 19018/5/80-के.स.स्वा.यो. 1—कोन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से तबावला हो जाने के फलस्वरूप डा. सूर्यनाथ ने 1 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से कोन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना सेरठ के अधीन आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

दिनांक 23 अप्रैल 1982

सं. ए. 19018/16/81-मी.जी.एच.एस.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा. (श्रीमती) सूरबाला ओबेजा को 1

जनवरी, 1982 के पूर्वाह्न में कोन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

टी. एस. राव  
उप निदेशक प्रशासन (सीजीएचएस)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1982

सं. ए. 12025/28/79 (जे. आर्. पी.)/प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने डा. नरेश चन्द्र सांगल को 23 मार्च, 1982 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक अवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में दंत चिकित्सा विज्ञान (डॉनिस्ट्री) के प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए. 38012/4/81-(एच क्यू) प्रशा. 1—सेवा निवर्तन आयु के हो जाने पर इस निवेशालय के श्री ए. एस. आर. शर्मा, मांस्यकी अधिकारी को 31 जनवरी, 1982 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर) हो गये हैं।

त्रिलोक चन्द जैन  
उप निदेशक प्रशासन (ओ. एण्ड एम.)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक अप्रैल 1982

सं. ए. 39013/1/81-प्र. तृ.—इस निवेशालय के अधीन सहायक विपणन अधिकारी के पद से श्री एम. ए. हसन द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 22-11-1981 के अपराह्न में स्वीकृत किया गया है।

दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. ए. 19025/21/78-प्र. तृ.—श्री टी. जी. साहनी सहायक विपणन अधिकारी (निलम्बनाधीन) को दिनांक 1-7-78 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से हटाया गया था।

(2) सेवा से हटाने के आदेश के विरुद्ध श्री साहनी द्वारा दिनांक 14-8-1978 को भारत के राष्ट्रपति से अपील किए जाने पर राष्ट्रपति ने सेवा से हटाने के आदेश को रद्द कर दिया और कृषि विपणन सलाहकार को निश्चित निर्देशों के साथ मामला भेज दिया। तदनुसार कृषि विपणन सलाहकार ने श्री साहनी को सरकारी सेवा में बहाल कर दिया और आदेश दिया कि श्री साहनी को निलम्बन को जारी रखा जाये।

(3) निर्देशों और नियमों की उचित अनुपालना करते हुए श्री साहनी को अब उपरोक्त संदर्भित नियमों के अनुसार दिनांक 17-3-82 के पूर्वाह्न से सेवा से हटा दिया गया है।

सं. ए 19025/2/82-प्र. तृ.—मंच लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम. जे. काम्बले को इस निवेशालय में दिनांक 18-3-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार  
निवेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार  
भारत सरकार

## भारतीय वन सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 20 अप्रैल 1982

क्रमांक 4-1/79-प्रशासन—श्री एच. एन. शर्मा, सहायक, संचार मंत्रालय जो कि भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून में सहायक निदेशक (प्रशासन) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 12 अप्रैल, 1982 की अपराह्न से कार्यमुक्त कर दिया है तथा उनकी सेवाएं संचार मंत्रालय को सौंप दी गई हैं।

ए. बी. चौधरी  
निदेशक

## भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

## कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 31 मार्च 1982

सं० पी० ए०/79(4)/80-आर० III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को इस अनुसंधान केन्द्र में उनके नाम के सामने श्रंक्ति अवधि के लिए सुरक्षा अधिकारी (सं० 650-960) पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान पदनाम	समयावधि
सर्वश्री			
1.	गोविन्दस्वामी दक्षिण मूर्ति	सहायक सुरक्षा अधिकारी (एस० जी०)	14-1-82 से 26-2-82 तक
2.	वैद्यनाथन कुण्णमूर्ति	सहायक सुरक्षा अधिकारी	28-12-81 से 12-2-82 तक

ए० शान्ताकुमार मेनोन,  
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 14 अप्रैल 1982

सं० के/273/स्थापना II/1391—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई, को स्थानान्तरित होने पर श्रीमती माणिक मुकुंद कर्णिक, सहायक लेखा अधिकारी-II, प्रिन्सी, भा. प. अ. केन्द्र, तारापुर ने 24 फरवरी 1982 पूर्वाह्न को इस अनुसंधान केन्द्र में अपना पदभार छोड़ दिया।

कृ. एच. बी. विजयकर  
उपस्थापना अधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं० 05052/82/1312—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री मोहनलाल वर्मा, अर्ध स्थायी उच्च

श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (कोटा) को भारी पानी परियोजना (तलचर) में फरवरी 12, 1982 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं० 05000/ए-8/1388—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री वेन्नापिल्लिल वगीस एलियास, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को, भारी पानी परियोजना (मु. का.) में 14 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न सहायक-कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र. व. कोटिअनकर  
प्रशासन अधिकारी

## तारापुर परमाणु बिजलीघर

डॉक्टर-टी. ए. पी. पी., दिनांक 16 अप्रैल 1982

सं० टी. ए. पी. एस./2/1246/76—काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थायी आशुलिपिक और इस बिजलीघर में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के. बालकृष्णन ने दिनांक 5 अप्रैल, 1982 को अपराह्न में सहायक कार्मिक अधिकारी पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी. उष्णिक्कणन  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

## अंतरिक्ष विभाग

## विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनन्तपुरम-695022, दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/ए०/82—निदेशक, वी० एस० एस० सी०, अंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र तिरुवनन्तपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक/इन्जीनियर "एस० बी०" के पद पर केवल अस्थायी रूप में उनके नामों के सामने दिये गये तारीखों से पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	प्रभाग	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	टी० जी० सुधाकर राव	ई० एल० एस०	1981-11-13
2.	बी० रंगनाथ	सी० जी० डी०	1981-11-13
3.	जे० जयकुमार	ई० एस० बी०	1982-01-07
4.	मनोहर सिंह	पी० एफ० सी०	1982-03-31

के० पी० आर० मेनन,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 22 अप्रैल, 1982

सं० ए० 38019/1/77-ई०(1)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी 31-3-82 (अपराह्न) को वार्षिक आयु पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

क्र० सं०	नाम	पदनाम
	सर्वश्री	
1.	के० सेधुमाधवन	मौसम विज्ञानी श्रेणी-1
2.	बी० एन० करमाकर	सहायक मौसम विज्ञानी

के० मुखर्जी,  
मौसम विज्ञानी (स्थापना),  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं. ए. 32013/9/82-ई. 1.—राष्ट्रपति ने श्री वी. एस. प्रभला, उप निदेशक उपस्कर को दिनांक 3-4-82 (पूर्वाह्न) से 3-7-82 (अपराह्न) तक की अवधि के लिए श्री एस. वैकास्वामी की छुट्टी रिक्ति में मस्थालय में निदेशक उपस्कर के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. ए. 35018/6/79-ई. 1 (पाट) —राष्ट्रपति ने श्री एस. के. आयरंगर, आई. पी. एस. (एस. एच. 1966) को दिनांक 7-4-82 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष की अवधि के लिए पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक सुरक्षा (वर्तमान रूप से 1200-1800 रु. 300/- विशेष बतन प्रतिमाम) के पद पर नियुक्त किया है।

सूधाकर गुप्ता  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं. 32013/7/81-ई-डब्ल्यू—राष्ट्रपति ने श्री हरबंस सिंह, सहायक निदेशक उपस्कर को दिनांक 30 मार्च, 1982 से छः मास की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हों, रु. 1500-60-1800 के वर्तमान में उप निदेशक उपस्कर के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. उप निदेशक उपस्कर के पद पर इस तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप श्री हरबंस सिंह इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और न ही ग्रेड में तदर्थ आधार पर की

गई उनकी सेवा अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए वरीयता के प्रयोजनार्थ गिनी जाएगी।

3. श्री हरबंस सिंह को विद्युत एवं यांत्रिक वर्कशाप, सफदरगंज एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

ई. एल. ट्रैमलर  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 17 अप्रैल 1982

सं. 1/213/82-स्था.—मुख्य कार्यालय के प्रशासन अधिकारी, श्री ए. डिमोन्स निवर्तन की आयु के हो जाने पर 31 मार्च 1982 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हो गए।

एच. एल. मलहोत्रा  
उप निदेशक (प्रशा.),  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 26 अप्रैल 1982

संख्या ए-19012/986/82-स्था पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री आर. सुन्दरमूर्ति, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु. 650-30-740-35-810-द. रां. -35-880-40-1000-द. रां. -40-1200 के वर्तमान में 22 फरवरी, 1982 की पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि अथवा पद के नियमित आधार पर भरो जाने तक जो भी पहले हों, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै. यूनिफ भारत मोटर फाइनांस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1982

सं. 3594/5735—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै यूनिफ भारत मोटर फाइनांस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जायेगी।

ह. अपठनीय  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मालवा पैस्टीमाइड्स इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 22 अप्रैल 1982

सं. क्रमांक 12661 बी. एस. वाई./101—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स मालवा पैप्टोसाइड्स इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्यप्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं जाल पी. कैसड  
एण्ड सन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में—

बम्बई, दिनांक 24 अप्रैल 1982

सं. 628/10645/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जाल पी. कैसड एण्ड सन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सी. ओ. पी. जैन  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,  
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स कैम्पसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में—

बंगलौर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं. 1806/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर मैसर्स कैम्पसन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सालनाज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में—

बंगलौर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं. 2324/560/81-82—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर सालनाज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स प्रमोद शूगर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में—

बंगलौर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं. 1556/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर मैसर्स प्रमोद शूगर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सावित्री वानिज्या प्राइवेट लिमिटेड के विषय में—

बंगलौर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं. 3301/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर सावित्री वानिज्या प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी. टी. गजवानी  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

चण्डीगढ़, दिनांक 23 अप्रैल 1982

सं. जी./स्टैर/560/1047/1024—यतः हिन्दूस्तान एक्सचेंज लिमिटेड जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय अमृतसर में है का परिसमापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षर कर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि कम्पनी के कार्यालय का पूर्णतया परिसमापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली अपीक्षित—विवर्णियों (1) छः कमवती मास की अवधि नहीं दी गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर हिन्दूस्तान एक्सचेंज लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किये जाने पर रजिस्टर से काट दिया जायेगा; और कम्पनी को विघटित कर दिया जायेगा।

एन. एन. मौलिक  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चण्डीगढ़

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2455—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नम्बर 4 है तथा जो ग्राम पानोद तहसील इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्तसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
2-66GI/82

1. श्री, चुन्नी लाल पिता गोपाल जी सुतार निवासी ग्राम पानोद तह० इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द पिता राजा राम जी निवासी ग्राम मूसाखेड़ी, तहसील इन्दौर (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तसूची

ग्राम पानोद तहसील इन्दौर भूमि खसरा नम्बर 4 रकबा 02044 ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2456—अनः  
मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 5 है तथा जो ग्राम पानोद तहसील  
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 14-8-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापित पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण  
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चुन्नी लाल पुत्र गोपाल मुतार निवासी ग्राम पानोद  
तहसील इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरक)

3. श्री लक्ष्मीनारायण पुत्र राजा राम जी निवासी ग्राम  
मूसाखेड़ी तहसील इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ग्राम पानोद तहसील इन्दौर की भूमि ख० नं० 5 रकबा —  
2.042 ।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2457--अतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 4 है तथा जो ग्राम पानोद तह० इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री चुन्नी लाल पुत्र श्री गोपाल जी निवासी ग्राम पानो तह० इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरक)

2. श्री रामलाल पिता राजा राम निवासी ग्राम पानोद तह० जिला, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम पानोद तह० इन्दौर स्थित भूमि खसरा नम्बर 4  
रकबा 2.044 ।

देव प्रिय पन्त,,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख : 8-4-1982]

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2458—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि खसरा नं० 27 है तथा जो लसूडिया मोरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति पार्वतीबाई पिता तानाजी पति मन्नु भैया निवासी ग्राम लसूडिया मोरी तहसील इन्दौर म० प्र० ।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री रमेश चन्द्र पुत्र गिरधर लाल जी गंगरोड  
(2) रामचन्द्र पुत्र केवशराम जी (3) पुष्पादेवी पिता राम चन्द्र जी (4) हरि पिता पीरामल जी (5) श्रीमति जमना पति शंकर लाल जी निवासी इन्दौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कृषि भूमि ग्राम लसूडिया मोरी तहसील इन्दौर खसरा नम्बर 27 की 1.75 एकड़।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2459—अतः मुझे,

देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि खसरा न० 27 है तथा जो  
लसूडिया मोरी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 3-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति पार्वतीबाई पिता लालाजी पति मन्नू भैया  
निवासी ग्राम लसूडिया मोरी तह० इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री साहन प्रकाश पुत्र छगन लाल जी (2)  
मनोज पुत्र रमेश जी (3) राधेश्याम पुत्र छगन लाल  
जी (4) श्याम मुन्दर पिता छगनलाल जी (5)  
भूदेव पिता हीरालालजी सभी निवासी इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम लसूडिया मोरी तहसील इन्दौर खसरा नम्बर  
27 की 2 एकड़ ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2460—अतः मुझे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि खसरा नं० 27 है, तथा जो लसूडिया मोरी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूचित कि विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कायित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जोड़/बा

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा---

1. श्रीमति पार्वतीबाई पिता लाला जी पति मन्नु भैया निवासी ग्राम लसूडिया मोरी तह० इन्दौर (म० प्र०) ।  
(अन्तरक)
2. (1) लीला धर पिता नारायण जी (2) नरेश पिता नारायण जी (3) सुरेश पिता नारायण जी (4) श्रीमति लीला बाई विधवा शंकरलाल जी (5) मीरा बाई पिता शंकर लाल जी सभी निवासी इन्दौर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ कराया हुआ है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप०---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम लसूडिया मोरी तहसील इन्दौर खसरा नम्बर 27 की 2 एकड़ भूमि ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 3-4-1982

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2461—अन: मुझे

देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ वीं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि खसरा नं० 27 है, तथा जो लसुडिया मोरी में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति पार्वतीबाई पिता नाना जी पति मन्मू भैया निवामी ग्राम लसुडिया मोरी तहसील इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री लीलाधर पिता नारायण जी (2) नरेण पिता नारायण जी (3) सुरेण पिता नारायण जी (4) श्रीमति लीलाबाई विद्या शंकरनाथ जी (5) मीराबाई पिता शंकरनाथ जी सभी निवामी इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम लसुडिया मोरी तहसील इन्दौर का नम्बर 27 की 2 एकड़ कृषि भूमि ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2462---अनः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखंड एवं षैड है, तथा जो ग्राम चिनाबद नगर इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामनारायण पिता देवीसहाय मैत्री (2) श्री वंशीधर पिता मांगी लाल जी मैत्री, निवास नरसीह टेकरी सीयों-गिता गंज इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति बाल्मिकी बाई पति श्री कैलाश चन्द्र जी गोयल निवासी मकान नम्बर 102 अग्रवाल नगर इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इन्दौर नगर में स्थित ग्राम चिनाबद में भूखंड एवं षैड जिसका साइज 30 x 20 फुट है ।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2463—अतः मुझे

देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड एवं शैड है तथा जो ग्राम चिताद इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

3 - 66GI/82

1. (1) श्री रामनारायण पुत्र देवीमहाय सेवी श्री वंशीधर पुत्र मांगीलाल जी सेवी निवासी तरसिह टेकरी, संयोगिता गंज, इन्दौर (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार पिता बनवारी लाल जी गोयल मकान नम्बर, 49, जानकीनगर इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इन्दौर नगर में स्थित ग्राम चितावद में भूखण्ड एवं उसमें निर्मित शैड जिसका माडज 10×20 फुट है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982

सोद्भर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2464--अतः

मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 208 है तथा जो साफेत कालोनी इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती सावित्री गुप्ता पत्नी श्री राजेश्वर लाल गुप्ता निवासी सी-17 शिवाजी नगर भोपाल हाल निवासी, इन्दौर

(अन्तरक)

2. (1) चतुर्भुज पुत्र सीरुमल पगरानी (2) श्री पीताम्बर पुत्र सीरुमल पगरानी निवासी 165 विष्णुपुरी, इन्दौर (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 208 साफेत कालोनी इन्दौर स्थित । माइज 50' x 80' = 4000 वर्ग फीट ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2465—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18 जो कि मकान नं० 22 में है  
है तथा जो यशवंत निवास रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुमूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-8-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति हांसा रशीद पत्नी स्व० मो० अब्दुल रशीद  
(2) श्री अशरफ रशीद पुत्र स्व० मो० अब्दुल रशीद  
(3) श्रीमति रोशनआरा रशीद पिता स्व० मो० अब्दुल  
रशीद सभी निवासी 22 यशवंत निवास रोड,  
इन्दौर (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

2. श्री बृन्दावन चतवानी पिता जीवनदास चतवानी 27,  
यशवंत निवास रोड, इन्दौर (2) श्री दिनेश सुरेका  
पुत्र श्री बेनीगोपाल सुरेका निवासी 18 बल्लभनगर  
(3) श्री रघुनन्दन सुरेका पुत्र बेनीगोपाल सुरेका,  
निवासी लाड़ कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 18 जो कि म० म० म० 22 यशवंत रोड, इन्दौर  
में स्थित है, कुल क्षेत्रफल 10,500 वर्ग फीट है ।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भाग  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2466—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे नं० 356/5, 356/6 है, तथा  
जो ग्राम राजौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 27-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री अंबर पिता महेशचन्द्र जी चौरसिया अ० पा०  
महेशचन्द्र पिता श्याम सुन्दर जी नि० 8/1, रस-  
कोसे रोड, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री संजय पिता बुरखीवाल खाती अ० पा० बुरखीवाल  
पिता सीता राम जी निवासी तम्बोली पिपल्या  
तह० व जिला इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ग्राम राजौदा तह० व जिला इन्दौर स्थित कृषि भूमि सर्वे  
नम्बर 356/5  
356/6

2

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 8-4-1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2467—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है सर्वे नं० 336/2 तथा जो  
ग्राम राजौदा तह० इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारो के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेशचन्द्र श्यामसुन्दर चौरसिया 8/1 रसकोर्स रोड  
इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री मुनील पिता बुरखीलाल श्र० पा० बुरखीलाल पिता  
सीताराम जी खाती नि० तम्बोली पिपल्या तहसील  
इन्दौर, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 336/2 रकबा 2.411 जो कि ग्राम  
राजौदा तह० व जिला इन्दौर में स्थित है।

देव प्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल,

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/2468—अतः मुझे देवप्रिय  
पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे नं० 356/1, है तथा जो  
ग्राम राजौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 27-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती आशाबाई पत्नी महेशचन्द्र चौरसिया निवासी  
8/1 रेसकोर्स रोड, इन्दौर (म० प्र०)

(अन्तरक)

2 श्री बुरखीलाल पुत्र सीताराम जी निवासी तम्बोली  
पिपल्या तह० एवं० जिला इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

ग्राम राजौदा तह० व जिला इन्दौर स्थित कृषि भूमि  
सर्वे नम्बर 356/1, साथ में कुआँ एवं मोटर पम्प ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2469—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड है, तथा जो अग्रसेन नगर इन्दौर में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 14-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसार अन्तरित किया गया है किन्तु उक्त  
भाग या क्रिया जाना जा रहा था, छिपाने में शामिल  
के लिए;

1. श्री रामचन्द्र पिता गोपालराव जी अग्रयक्ष अग्रसेन  
गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इन्दौर  
(अन्तरक)
2. श्री सुभाषचन्द्र पुत्र श्री मोहनलाल संघवी निवामी 24  
हातीपाला इन्दौर (म० प्र०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्रसेन नगर इन्दौर स्थित भूखण्ड क्रमांक 75 नई भूमि का  
क्षेत्रफल 3450 वर्ग फुट है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अन्य अर्थ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2470---अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
क अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसका सं० प्लॉट नं० 297 का भाग है, तथा जो  
गुरुनानक टिम्बर मार्केट नम्बर 1 इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नया पया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से रुधिन नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारा से की करने या उसे बचाने सुविधा  
के लिए, और या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जहाँ तक तो प्रा. 1-52 अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, डिमाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी सरदार कुलदीप सिंह जी  
6/2 पागनीस पागा इन्दौर (म० प्र०)  
(अन्तरक)
2. ठाकुरवीर (2) प्रेम प्रकाश पिता मृगीराम जी शर्मा  
129 गुरुनानक टिम्बर मार्केट नम्बर 1 इन्दौर म० प्र०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुरु नानक टिम्बर मार्केट नम्बर 1 स्थित प्लॉट नम्बर 297  
का दक्षिण भाग।

देवप्रिय पन्त,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल,

तारीख : 8-4-1982  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2471---अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है

ग्राम जिमको सं० प्लॉट नं० 329 का प्लॉट है तथा जो श्रीनगर  
एक्स्टेंशन कालोनी इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमा करने या उससे बचन के सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4 66 GI/82

1. श्री यशवंत मुरार चौधरी निवासी नेहरूनगर बिल्डिंग  
नम्बर 5 कमरा नम्बर 7, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री साबिर मोहम्मद खान पुत्र श्री दीदार मोहम्मद खान  
निवासी 181 रामगंज जिन्सी, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

श्रीनगर एक्स्टेंशन कालोनी यहां पर प्लॉट नम्बर 329  
का प्लॉट 35—72 फीट जो कि इन्दौर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन/2472—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट नम्बर 67 है तथा जो चन्द्रलोक  
एक्स० इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 4-8-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, दर्शाता:—

1. श्री अशोक प्रिमलानी पुत्र श्री नारायण तेजमल  
लानी

(अन्तरण)

2. श्री आर० एस० एस० नागौरी एम० आई० जी०  
कालौनी, इफको कार्यालय, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नम्बर 67 कुल एरिया 3727 वर्ग फुट जो कि चन्द्र-  
लोक एक्सटेंशन, (मनीशपुरी), साकेत के पास, इन्दौर में स्थित  
है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख: 8-4-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2473—

अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन मन्त्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 147 है तथा जो खातीवाला टैंक  
इन्दौर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय,  
इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अर्धिन 25-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री धनलाल जी आर.सी. 1सी  
10, जिन्सी (रामगंज मेन रोड), इन्दौर  
(अन्तरक)

2. श्रीमति बीरादेवी पत्नी श्री श्यामदास जी जुनेजा,  
निवासी 36/2 रावजी बाजार, इन्दौर (म० प्र०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

इन्दौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 44 खाती-  
वाला टैंक यहां पर प्लॉट नम्बर 147 कुल क्षेत्रफल 4250  
वर्ग फीट।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 8-4-1982  
मोहर:]

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2474—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 3 है तथा जो भागीरथपुरा,  
इन्दौर में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार (कर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सतीश कुमार पिता केणरीमल जी मिश्री पार्टनर किस्टल  
कैमीकल इंडस्ट्रीज, इन्दौर निवासी विवेणी कालोनी  
लाल बाग कल्याण, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार पिता रणजीत लाल, श्री गजानन पिता  
रामाबाबू, निवासी महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर, म० प्र०  
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई धाखेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 3 जो कि भागीरथपुरा, इन्दौर में स्थित है।  
एरिया 40—110।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 8-4-1982

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2475---अन्त.

मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 98 है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें ग्राबल अन्तर्भाव में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री हरवण लाल पुत्र मौदान निवासी 4/25 इन्डिया हाउस, कैम्पस बम्बई

(अन्तरक)

2. श्रीमति रुक्मिणी बाई पत्नी हरनारायण 135 स्नेह नगर इन्दौर म० प्र०

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 98 स्क्रीम नम्बर 31, जो इन्दौर में स्थित है।

देव प्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-4-1982।

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2476--अतः मुझे  
वेवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 1054 है, तथा जो कस्बा रत-  
लाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 29-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री महेंद्र सिंह पिता लाल सिंह धबाई के० मु० ग्राम  
तेज सिंह पिता शंभू नाथ सिंह धबाई निवासी मोहल्ला  
धबाई जी का वास, रतलाम (म० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री सेतानमल पुत्र सुरजमल मूणत सायर धनूतरा  
रतलाम म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 1954 रकबा 0-030 जो कि कस्बा रत-  
लाम म० प्र० में स्थित है।

वेव प्रिय पंते,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2477---अतः मुझे,  
देवप्रिय पत्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 1054 है, तथा जो कस्बा  
रतलाम में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 29-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री महेंद्र सिंह पिता लाल सिंह धवाई के मु० ग्राम तेजसिंह  
पुत्र शंभू सिंह जी धवाई निवासी मुहल्ला धवाई जी का  
बयास, रतलाम (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. श्रीमति तेज कुमारी पति शान्ती लाल जी छजलानी,  
धानमण्डी रतलाम म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 1054 जो कस्बा रतलाम म० प्र०  
में स्थित है—रकबा 0-030 ?।

देव प्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (i)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2478—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है -  
और जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 1054 है तथा जो कस्बा  
रतलाम में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रतलाम में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 29-8-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ब.) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री महेंद्र सिंह पुत्र लाल सिंह धबाई के मु० ग्राम तेज  
सिंह पिता शंभू सिंह जी धबाई, निवासी धबाई जी का  
ग्राम रतलाम (म० प्र०)।

(अन्तरक)

2. श्री हरीशचन्द्र पुत्र धनरूपमल जी भूणत सेठ जी का  
बाजार-रतलाम (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 1054 का रकबा 0-030 जो कि कस्बा  
रतलाम (म० प्र०) में स्थित है।

देव प्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 3-4-1982।

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2479—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन पत्रम प्राधिकारी को, यह विश्राम करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 1054 है तथा जो कस्बा रत-  
लाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय,  
रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
(1908 का 16) के अधीन 27-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्राम करने  
का कारण है कि व्यापारिक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए नया मूल्य प्राप्त  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित की गयी है:—

(क) अन्तरण से हुए अर्जन आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरण के वायस्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

1. श्री महेंद्र सिंह पिता लाल सिंह जी धबाई के मु० ग्राम  
श्री तेज सिंह पिता शंभू सिंह जी धबाई निवासी मोहल्ला  
धबाई जी का ग्राम, रतलाम

(अन्तरण)

2. (1) मांगी लाल पिता शंकर लाल जी यादव, रतलाम

(2) डा० हरिप्रोम पिता प्रकाश चन्द्र जी तिवारी, धान  
मण्डी, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 1054 का रकबा 0-030 कस्बा रत-  
लाम में प्र० में स्थित है ।

देव प्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

**प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2480---अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 1054 है, तथा जो कस्बा  
रतलाम में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 29-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री महेंद्र सिंह पिता लाल सिंह जी धवाई के मु० ग्राम  
श्री तेज सिंह पिता शंभू सिंह जी धवाई निवासी धवाई जी  
का वास, रतलाम।

(अन्तरक)

2. श्रीमति जाकिरा सुल्ताना पति इमदाद हुसैन जी निवासी  
मुहल्ला स्टेशन रोड रतलाम म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

भूमि सर्वे नम्बर 1054 का रकबा 0-060-छे० जिसका  
जो कि कस्बा रतलाम म० प्र० में स्थित है।

देव प्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2481—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 1054 है, तथा जो कस्बा  
रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक और अन्तरिती  
अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

1. श्री महेंद्र सिंह पिता लाल सिंह जी धवाई के मु० आम  
श्री तेजसिंह पिता शंभू सिंह जी धवाई निवासी  
मोहल्ला धवाई जी का बाम रतलाम-(म० प्र०) ।  
(अन्तरक)

2. (1) कुमारी कनीज आगीफ पिता नजमूद्दीन आगीफ  
(2) अमगर अली पिता शरफ अली आगीफ निवासी  
रतलाम (म० प्र०) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कायवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 1054 रकबा 0-030 तीन बिसवा  
जो कि कस्बा रतलाम में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 3-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2482—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 1054 है, तथा जो कस्बा रत-  
लाम में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
29-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदत्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्री महेन्द्र सिंह पिता लाल सिंह जी धवाई निवासी रतलाम  
के० मु० ग्राम श्री तेज सिंह पिता शंभू सिंह जी धवाई  
नि० मौहल्ला धवाई जी का बाम रतलाम ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमान दुर्गाबाई पति श्री राम अधिकारी (2) श्रीमति  
कमलाबाई पत्नी श्री गोपाल प्रसाद शर्मा जी निवासी  
रतलाम म० प्र० ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि कास्त सर्वे नम्बर 1054 का रकबा 0-030 तीन  
बिसवा--जो कि कस्बा रतलाम में स्थित है।

(देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल)

तारीख : 3-4-1982  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2483—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लकड़पीठा रतनाम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतनाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खान अली पिना फिदाहुसैन जी बोहरा निवासी मोहल्ला चांदनी चौक वाग्दय रतनाम (अन्तरक)

2. श्री मुजान भल पिना चांदमल जी चतौदिया मोहल्ला मेठ जी का बाम रतनाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाँच :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जमीन मुल्ला लकड़पीठा रतनाम स्थित मकान म्यु० नम्बर 157/158 के पीछे है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982 ।

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2484—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो लकड़पीठारतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19908 का 16) के अधीन 21-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पत्ररक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खानअली पुत्र फिदा हुसेन जी बोहरा निवासी चांदनी चौक बोहरा वाखल, रतलाम (अन्तरक)

2. श्री मुजानमल पुत्र चांदमल चानौदिया सेठ जी का वास रतलाम म० प्र० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हो गा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जमीन मुहल्ला लकड़पीठा मकान नम्बर 157/15 के पीछे का भाग जिसका क्षेत्रफल 263.90 वर्ग मीटर है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आ० ए० सी० (अर्जन)/2485—अतः मुझे  
वेधप्रिय पत्र ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नम्बर 1109/219 है, तथा जो  
कस्बा रतलाम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 20-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है ।-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री गफूर खां वल्द मौला बक्स सेरनी नि० सेरानीपुरा  
पुरा रतलाम म० प्र० ।

(अन्तरक)

2. श्री राम इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन द्वारा पार्टनर इन्दर-  
नारायण वल्द सुखलाल जी गोशाला रोड रतलाम म०  
प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कास्ट भूमि खसरा नम्बर 1109/219 जो कि कस्बा  
रतलाम में स्थित है ।

वेधप्रिय पत्र,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख : 14-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2486—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, तथा जो महुनीमच रोड रतलाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1981

के पूर्वोक्त स्थान के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री बीजेन्द्र कुमार पुत्र सुन्दर सिंह जी जैन, त्रिपल्ला दरवाजा, रतलाम (म० प्र०)

(अन्तरक)

1. (1) श्री जौहर अली (2) मजहर अली (3) मुस्तफा (4) यूसुफ अली सभी नाबालिग सरपरस्त पिता हकीमुद्दीन पुत्र अब्बास भाई (5) मौहम्मद अली (6) यूसुफ (7) साबिर अली द्वारा सरपरस्त पिता नजामुद्दीन पिता अब्बास भाई महु नीमच रोड, रतलाम (म० प्र०), (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट जो कि महु नीमच रोड, रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2487—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कास्त भूमि नम्बर 1109/9 है, तथा जो कस्बा रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-66GI/82

1. (1) श्री यूनुस खान वल्द गफूर खान (2) मोन्निन (3) सादिक अहमद वल्द शकूर खां शमशेर खां मेरानी, मेरानीपुरा

(अन्तरक)

2. श्रीराम इनवेस्टमेंट कारपोरेशन द्वारा पार्टनर इन्दर नारायण जी व सुखलाल जी झालानी नि० गोशाला रोड, रतलाम, म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कास्त भूमि नम्बर 1109/9 जो कि कस्बा रतलाम में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 14-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2488—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० निगम नम्बर 32 का भाग है,  
तथा जो माधोनगर, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० शंभूदयाल पाठक पुत्र श्री रामदयाल जी पाठक  
निवासी निजानपुरा, उज्जैन, म० प्र०

(अन्तरक)

2. श्री निर्मल कुमार पुत्र पन्ना लाल जी मुराना निवासी  
छत्ती चौक बाजार, उज्जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान नगर निगम नम्बर 32, बराह मिहर मार्ग,  
घंटाघर चौक, माधोनगर, उज्जैन में स्थित है, का भाग।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2489—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 4/1157 नया नं० 66 है,  
तथा जो खारा कुआँ, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बूल चन्द (2) किशन चन्द (3) प्रताप राय  
पुत्रगण लीभूमल (4) श्रीमति चन्द्रकला बाई विधवा  
साधू राम (5) पार्वतीबाई पत्नी शोभाराम जी (6)  
श्रीमति विशनी बाई पत्नी माधवदास समस्त निवासी-  
गण खारा कुआँ, उज्जैन (म० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री फजल हुसैन पुत्र गुलाम अली भाई, निवासी खारा  
कुआँ, उज्जैन (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाबेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान नम्बर 4/1157 नया नम्बर 66 जो कि खारा कुआँ,  
उज्जैन में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-3-1982  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2490—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 2164 है, तथा जो इन्दौर दरवाजा उज्जैन में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहसिन अली आत्मज हाजी इब्राहीम भाई, निवासी 234 गोल मंडी, बाखल, उज्जैन (म० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री करमसी भाई पिता वीरसी भाई शाह निवासी केशवनगर, कालोनी उज्जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर उज्जैन में इन्दौर दरवाजा रेलवे फाटक के पास स्थित मकान नम्बर 2 : 649 — नया नम्बर 1 सुभाष मार्ग है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-4-1982  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2491:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 2 : 649 का भाग है तथा जो  
इन्दौर दरवाजा उज्जैन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
उज्जैन में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 21-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहसिन अली पिता हार्जी इब्राहीम भाई कांचवाले  
निवासी 234, गोलमण्डी, बारखल, उज्जैन (म०  
प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ताबाई पत्नी करमसी भाई निवासी  
केशवनगर कालोनी, उज्जैन (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

नगर उज्जैन में इन्दौर दरवाजा, रेलवे फाटक के पास स्थित  
मकान नम्बर 2 : 649 का भाग—नया नम्बर 1, सुभाष मार्ग  
है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी० (अर्जन)/2492:-अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० मकान नम्बर 2/1425 का भाग नया नं० 71 है, तथा जो सराफा उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरीलाल पुत्र कन्हैयालाल वांकड़ा (2) बालकृष्ण पुत्र रामचन्द्र (3) सुरजबाई विधवा रामचन्द्र व राधेश्याम, गोपाल, आंमप्रकाश पुत्रगण हरीलाल निवासी, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) कंचनबाई पत्नी श्री आनन्दलाल जी माहेश्वरी दशहरा मैदान, उज्जैन (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 2/1425 का भाग व नया नम्बर 71 का भाग-तल मंजिल-जो कि गोपाल मन्दिर मार्ग सराफा उज्जैन में स्थित है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-3-1982.

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2493:—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सकात नम्बर 2/1425, तथा नम्बर 71 है, तथा जो सराफा उज्जैन में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

(1) श्री हरीलाल पुत्र कन्हैयालाल बाँकड़ा (2) बालकृष्ण पुत्र रामचन्द्र (3) मुरजवाई विधवा रामचन्द्र व गणेश्याम गोपाल श्रीमप्रकाश पुत्रगण हरीलाल निवासी—उज्जैन (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार पुत्र अर्जुनलाल जी माहेश्वरी, निवासी दशहरा मैदान, उज्जैन (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

एक किता सकात का भाग जिसका नम्बर 2/1425 (तथा 71) का भाग पहली व दूसरी मंजिल जो कि गोपाल मन्दिर रोड़ मण्डला उज्जैन में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 30-3-1982.

मोहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धन्व, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० पी० सी० (अर्जन) : 494—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 932 है, तथा जो खातीवाला टैंक  
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
11-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापूवोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री महेश चन्द्र पिता अमरनाथ निगम, (आई० पी०  
एस०) अनिविक्त पुलिस अधीक्षक, कोठा पैलेस,  
उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्तीनाथ नाथूलाल जी माहेष्वरी बाग, जिला  
धार--म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 932 जो कि खातीवाला टैंक इन्दौर में स्थित  
है, क्षेत्रफल 40×60 है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सं० (अर्जन)/2495/अन:मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 127 का भाग पर बना मकान है,  
तथा जो मौजा रांझी, नरसिंगनगर नगर, जबलपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता  
अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधिन, 6-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

7-66 GI/82

(1) श्रीमती गुरुदयाल कौर विधवा सरदार सिंह, 1810  
नरसिंगनगर रांझी, वार्ड, जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनुराधा पत्नी श्री दोराई स्वामी मुदलियार  
रांझी बस्ती, जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मौजा रांझी नरसिंगनगर, जबलपुर के डायवर्टेड प्लॉट नम्बर  
127 के हिस्से का रकबा 2400 वर्ग फुट पर बना हुआ मकान  
नगर निगम नम्बर 1810—नरसिंगनगर, रांझी वार्ड, जबलपुर।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-4-1982.  
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2496:—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नम्बर 169/459 है तथा जो साउथ सिविल लाइन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी लीलावती वायलेंट मनोरमा कुमारी पुत्री पी० एन० लक्ष्मण राव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराम सेंगर पुत्र रामलाल नरबदा रोड़, जबलपुर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोद्दिष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर स्थित बंगला नम्बर 169/459।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-4-1982.  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2497:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कच्चा मकान नम्बर 472, 473, 474 है तथा जो कोतवाली वार्ड, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश कुमार पुत्र स्व० रामदुलारे सराफ, निवासी सराफा वार्ड, जबलपुर (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती 1. प्रेमादेवी जीजे पं० जयनारायण मिश्रा (2) जयहरनाम मिश्रा (3) जयबलराम मिश्रा (4) श्री विजय कुमार मिश्रा (5) श्री अशोक कुमार मिश्रा (6) श्री कान्त मिश्रा, नम्बर 2 से 6 आत्मज श्री जयनारायण मिश्रा, पूर्वी निवाड गंज, जबलपुर, (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान कच्चा खपरैलद्वार एक मंजिला शिकस्ता हालत नम्बरी 472, 473, 474 का पूर्व दिशा का हिस्सा जो कि कोतवाली वार्ड जबलपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-4-1982.

मोहुर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस० (अर्जन)/2498:—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि व मकान नं० 776 का भाग प्लॉट नं० 20/2  
है तथा जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के  
कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 30-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति सावित्री देवी विधवा रोजाराम (2) चंदरलाल  
(3) लाल चंद (4) नारायणदास तीनों आत्मज  
स्व० रोजाराम 926 बड़ा ओमती जबलपुर (म०  
प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री सैयद मकसूद अली बल्द हुकमत अली 548  
छोटा ओमती भरतपुर वार्ड जबलपुर (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में कि जा सके ।

हरष्टोत्तरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

## अनुसूची

भूमि व मकान नं० 776 नेपियर टाउन जबलपुर का भाग—  
प्लॉट नं० 20/2, ब्लाक नं० 1 इस सम्पत्ति का उल्लेख अन्तरिती  
'श्री सैयद मकसूद द्वारा दिनांक 30-8-1981 को सत्यापित फार्म  
नं० 37 जी में है ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-3-1982.  
माहुर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2499—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 776 का भाग प्लॉट नम्बर 20/2 है तथा जो  
नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमति सावित्रीदेवी विधवा रोचिराम (2) चंदर-  
लाल (3) लाल चन्द (4) नारायण दास तीनों  
आत्मज स्वर्गीय रोचिराम 926 बड़ी श्रीमती जबलपुर  
(म० प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुब्बन बी (2) शब्बीर अहमद (3)  
मलीम अहमद (4) जमील अहमद (5) हकीम  
अहमद 898 नया मौहल्ला महाताल वाई जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करने का है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

### अनुसूची

भूमि व मकान का भाग नम्बर 776 नेपियर टाउन जबलपुर—  
प्लॉट नम्बर 20/2 ब्लाक नम्बर 1 इस सम्पत्ति का उल्लेख श्री  
शब्बीर हुसैन अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में है  
और फार्म नम्बर 37 जी में निहित सूचना के अनुसार इसके अन्तरण  
से सम्बन्धित डाक्यूमेंट का पंजीकरण रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय में अगस्त 1981 में हुआ था ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-3-1982.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2500—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० न० 731 (भाग) है तथा जो सुभाषनगर  
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
6-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती शशि प्रभा जैन पत्नी श्री उत्तमचन्द जैन नर्सिंग  
बिल्डिंग गोल बाजार, जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र जैन एवं श्री प्रभात चन्द्र जैन 766  
किरन बिला अग्रवाल कालौनी, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान नम्बर 731 का भाग जो कि मढ़ानाल बाई नम्बर  
16 सुभाषनगर में विक्रय शुदा मकान स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 27-3-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री उत्तमचन्द्र जैन इंजीनियर, नर्सिंग विट्छिग, गोल बाजार, जबलपुर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रामचन्द्र जैन एवं श्रीमती श्रीकान्ता जैन 766 किरन बिला, अग्रवाल कालौनी, जबलपुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1982

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2501—यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 731 का भाग है तथा जो सुभाष-नगर जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मकान नम्बर 731 का भाग मढ़ाताल बाई नम्बर 16 सुभाष-नगर, जबलपुर स्थित।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 27-3-1982.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2502—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सखम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 73/2, 75/4 है तथा जो जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० भास्कर राव पुत्र स्व० के० नारायण मूर्ति, केवडामूडा वार्ड, जगदलपुर—(म० प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम मोतीबाला पुत्र स्व० प्रेम जी मोतीबाला, निवासी केवडा मूडा वार्ड, जगदलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

केवडामूडा वार्ड जगदलपुर स्थित मकान यूनिट नम्बर 3, शीट नम्बर 93, प्लॉट नम्बर 73/2+75/4 ।

देवप्रिय पन्त  
सखम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-3-1982.  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० भास्करराव पुत्र स्व० के० एन० मूर्ति, मूर्ति लाइन, जगदलपुर म० प्र० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) के० बाबूराव पुत्र स्व० के० नरसिम्हाराव, वकील, जगदलपुर, म० प्र० ।

(अन्तर्गति)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2503—यतः मुझे

देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 5 है तथा जो केवडामूडा जगदलपुर वार्ड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जगदलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-66 GI/82

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

केवडामूडा वार्ड जगदलपुर स्थित यूनिट नम्बर 5, मूर्ति लाइन, एम० ब्लाक—शीट नम्बर 93—प्लॉट्स 73/2 और 75/4, क्षेत्रफल 1130 वर्ग फुट।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-3-1982.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2504—अतः मुझे,  
देवप्रिय पत्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 73/2, 75/4 पर पक्का मकान है,  
तथा जो केवड़ा मूड़ा वार्ड जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 24-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री के० भास्कर राव पुत्र स्व० के० नाराय  
केवड़ामूड़ा वार्ड जगदलपुर, जिला बस्तर, (म० प्र०) ।  
(अन्तरक)

(2) श्री समीर कुमार रे पुत्र स्व० एन० सी० एन० रे,  
निवासी जगदलपुर-बस्तर (म० प्र०) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पक्का मकान शीट नम्बर 93, प्लॉट नम्बर 73/2, 75/4  
केवड़ामूड़ा वार्ड, जगदलपुर, स्थित ।

देवप्रिय पत्न,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 27-3-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2505—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० यूनिट नम्बर 4 है, तथा जो केवड़ा मूंडा बाई जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० भास्कर राव पुत्र स्व० श्री के० एन मूर्ति मूर्ति लाइन जगदलपुर (म० प्र०) ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती देसरी रुक्मिणीम्मा पत्नी स्व० वेक्टरंगम, जगदलपुर (म० प्र०) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नम्बर 4-शीट नम्बर 93 प्लॉट नम्बर 73/2, 75/4, क्षेत्रफल 1209 वर्ग फुट 1 तथा जो केवड़ा मूंडा बाई जगदलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-3-1982.  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2506—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० पक्का मकान प्लॉट नम्बर 73/2, 75/4 है, तथा  
जो केवड़ासूँडा वार्ड जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 25-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० भास्कर राव पुत्र स्व० श्री के० नारायण मूर्ति  
जगदलपुर, जिला बस्तर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गौरी बागची पत्नी श्री अशोक बागची  
छेबरासूँडा वार्ड, जगदलपुर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पक्का मकान (ब्लॉक) शीट नम्बर 93 प्लॉट नम्बर  
73/2, 75/4, केवड़ासूँडा वार्ड जगदलपुर स्थित।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27/3/1982.  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2507:--प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि आ० नम्बर 530/1 है, तथा जो ग्राम सेगुवा तह० सेवड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेवड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-8-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचना में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री पूरन सिंह तनय यशवंत सिंह जाट नि० सेगुवा तह० सेवड़ा, जिला दतिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री खुशीराम, राजाराम, रघुवीर पुत्रगण रामदयाल बघेल, निवासी जरौली तह० सेवड़ा जिला दतिया तथा रामदास पुत्र पतराम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि आ० नम्बर 530/1, रकबा 5.82/2.3555 जो कि ग्राम सेगुवा तहसील सेवड़ा जिला दतिया में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री वीरेन्द्रसिंह तनय यशवंत सिंह जाट निवासी सेगुवा तह० सेवड़ा जिला दतिया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2540:—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ग्रा० नम्बर 530/2 है, तथा जो ग्राम सेगुवा तह० सेवड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेवड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(2) श्री खुशीराम, राजाराम, रघुवीर पुत्रगण रामदयाल वधेल निवासी ग्राम जरौली, तह० सेवड़ा जिला-दतिया, म० प्र०, तथा रामदास तनय पतराम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि ग्रा० नम्बर 530/2 रकबा 5.82/2.355 जो कि ग्राम सेगुवा तह० सेवड़ा जिला दतिया में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-4-1982.

मोहर :

राजपत्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2508:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 8/1 है, तथा जो शाजापुर नाईवाड़ा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाजापुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
26-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबा उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में कमी करने या उल्टे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मदनलाल पिता नारायण जी निवासी मुहल्ला  
केसरबाड़ी, शाजापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री द्विनेशकुमार पिता शिवनारायण राठौर मौहल्ला  
श्रीसवाल शेरी शहर, शाजापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नगर के बार्ड नम्बर 6 मौहल्ला नाईवाड़ा में स्थित है  
तथा उसका नम्बर 8/1 है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-4-1982.

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2509—अनतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 8/1 का भाग है, तथा जो नाईबाड़ा  
शाजापुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाजापुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
21-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदनलाल पिता नारायणजी निवासी मौहल्ला  
केशरबाड़ी शहर, शाजापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवनारायण पिता पूरनमल राठौर निवासी  
श्रीसवाल रोड़ी शहर, शाजापुर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शहर शाजापुर, नाई बाड़ा वार्ड नम्बर 6 में स्थित भवन  
क्रमांक 8/1 का उत्तरी भाग।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 14-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अप्रैल 1982

निदेश सं० आई० ए० सी०/(अर्जन)/2510—यतः, मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 47/923/2 है, तथा जो महाडिक की  
गोठ लश्कर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लोचन में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--  
9-66G1/82

(1) श्री शिवाजीराव व इन्द्रजीत पुद्गण शम्भाजी राव  
भोसले नि० ग्राम हेरा, जिला कोन्हापुर, मु० खास  
इन्द्रजीत ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री कैलाशचन्द्र पुत्र रघुवीर सिंह जन माधोगंज  
नगर लश्कर, (2) मैमोदेवी परनी सुमंत प्रसाद जैन, द्वारा  
भावना अग्रबत्ती, सराफा बाजार, लश्कर, खालियर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान महाडिक की गोठ लश्कर 47/923/2 खालियर में  
स्थित ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 13-4-1982.  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2511—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भवन निगम नम्बर 12 प्लॉट 34ए का पूरा भाग  
ब 35 का भाग है तथा जो गोले का मन्दिर मुरार-ग्वालियर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती विजया आपटे धर्मपत्नी केशव गणेश आपटे  
निवासी मुदर्शन टैक्सटाइल, कोटा, राजस्थान ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० सविता गुप्ता पत्नी श्री अवध किशोर  
गुप्ता निवासी गुप्ता विल्डिंग गरम सड़क नगर—मुरार  
परगना जिला ग्वालियर, म० प्र० ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

भवन निगमजी ह० नम्बर 12 प्लॉट नम्बर 34ए पूरा ब 35  
का भाग पर निर्मित—जो कि कृष्णा नगर गोले का मन्दिर मुरार  
जिला ग्वालियर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2512—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाना नम्बर 146 का आधा भाग है, तथा जो जग्गा खेड़ी मन्दसौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० स० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० स० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शिवप्रकाश पिता रमणलाल जी व रविन्द्रकुमार नाबालिग पिता रमणलाल व सर० रमणलाल आत्मज मोतीलाल, निवासी मन्दसौर।

(अन्तरक)

(2) श्री सईद मौहम्मद पिता अलाउद्दीन मुसलमान व नन्नी बाई पति अलाउद्दीन जी निवासी नयापुरा, मन्दसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाता नम्बर 146 रकबा 7 हेक्टेयर 2.11 आरी में से आधा हिस्सा जो कि जग्गा खेड़ी, मन्दसौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982.  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2513—अतः मझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जगाखेड़ी मन्दसौर में स्थित  
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कोथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये  
अर्जन

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवप्रकाश पिता रमणलाल जी, रविन्द्र कुमार  
ना० बा० पिता रमणलाल जी व सर० रमणलाल  
पिता मोतीलाल निवासी नयापुरा, मन्दसौर।  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री वहीद अहमद पिता अलाउद्दीन 2. आउद्दीन  
पिता मदारीखां नयापुरा, मन्दसौर।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि संख्या 679, 680, 682, 684, 685, 687, 710,  
711, 712—कुल क्षेत्रफल का आधा भाग जैसा कि अन्तरिती  
द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जो में वर्णित है तथा वे समस्त  
अचल सम्पत्ति जो कि इस मामले में हुए अन्तरण में आती है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री वरदोचन्द पिता मोतीलाल जी जैन, सीतामऊ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री लक्ष्मीलाल पिता मोतीलाल जैन, सीतामऊ ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2514:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान वार्ड नं० 8, तथा जो वार्ड नं० 8 सीतामऊ  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीतामऊ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-8-1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्मिताओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
अधिक हो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक पक्का सूचना जो कि वार्ड नम्बर 8 सीतामऊ में स्थित  
है।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2515:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वा नं० 8 में मकान है, तथा जो वार्ड नम्बर 8  
सीतामऊ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीतामऊ  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
6-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व को गढ़ा है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कायित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वरदीचन्द पिता मोतीलाल जी जैन, निवासी—  
सीतामऊ (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकुमार पुत्र लक्ष्मीलाल जी जैन, नि० सीतामऊ,  
(म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक मकान पक्के तीन कमरे जो वार्ड नम्बर 8 सीतामऊ में  
स्थित है ।

देवप्रिय पन्त;  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2516--अतः, मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेकलैंड है, तथा जो चिकलौद जिला रायसेन में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-8-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निर्मालिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) भोपाल की मेहर्ताज साजिदा मुल्तान, अहमदाबाद  
पैलेस, भोपाल (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार जैन, द्वारा रोज कार्पेट्स, जीवनी  
मंडी, आगरा (उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

चिकलौद जिला रायसेन स्थित लेक लैण्ड जो कि अन्तरिती  
श्री दिनेश कुमार जैन द्वारा मत्पापित फार्म नम्बर 37- जी के  
अनुसार 52 एकड़ है और जिसके अन्तरण से सम्बन्धित डाक्यूमेण्ट  
सब-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा भेजे गये फार्म नम्बर 37-एच के अनुसार  
सब-रजिस्ट्रार, बम्बई के कार्यालय में 14-8-1981 को समाप्त  
होने वाले पक्ष में रजिस्ट्रेशन नम्बर आर-1333/81 के अन्तर्गत  
पंजीकृत हुए थे, तथा वे समस्त अचल सम्पत्ति जो कि उक्त डाक्यूमेण्ट  
के अन्तर्गत आती हैं।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2517—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेक लैण्ड है, तथा जो चिकलौद जिला रायसैन  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
13-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्विगुण में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) भोपाल की मेहरताज साजिदा सुल्तान अहमदाबाद  
पैलेस, भोपाल (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार सिंह कासलीवाल, कल्याण भवन,  
तुकागंज, इन्दौर, (म० प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है ।

## अनुसूची

चिकलौद जिला रायसैन स्थित लेक लैण्ड, जो कि अन्तरिती  
श्री सुरेश कुमार सिंह कासलीवाल द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-  
जी के अनुसार 52 एकड़ है और जिसके अन्तरण से सम्बन्धित  
डाक्यूमेंट सब-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा भेजे गये फार्म नम्बर 37-एच  
के अनुसार, सब-रजिस्ट्रार, बम्बई के कार्यालय में 14-8-1981  
को समाप्त होने वाले पक्ष में रजिस्ट्रेशन नम्बर आर०-1390/81  
के अन्तर्गत पंजीकृत हुए थे तथा वे समस्त अचल सम्पत्ति जो कि  
उक्त डाक्यूमेंट के अन्तर्गत आती है ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल. दिनांक 3 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2518:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थवर संपत्ति, जिम्मा उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० लेकलैण्ड है, तथा जो चिकलौद जिला रायसैन  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भोपाल की मेहरताज साजिदा सुल्तान अहमदाबाद  
पैलेस, भोपाल (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान भावजी ठक्कर, द्वारा विजय पैकेजिंग  
जवाहर इन्दौर इस्टेट मलन्द (डब्लू०), बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थवर संपत्ति में हातबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

चिकलौद जिला रायसैन स्थित लेकलैण्ड जो कि अन्तरिती श्री  
भगवान भावजी ठक्कर द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी के  
अनुसार 52 एकड़ है और जिसके अन्तरण से सम्बन्धित डाक्यूमेंट  
सब रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा भेजे गये फार्म नम्बर 37 एच के अनुसार  
सब रजिस्ट्रार बम्बई के कार्यालय में 14-8-1981 को समाप्त  
होने वाले पक्ष में रजिस्ट्रेशन नम्बर आर 1334/81 के अन्तर्गत  
पंजीकृत हुए थे तथा वे समस्त अचल सम्पत्ति जो कि उक्त डाक्यूमेंट  
के अन्तर्गत आती है।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2519:—अतः सुते,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेक लण्ड है, तथा जो चिकलोद जिला रायमैन  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दान में अन्तरक में  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) भोपाल की मेहरताज साजिदा सुल्तान, अहमदाबाद  
पैलेस, भोपाल (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार मालवीया नौलखा, इन्दौर (म०  
प्र०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिकलोद जिला रायमैन स्थित लेक लण्ड जो कि अन्तरिती  
श्री देवेन्द्र कुमार मालवीया द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी  
के अनुसार 52 एकड़ है और जिसके अन्तरण से सम्बन्धित डाक्यूमेंट  
सब रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा भेजे गये फार्म नम्बर 37 एच के अनुसार,  
सब रजिस्ट्रार बम्बई के कार्यालय में 14-8-1981 को समाप्त  
होने वाले पक्ष में रजिस्ट्रेशन नम्बर आर० 1335/81 के अन्तर्गत  
पंजीकृत हुए थे तथा वे समस्त अचल सम्पत्ति जो कि उक्त डाक्यूमेंट  
के अन्तर्गत आती हैं ।

देवप्रिय पन्त,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 3-4-1982.

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)/2520--अतः भूके,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. लोक लेण्ड है, तथा जो चिकलीद, जिला  
रायसेन में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंदर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 13-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या हस्त बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. भोपाल की मेहरताज साजिदा सुल्तान, अहमदाबाद  
पैलेस, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री विक्रमादित्य जे. बी. राना, सैलाना कोठी,  
तूकोगंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### गुप्त सूची

चिकलीद, जिला रायसेन स्थित लोकलेण्ड, जो कि अन्तरिती  
श्री विक्रमादित्य जे. बी. राना द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37  
जी. के अनुसार 54 एकड़ है, और जिसके अन्तरण से सम्बन्धित  
डाय्यूमेन्ट सब रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा भेजे गये फार्म नम्बर 37  
एच. के अनुसार सब रजिस्ट्रार, बम्बई के कार्यालय में  
14-8-81 को समाप्त होने वाले पक्ष में रजिस्ट्रेशन नम्बर आर. 1  
1332/81 के अन्तर्गत पंजीकृत हुए थे तथा वे समस्त अचल  
सम्पत्ति जो कि उक्त डाय्यूमेन्ट के अन्तर्गत आती हैं।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉय, भोपाल

तारीख : 3-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 फरवरी, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/2521:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेकलेण्ड है, तथा जो चिकलीद जिला रायसेन में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13  
अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :-

(1) भोपाल की मेहरताज साजिदा सुल्तान, अहमदाबाद  
पैलेस, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्ति कुमार सेठ, पुत्र सूर्यनारायण सेठी, हनुमान  
का रास्ता, जयपुर (राजस्थान)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

चिकलीद जिला रायसेन स्थित लेकलेण्ड (वनभूमि) जिसका  
कि विवरण अन्तरिती श्री शान्ति कुमार सेठ द्वारा गत्यापित फार्म नं०  
37 जी में दिया गया है, जो कि उक्त फार्म नं० 37 जी में निर्दिष्ट  
सूचना के अनुसार 54 एकड़ है और जिसके अन्तरण से संबंधित  
डाक्यूमेंट बम्बई के रजिस्ट्रार द्वारा फार्म नं० 37 एच० में दी गई  
सूचना के अनुसार 14-8-81 को समाप्त होने वाले पक्ष में पंजीकरण  
संख्या आर०-1389/81 के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया है तथा  
वे समस्त अचल सम्पत्तियां जो कि उक्त डाक्यूमेंट के अन्तर्गत  
शामिल हैं।

देवप्रिय पन्त,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 27-2-1982.  
मोहर :



## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस० (अर्जन)/2522:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 9/79 का भाग है, तथा जो मालवीय  
नगर, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
1-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीकृष्ण शर्मा पुत्र श्री चिन्तामणि शर्मा निवासी  
कै० एम० बी०, पाटनकर बाजार लखर, खालियर  
(म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला अग्रवाल पत्नी श्री ओमप्रकाश अग्रवाल  
निवासी मालवीय नगर, भोपाल (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 9/79 का भाग जो कि मालवीयनगर भोपाल में  
स्थित है।

देवप्रिय पन्त,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-4-1982.  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2523:—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 4 मंजिला है, तथा जो स्टेशन रोड, भोपाल  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती कुष्णागर्ता मालव पत्नी श्री तिलकराज मलिक  
निवासी सज्जाद बिल्डिंग, हमीदिया रोड, भोपाल सं०  
प्र०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री दुर्गा प्रसाद शर्मा आत्मज स्व० श्री रघुवीर प्रसाद  
शर्मा निवासी पारस बिल्डिंग, स्टेशन रोड, भोपाल ।

(अन्तरिती)

मे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक चार मंजिला मकान जो कि स्टेशन रोड भोपाल में स्थित  
है जिसका कुल एरिया 750.75 बिर्डिंग ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आर्द्र, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० (अर्जन)/2524---अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 50 है, तथा जो शाहपुरा भोपाल में  
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वार्ड ख-4 अगस्त,  
1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
सुविधा के लिए;

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गणेश मेहरा पुत्र ए० एन० मेहरा निवासी ई०-1/  
109 अरेरा कावलीनी, भोपाल (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मा पुरी पत्नी श्री राजराज पुरी निवासी  
14 भासीरा अपार्टमेंट ई-5, अरेरा कावलीनी, भोपाल  
(2) अनका टंडन पुत्री राजेन्द्र कुमार 19 शामला  
रोड, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 50 जो कि शाहपुरा भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त,  
संक्षेप प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-4-1982.  
सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल, 1982

निदेश सं० आई० ए० मो० (अर्जन)/2525---अन० मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 39 है, तथा जो छावनी  
विलायतान, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय  
भोपाल में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 29-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती राधाबाई गिहल पत्नी श्री रामनाथयण गिहल तथा  
रामनाथयण गिहल पुत्र दामोदर लाल गिहल, निवासः  
निकट इलाहाबाद बैंक, भोपाल जोकि सुन्दायण अम है  
एवं गंकरला आत्मज पाने लाल निवासः पैवदापुरा,  
नाम वाली गडक, सर्वो नं० 3, जहंगिराबाद, भोपाल।  
(अन्तरक)

2. श्री घनश्याम दाम अग्रवाल पुत्र मधुराशम द अग्रवाल  
निवासी इतवार भोपाल, (म० प्र०)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान नम्बर 39 जोकि छावनी विलायतान, भोपाल में  
स्थित है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन) 2526—अतः सुशे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर, 39 है, तथा जो छावनी  
विलायतान, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 29-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
11-66 GI/82

1. श्रीमती राधाबाई सिंहल पत्नी श्री राम नारायण सिंहल  
द्वारा 'रामनारायण सिंहल आत्मज' दामोदर नाल सिंहल  
निवासी इलाहाबाद बेक, इतवार, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती द्रौपदी बाई पत्नी श्री घनश्यामशम अग्रवाल  
निवासी मोहल्ला इतवारा गहर, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

मकान नं० 39 जोकि छावनी विलायतान, भोपाल में  
स्थित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2527--अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जमीन खसरा सं० 131 का टुकड़ा है तथा जो फाफाडीह रायपुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्विकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जयन्तीलाल पुत्र श्री जगमाल राठौर  
साकिन फाफाडीह, रायपुर तह० व जिला रायपुर (म० प्र०)  
(अन्तरक)
2. श्रीमती गीता परमार पत्नी श्री हरीलाल परमार,  
निवासी फाफाडीह रायपुर, जिला रायपुर (म० प्र०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जमीन खसरा नम्बर 131 का टुकड़ा शीट नम्बर 22, भूखण्डक 20 का टुकड़ा रकबा 2900 वर्ग फुट जोकि फाफाडीह रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27 मार्च, 1982  
मोहर :

प्रकृष्ट आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सो० (अर्जन)/2528—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो चांटापारा, बिलासपुर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 3-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. (1) श्री छदनाथ पुत्र अमृतलाल दुबे स्वयं एवं खास  
मुकदमा में कमला बाई विधवा अमृतलाल दुबे ।

(2) श्री शिवशुमार पुत्र अमृतलाल दुबे  
निवासी खारमा तह० जंगौर जिला बिलासपुर,  
म० प्र० ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा सिंह पत्नी श्री बलराम सिंह राजपूत  
निवासी तिलकनगर, बिलासपुर, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नजल प्लाट, चांटा पारा बिलासपुर स्थित ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-4-1982

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च, 1982

निर्देशन सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2529—अन० मुद्दे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 239 है, तथा जो तखतपुर, जिला  
बिलासपुर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बिलासपुर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 26-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री असगर भाई बल्द सालहभाई बनाक बहारा  
ग्राम तखतपुर, तह० व जिला बिलासपुर (म० प्र०)  
(अन्तरक)

2. श्री बलवन्त सिंह बग्गा, पुत्र ज्वाला सिंह सिक्ख  
निवासी तखतपुर, जिला बिलासपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि, दुकान, कुआँ व वे अन्य अचल सम्पत्ति जो कि श्री  
असगर भाई द्वारा श्री बलवन्त सिंह पुत्र ज्वाला सिंह निवासी  
तखतपुर जिला बिलासपुर को अन्तरित की गयी जिनका कि  
उल्लेख श्री बलवन्त सिंह अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर  
37 जी में है और जिनके कि अन्तरण का डाक्यूमेन्ट फार्म  
नम्बर 37 एच व 37 जी में निहित सूचना के अनुसार, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में 26-8-1981 को पंजीकृत हुआ  
है। खसरा नं० 239 प० ह० नं० 118 मकिल ब्लाक एवं  
रा० नि० सं० तखतपुर जिला बिलासपुर ख० नं० 556।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 26 मार्च, 1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2530—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 319, 320 है तथा जो छिदवाड़ा में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रार/कार्ता अधिकारी के कार्यालय छिदवाड़ा में रजिस्ट्रार/करण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-9-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री घेवरचन्द मुगना पुत्र हीरालाल मुगना  
(2) द्वारिकादास माहेश्वरी पुत्र वर्षाधर माहेश्वरी  
(3) रवि शंकर जैन पुत्र एवं स्व० चम्पालाल जैन  
पुत्र प्रेम लाल जैन  
(4) प्रवीण चन्द्र बनाविया पुत्र बृजदास बनाविया  
सभी जनरल मरचेन्ट निवासी छिदवाड़ा  
तहसील एवं जिला छिदवाड़ा (म० प्र०)  
(अन्तरक)

2. (1) श्री मनोहर लाल राठी पुत्र अनंतलाल राठी  
(2) मोतीलाल जैन पुत्र फकीरचन्द जैन  
(3) मौहम्मद सफी पुत्र हाजी अली बक  
(4) श्रीमती कुसुम लता पाटनी पत्नी शान्ति कुमार  
पाटनी सभी निवासी छिदवाड़ा (म० प्र०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 186 (क्षेत्रफल 7.10 एकड़) फार्म नं० 37-जी  
के अनुसार व खसरा नं० 187 (क्षेत्रफल 3.71 एकड़ फार्म  
नं० 37-जी के अनुसार) नया खसरा नं० 319 (क्षेत्रफल  
6.54 एकड़ फार्म नम्बर 37-जी के अनुसार) नवम्बर 320  
(क्षेत्रफल 4.27 एकड़ फार्म नम्बर 37-जी के अनुसार)  
दो कुएं ग्राम सिवनी प्रानमोर्टा एस० नं० 573 पी० सी०  
एन० पी० 99/75 तहसील छिदवाड़ा (वर्तमान में छिदवाड़ा  
म्युनिसिपल क्षेत्र में) समस्त इमारती निर्माण शेड्स  
स्ट्रक्चर्स इरेक्शन्स व अन्य इन्स्टालेशन्स फिक्स्चर व फिटिंग्स  
के साथ में जो खसरा नम्बर 186 व 187 (नया खसरा  
नम्बर 319 व 230) में है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 26 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2531--अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो वार्ड नं० 19 बालाघाट में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बालाघाट में  
रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
3-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए।  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-  
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भगवती बाई विधवा चन्द्रनलाल भाऊ नगपुरे  
तहसील व जिला बालाघाट (म० प्र०)  
(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रभान पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण खंडेलवाल  
वार्ड 10 बालाघाट (म० प्र०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
रुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनसूची

भूमि बालाघाट वार्ड नं० 19 तहसील व जिला बालाघाट  
प० ह० नं० 13/2 ख० नं० 351/5 ख 351/6 व कुंआं  
इस अचल सम्पत्ति का उल्लेख श्री चन्द्रभान, अन्तरिती  
द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में है और यह फार्म  
नं० 37 जी व 37 एच में निहित सूचना के अनुसार अगस्त  
1981 में अन्तरित हुई है।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-3-1982  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2532—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 19/8 है तथा जो पलामिया  
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इन्दौर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधिनियम दिनांक 27-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भन्तमोहन लाल

19/8 न्यू पलामिया राजस्थान बैंक, इन्दौर के पीछे  
इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० डी० बोरकर

19/8 न्यू पलामिया राजस्थान बैंक के पीछे  
इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हातबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 19/8 जोकि न्यू पलामिया इन्दौर में  
स्थित है ।

देव प्रिय पन्त  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री कन्हैयालाल पिता किशन जी

गवटीपुरा रतलाम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 15 अप्रैल 1982

गिरेश मं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2533—अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे नं० 470 है तथा जो  
कम्बा रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 26-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री हानिमभाई बल्द जौहर अली बौहरा
- (2) बापूलाल भगवान जी काहा
- (3) राजचन्द पुत्र सरूपचन्द बौहरा
- (4) पुखराज बाई पति हिम्मत मल जी कोठारी
- (5) निर्मला बाई पति महेन्द्र प्रसाद कोठारी

निवासी रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नम्बर 474 जोकि कम्बा रतलाम में  
स्थित है ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-4-1982  
मोहर :

प्रारूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2534--अतः मुझे  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन खसरा नं० 148 है, तथा जो खंडवा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खंडवा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
6-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

12-66 GI/82

1. श्री चेताराम भाई श्रवण कुमार बल्द मोतीराम, कुन्वी पटेल  
बाम्बे बाजार, खंडवा, लीला बाई, शान्ता बाई,  
गीता बाई, गुलाब बाई आत्मजा मोती राम एवं  
अजुध्या बाई, बेवा मोतीराम सब के मु० ग्राम  
चेताराम भाई श्रवण कुमार नि० बाम्बे, बाजार  
खण्डवा (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

2. पं० बुलाखीलाल बन्द बापू सिंह जी राजपूत  
निवासी पडावा वार्ड खण्डवा म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन खसरा नम्बर-148 रकबा 25-70 डी० जोकि  
तह० खण्डवा में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2535--अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सर्वे न० 225, 228 भाग, है तथा जो  
आसुखाना खुर्द ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय 27-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए न तो पाठ्य नग प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश में उक्त अन्तरण विधिवत में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन नग देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री गनपतलाल पुत्र श्री भुरामल जौहरी,  
(2) किशनलाल जौहरी  
(3) केशरी मल जौहरी  
(4) भगवान दास  
(5) दीन दयाल  
(6) घनश्याम दास  
सभी पुत्र गनपतलाल जौहरी निवासी सराफा,  
लक्ष्कर, ग्वालियर द्वारा अटार्नी भगवानदास  
पुत्र गनपतलाल जौहरी, सराफा बाजार,  
लक्ष्कर, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री महेन्द्र कुमार,  
(2) राजेन्द्र कुमार अवयस्क पुत्र श्री नन्दकिशोर गुप्त  
निवासी दान बाजार लक्ष्कर ग्वालियर  
द्वारा अभिभावक श्री नन्दकिशोर गुप्त,  
चाटेई एकाउन्टेन्ट्स, दान बाजार, लक्ष्कर  
ग्वालियर (म० प्र०) ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सर्वे नम्बर, 225, 228 का भाग जोकि गांव  
आसुखाना खुर्द, स्टेशन रोड, लक्ष्कर ग्वालियर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 13-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2536—प्रतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर, 1/1329, 1/1330, 1/1330  
है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
उज्जैन, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 21-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थापूवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आदित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुनाथ सिंह, पिता कनीराम जी  
निवासी भेसला, खुर्द ।

(अन्तरक)

2. श्री नाथू राम पिता हेमा जी,  
नि० ग्राम अबोलिया तह० देपालपुर, जिला इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नगरपालिका निगम उज्जैन, नम्बर 1/1329  
व 1/1330, व 1/1330 का भाग जोकि उज्जैन क्षीर सागर  
नई सड़क पर स्थित है ।

देवप्रिय पन्त,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2537—अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 273 है तथा जो ग्राम बाबडया  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
20-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री हीरा लाल  
(2) श्री अम्बाराम पिता बोपाजी गारी,  
(3) देवकरण पिता बापू जी गारी तरफे पालक  
माता भंवर बाई  
(4) भंवर बाई विधवा बापू गारी  
शांतीपुरा गली नम्बर 1, देवास (म० प्र०) ।

(अन्तरक)

2. मै० अनुपम गृह निर्माण सहकारी संस्था,  
देवास कार्यालय, क्वाटर्स, नं० 3008,  
बैंक नोट प्रेस, कालोनी, देवास ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राम बाबडया की जमीन जिसका सर्वे नम्बर 273 है ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-4-1982

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2538--अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 273/1 है तथा जो ग्राम बावडिया  
देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
25-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
व्यव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) हीरालाल  
(2) अंबाराम पिता बोंदार्जी गारो  
(3) देवकरण पिता बापू गारो अज्ञात तरफे पालक  
माता भंवर बाई  
निवासी शान्तीपुरा गली नम्बर 1 देवास म० प्र० ।  
(अन्तरक)
2. अनुपम गृह निर्माण सहकारी संस्था  
देवास म० प्र० क्वार्टर नम्बर 3008  
बैंक नोट प्रेस कालोनी देवास (म० प्र०) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वटीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राम बावडिया की जमीन जिसका सर्वे नम्बर 273/1 है ।

देवप्रिय पन्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० (अर्जन)/2539--अतः मुझे,  
देवप्रिय पन्त;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 273/1 है तथा जो ग्राम बावडया में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्री हीरालाल  
(2) अंबाराम पिता बोंदाजी गारो  
(3) देवकरण अज्ञान पुत्र बापू अज्ञान तरके पालक भंवर बाई  
(4) भंवर बाई विधवा बापू गारी  
सभी निवासी शान्तिपुरा गली नंबर 1  
देवास (म० प्र०)

(अन्तरक)

2. अनुपम गृह निर्माण सहकारी संस्था रजिस्टर्ड देवास, मुख्य कार्यालय एवार्डर नम्बर 3008  
बैक डेरा देवास, म० प्र० 1  
तरके अध्यक्ष श्रीमकुमार व्यास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राम बावडया की जमीन जिसका सर्वे नं० 273/1 है ।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-4-1982

मोहर :

परूप आधे टी० एन० एस०—

1. शैबालिनी राय चौधुरी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री आरती राय चौधुरी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

बलकत्ता दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 1060/एक्यु/रेंज-III / 82-83 यतः, मुझे,

एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका वर्तमान बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० 260 ड तथा जी एन० एस० सि० बीम रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्यिक रूप से अधीन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

260 एन० एस० सि० बीम रोड कलकत्ता ।

2 K. 4 Ch. 36 sq. ft. जमीन ।

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 14-4-1982

मोहू उ

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

1. श्रीमती मनिबाला पाधक।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रानू बाला दत्त।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 1064/एक्वी० रेंज-III/82-83--अतः, मुझे,

एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा धापा है तथा जो पी० एम० टाकीगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा धापा पि० एम० टाकीगंज, जिला 24-परगना,  
2 क० 9 छ० 36 वर्ग फुट जमीन।

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

तारीख : 15-4-1982

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

1. श्री सचीन्द्र नाथ चटर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अशोक कुमार वर्धन और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० टी० आर०-144/81-82/एस०एल० 615/

आर्.टी.एन.सी०/एकवी०/रेंज-I/कलकत्ता/—यतः, मुझे, एम० अहमद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 69 है तथा लिन्टन स्ट्रीट, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
11-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
13-66GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

69 लिन्टन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 4 क० 15 छ०  
10 वर्ग फुट जमीन जो डीड न० I-6764 अनुसार 11-8-81  
तारीख में रजिस्ट्रार आफ एग्जुरेस, कलकत्ता में रजिस्टर्ड  
हुआ।

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 14-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 150/81-82/एम०एल० 612/आई०ए०सी०/

एक्यु०/आर०I/कल०—अतः मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10 है तथा जो डिहिईन्टालि रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 7-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती निभाराणी देबी एंड अदर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार सिन्हा एंड अदर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

10 डिहिईन्टालि रोड कलकत्ता में अवस्थित 7 क०  
17 वर्ग फिट जमीन पर आंशिक, एकतल्ला और आंशिक, दो तल्ला  
मकान जो डीड नं० I 9351 अनुसार 7-8-81 तारीख में  
रजिस्ट्रार आफ एयसुरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 14-4-1982  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री अन्जलि खान एंड प्रदर्स

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री राजकृष्ण साहू एंड प्रदर्स ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

निर्देश सं० 145/81-82/एस०एल० 613/आई० ए० सी०/  
एक्वी०/रेंज-1/कल०—यतः मुझे, एम० ग्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार ही स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय  
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

149, 149/1, 149/2, लेनिन सरणी कलकत्ता और  
38/1, 38/2, 38/3, 38/4, 38/5, 38/6 एंड 38/6A,  
निर्मल चन्द्र स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित लगभग 19 कट्टा,  
2 छटांक जमीन पर मकान जो डीड नं० I-6934 के अनुसार  
रजिस्ट्रार आफ एस्टेट्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

एम० ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० टी०आर-133/81/82/एस०एल० नं० 614—

अतः मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है तथा जो शरीफ लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक 24-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद ईषा खान

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल रहीम

(अन्तरिती)

3. Mss./हान्नुमान खान और चांग चिंग चांग

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के मास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

22 शरीफ लेन कलकत्ता में अवस्थित आंशिक दो तल्ला और आंशिक तीन तल्ला मकान जो 3 कट्टा 12 कट्टा 30 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित है और जो डीड नं० I-7151 अनुसार 24-8-81 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ ।

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I कलकत्ता

तारीख : 14-4-1982

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री विवेकानन्द राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री हिरेन्द्र कुमार घोष और अन्य

(अन्तर्स्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं० 1061/एम्पी०/रेंज-III/82-83—अतः मुझे,  
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 149 है तथा जो रास बिहारी एवेन्यु  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 31-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

149, रास बिहारी एवेन्यु कलकत्ता । 1क० 2 छ०  
9 वर्ग फिट जमीन पर मकान ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-III कलकत्ता

तारीख : 15-3-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री धीरेन्द्र नाथ घोष और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कृष्णाश्री बैनर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 1062/एकवी०/रेंज-III/82-83—वन: मुझे,  
एम० ग्रहमद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 149 है तथा जो राम बिहारी एमिन्यु  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 31-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय या बाइत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

149, राम बिहारी एमिन्यु कलकत्ता । 12 छ० 28 वर्ग फिट  
जमीन पर मकान ।

एम० ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III कलकत्ता

तारीख : 15-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन्. एस.-----

1. श्री टी० ए० अहमद मोहिर्दान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री टूटू मोहम्मद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदेश सं० 1063/एक्वी०/रेंज-III/82-83—अतः मुझे/

एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 35 है तथा जो रनु सरकार लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बनायी होगी हो, के साथ पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्धान्तरण के लिए लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

35, रनु सरकार लेन, कलकत्ता । 1 क० 7 छ० 13 वर्ग फुट जमीन पर मकान ।

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 15-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अभिय कृष्ण खान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स सी० आर० कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदेश सं० 1065/एक्वी०/रेंज-III/82-83—अतः मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 4 है तथा जो मिन्दु पार्क कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्दृष्टि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची

4 मिन्दु पार्क, कलकत्ता। 19 का० 4 छ० 15 वर्ग फुट जमीन पर मकान ।

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बर्णित :—

तारीख 16-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई-5/एस०आर०जलगांव/अगस्त 81/662/  
82-83—यतः मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2667-बी/17 है तथा जो  
शहर जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दुय्यम निबन्धक जलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तिगत  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

14-66GI/82

1. श्री हीरामण हरचन्द पाटील  
जिला पेठ, जलगांव ।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रकाश सावलराम शर्मा  
जिला पेठ, साईबाबा मंदिर के नजदीक  
जलगांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटीं जो सी० एस० नं० 2667-बी/17 शहर जलगांव  
में स्थित है ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2541 जो अगस्त  
1981 में दुय्यम निबन्धक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 15-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज पूना

पूना दिनांक, 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई-5/एम०आर०/सोलापुर/अगस्त 81/663/82-83—अतः मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एम० नं० 8367/1/1ए/1ए/1 है तथा जो सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक सोलापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचासपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरी विष्णु शेटे

24 भवानी भवन

भवानी शंकर पथ दादर मुंबई-400028

(अन्तरक)

2. श्रीमती मरीयमबी आदम साहेब बंदूक वाला

162/11, रेलवे लाईन

सोलापुर-413001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी जो सी० एम० नं० 8367/1/1ए/1ए/1 सोलापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण विलेख क्र० 2195 जो अगस्त 1981 में दुय्यम निबन्धक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज पूना

तारीख : 15-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रती सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई-5/एस० आर० सोलापुर/अगत 81/664/82-83—यतः मुझे आर० के० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्याब संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एम० नं० 1479 है तथा जो म्यु० नं० 635 है तथा जो दक्षिण कस्बा सोलापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि म्याब पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मं०, मं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सी० मुजाना आषा राव धुम्मा  
धुम्मा वस्ती, सोरेगांव पथ  
सोलापुर।

(अन्तरक)

2 (1) श्री अशोक गुरप्पा करोही  
(2) श्री रविन्द्र गुरप्पा करोही  
383, दक्षिण कस्बा सोलापुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्याब संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो सी० एस० नं० 1479 म्यु० नं० 635 दक्षिण कस्बा सोलापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1845 जो अगस्त 1981 में दुय्यम निबन्धक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 15-4-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 15 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ई-5/एस०आर० उल्हास नगर/अगस्त, 81/

82-83—अतः मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म० न० 85/112 (भाग) है तथा जो कुलगांव, तह० उल्हासनगर जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक उल्हासनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को प्राप्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री दावी कुरशेतजी और 2  
783, रेडी मनी ब्लाक,  
दावरा, मुंबई-400014

(अन्तरक)

2. श्रीमती जोहराबाई हाजी सज्जद हुसैन,  
श्री अन्वर हुसैन सज्जद हुसैन  
सीताराम बिल्डिंग, पलटन पथ,  
मुंबई-400001 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी जो एस० न० 85/112 (भाग) कुलगांव तहसील उल्हासनगर, जिला ठाणे में स्थित है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत बिलेख क्र० 1945 जो अगस्त, 1981 में दुय्यम निबंधक उल्हासनगर के दफ्तर में लिखा है ।)

आर० के० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 15-4-1982

मोहर ॥



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सी० ए० वी० रामसामी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 6/अग्रमन्/81—यन. मुझे, श्री० रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्री० जिसकी सं० आर० एम० सं० 682/3, 704 और 849, विलपट्टी गांव है, तथा जो कोडैकानल में स्थित है (श्री० इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्री० पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कोडैकानल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अग्रमन्, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक को रखा है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथे पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(2) मैसर्स वशिष्ठ इंजीनियरिंग और ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण विलपट्टी गांव कोडैकानल डाकुमेंट सं० 332/81।

श्री० रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री सी० ए० वी० चिन्नय्या

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स वशिष्ठ इंजीनियरिंग और ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1982

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 7/अगस्त/81—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 682/3, 704 एंड 849,  
विलपट्टी गांव है तथा जो कोडैक्कानल में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कोडैक्कानल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और निर्माण विलपट्टी गांव कोडैक्कानल डायमेट  
सं० 333/81 ।

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 12-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती अनुसुय्या और अदर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मोहम्मद गजीर और अदर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निदेश सं० 26/अगस्त/81—अतः मुझे, आर० रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 14/1-सी है तथा जो एरूक्कन्चेरी, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेम्ब्रियम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में मविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 14/1-सी, एरूक्कन्चेरी मद्रास—  
डाकुमेंट सं० 3807/81 ।

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 12-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री के० जी० एन्स राजूलू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एन० बी० सेलवराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निदेश सं० 41/अगस्त/81 ---यतः मुझे आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० आर० एम० सं० 3841/3, पारट एन्नूर है रोड है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डाकुमेंट सं० 1430/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि आर० एम० सं० 3841/3-पार्ट, एन्नूर है रोड, मद्रास, डाकुमेंट सं० 1430/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.—

1. श्री के० जी० एत्तीराजूलू ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती टी० ब्रुनेस्वरी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 42/अगस्त/81—यतः मुझे आर० रविचन्द्रन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 3841/3-पारट, एन्नूर रोड,  
मद्रास है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डाकुमेंट  
सं० 1431/81)।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

15—66GI/82

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि—आर० एम० सं० 3841/3-पार, एन्नूर है, रोड,  
मद्रास, डाकुमेंट सं० 1431/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 5-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निदेश सं० 4-3/अगस्त/81—यतः मुझे आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 3841/3-पार्ट है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु० ची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डकुमेंट सं० 1432/81) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० जी० एस्तीराजुलू,

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० देवकी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(धूमि—आर० एस० सं० 3841/3-पार्ट एन्नूर है रोड,  
मद्रास —डकुमेंट सं० 1432/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 5-4-1982

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 44/अगस्त/81:—यतः मुझे आर० रविचन्द्रन  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 3841/4-पार्ट, एन्तूर है रोड  
है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय रायपुरम, मद्रास, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अर्धीन दिनांक अगस्त, 1981 (डाकुमेंट  
सं० 1433/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण निर्धारित  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व प  
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री के० जी० एन्तीराजुलु।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० जय लक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिखा जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

(भूमी—आर० एस० सं० 3841/4-पार्ट एन्तूर है रोड,  
मद्रास, डाकुमेंट सं० 1433/81)

आर० रविचन्द्रन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 5-4-1982

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निदेश सं० 45/अगस्त/81—यतः मुझे आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 3841/4-पार्ट एन्नूर है रोड, है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डाकु-मेंट सं 1434/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० जी० एत्तीराजुलू,

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० सरोजा अम्मान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि आर० एम० सं० 3841/4, पार्ट, एन्नूर है रोड, मद्रास — डाकुमेंट सं० 1434/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 5-4-1982  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० जी० एल्लिगजुलु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री तुलसी रंगन

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 46/अगस्त/81—यतः मझे, आर० रविचन्द्रन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 3841/4 पारट एन्नूर है रोड  
है, तथा जो मद्रास, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डाकुमेंट सं०  
1435/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कमप्यूटर

(भूमि आर० एस० सं० 3841/4 पारट एन्नूर है रोड,  
मद्रास—डाकुमेंट सं० 1435/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 5-4-1982  
मोहर :

प्रकृप आर्द. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निदेश सं० 47/अगस्त/81—यतः मुझे आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन पत्रम प्राधिकारी को, यत्र विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 3841/5-पार्ट एन्तूर है रोड, है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डाक्यूमेंट सं० 1436/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यत्र विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पट्टह प्रतिभा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में रुमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० जी० बाण्यम और अदर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री अरजुनन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(भूमि आर० एस० सं० 3841/5-पार्ट एन्तूर है रोड, मद्रास,—डाक्यूमेंट सं० 1436/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 5-4-1982  
मोहर :

प्रकरण आर्ट. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 48/अगस्त/81—यतः मुझे आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 3841/5 पार्ट एन्नूर है रोड, है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डॉक्यूमेंट सं० 1437/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० जी० बाशयम और अदर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० राधा कृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि आर० एम० सं० 3841/5, पार्ट एन्नूर है रोड, मद्रास—डॉक्यूमेंट सं० 437/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 5-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० जी० बाणस और अदर्स

(अन्तरक)

2. श्री एन० बालसुब्रमनियन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 49/अगस्त/81---यस: मुझे, आर० रविचन्द्रन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 3841/5-पार्ट एनूर, रोड है  
है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रायपुरम, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 (डाकुमेंट सं०  
1438/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई विकाश आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(भूमि आर० एस० सं० 3841/5-पार्ट, एनूर है रोड,  
मद्रास—डाकुमेंट सं० 1438/81)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 5-4-82

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 1/अगस्त/81—अतः मुझे, आर० रविचन्द्रन  
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 32 और 33, हालस रोड है, तथा जो मद्रास-8  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एम० आर०-1  
मद्रास संत, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-8-81 (डाक्यूमेंट सं०  
2404/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-66GI/82

1. श्री सी० एम० राजवेंकन,

(अन्तरक)

2. श्री पी० ए० होट्टल (प्राइवेट) लिमिटेड ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण—32 और 33, हालस रोड, मद्रास-8-  
डाक्यूमेंट सं० 2404/81) ।

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 16-4-1982

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 33/अगस्त, 81—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 10 (ब्लाक सं० 18) है तथा जो तिरुनेलवेलि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-II, तिरुनेलवेलि में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-8-81

(डाकुमेंट सं० 1497/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री टी० बी० सुबरमनिय अय्यर

(अन्तरक)

2. श्री एम० श्रीनिवास रेड्डियार।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि एस० सं० 10 (ब्लाक सं० 18) तिरुनेलवेलि डाकुमेंट सं० 1497/81)।

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-4-1982  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री ए० आर० एस० बी० सेबुगन चेडियार,  
(अन्तरक)2. श्री एस० मचेन्द्रन चेडियार  
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 86/अगस्त/81—अतः मुझे, आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 67, यानैक्कल स्ट्रीट, है तथा जो मदुरै में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-I, मदुरै में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-8-1981 (डाकुमेंट सं० 4684/81) के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण—डोर सं० 67 यानक्कल, स्ट्रीट, मदुरै, डाकुमेंट सं० 4684/81)।

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 16-4-82  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 79/अगस्त/81—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सं० 88/2—डोर सं० 123-ए है, जो  
अलगापुरम, गांव, सेलम तालुक, सेलम डिस्ट्रिक्ट  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस०  
आर०-I, सेलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 17-6-1981 (डाकुमेंट सं०  
5974/81)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० गोपालकृष्णन,।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० तंगवेल अम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण एस० सं० 88/2, डोर सं० 123ए,  
अलगापुरम, गांव सेलम तालुक — डाकुमेंट सं० 5974/81) ।

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-4-1982

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/

6139—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26 ब्लाक सी है तथा जो न्यू मुलतान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरकिशन लाल मिश्रा सुपुत्र श्री विशम्बर दयाल मिश्रा निवासी नं० पी०-17, गली भगत सिंह नं० 17, अहमपुरी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मास्टर अनिल कुमार जैन (माइनर, सुपुत्र श्री राम कुमार जैन, अन्डर गार्जियन माता श्रीमती सावित्री देवी जैन सुपुत्री श्री आलम खन्द जैन, सुपुत्र श्री राम कुमार जैन, निवासी मो-1/3-डी-2 माडल टाउन दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

□ प्लॉट नं० 26, ब्लाक-सी (सी-26), क्षेत्र 206-2/3 वर्ग गज, न्यू मुलतान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली खसरा नं० 2/21 से 24, ग्राम जवाला डेरी, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/  
6200—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हिरांकि दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापस में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री राजिन्दर सिंह, नरिन्दर सिंह, आजाद सिंह,  
सिकन्दर, महिन्दर, सुभाष चन्द, विरेन्दर सिंह  
सुरिंदर सिंह सुपुत्र श्री रामेश चन्द निवासी  
हिरांकि, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी पत्नी ओम प्रकाश,  
निवासी ग्राम मुखमेल पुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 21 बिघा, 18 बिघे, साइड गैट ग्राम- हिरांकि,  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/

6201—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हिरांकि, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, आजाद सिंह, सिकन्दर, महिन्द्र, सुभाष चन्द, विरेन्द्र सिंह, सुरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री रामेश चन्द, ग्राम हिरांकि, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वीरमती रामा पत्नी श्री जयप्रकाश, निवासी ग्राम मुखमेल पुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 20 बीघा और 10 बिस्वे, ग्राम हिरांकि, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/2/एम०आर०-2/8-81/  
6202—यतः मुझे विमल वशिष्ठ

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसको स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हिरांक, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
हायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजिन्दर सिंह, नरिन्दर सिंह, आजाद सिंह, मिकन्दर  
मोहिल्लर सिंह, सुभाष चन्द्र विरिन्दर सिंह, सुरिन्दरसिंह,  
सुपुत्र श्री रामेश चन्द्र निवाम, ग्राम हिरांक,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गोमप्रकाश जयप्रकाश प्रेम प्रकाश सुपुत्र श्री  
प्यारि लाल ग्राम मुखमेलपुर दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 21 बीघा और 17 बिघे ग्राम हिरांक  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

**प्रकृष्ट आर्ष.टी.एन.एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/8-81/  
6199—यतः मुझे विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हिरांके दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूर्त्ति में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:-

17-66GI/82

1. श्री राजिन्दर सिंह, नरिन्दर सिंह, आजाद सिंह, मिकन्दर  
सिंह, मोहिन्दर सिंह, सुभाष चन्द और विरेन्दर सिंह,  
सुरिन्दर सिंह सुपुत्र श्री रामेश चन्द  
निवासी ग्राम हिरांके दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० प्यारे लाल राना बाटा क०  
ग्राम मुखमेल पुर दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करावा होंगी।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 19 बीघे और 4 बिघे ग्राम हिरांके  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

- 1 श्री हरसरूप सुपुत्र श्री हरप्रसाद  
निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस. ०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/8-81/  
6245—यतः मुझे विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिनकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार,  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी  
करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्-  
तर्ग में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री जग राम सुपुत्र श्री ननबा  
निवासी ग्राम जगतपुर दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र (20-17) खसरा नं० 89/1 (4-4)  
89/2/1 (2-17) 89/10 (4-14) 90/6 (4-4) 90/6  
(4-16)) ग्राम बुरारी दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज

तारीख : 30-3-1982  
मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०/2/8-81/  
6236—यतः मुझे विमल वणिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एच-94/5 है तथा जो शिवाजी पार्क  
ग्राम-मार्दीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
परवर्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लाजवर्ती पत्नी श्री हरीचन्द कालग  
निवासी एच-94/5 शिवाजी पार्क,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री दीवान चन्द मुपुत्र श्री कांशा राम,  
निवासी 5/48, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

शब्दी तरंग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान का प्लॉट नं० एच-94/5 क्षेत्र 139.75 वर्ग गज,  
शिवाजी पार्क, ग्राम-मार्दीपुर, दिल्ली राज्य दिल्ली ।

विमल वणिष्ट  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 30-3-1982  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/2/एस०आर०-1/8-81/

8269—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2556 से 2660 है तथा जो वार्ड नं० 11, गली खजूरवाली, कुचा चेलन, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कफायतुलनिसा पत्नी नवाब शेख मोहम्मद अहाफि, निवासी 960 फाटक, पंजाबियन, हवेली हिसामुद्दीन हैवर, बलीमारन, दिल्ली । द्वारा उसके पति नो० ए० (जी० पी० ए०) ।

(अन्तरक)

2. श्री सुष्मा जोहर पत्नी श्री बलदेव राज जोहर, निवासी 2659, गली खजूर वाली, दरियागंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 2656 से 2660, वार्ड नं० 11, गली खजूर वाली, कुचा चेलन, दरिया गंज, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एम०आर०-2/8-81/

6203—यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 151-1/4 वर्ग गज है तथा जो प्रताप नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरनाथ शर्मा सुपुत्र चौधरी राम,  
निवासी डब्ल्यू० जेड०-111-ए, शिव नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कंवलजीत कौर पत्नी श्री मोहिन्दर  
मोहन सिंह निवासी ए-41, न्यू मोती नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्र 151-1 वर्ग गज, प्रताप नगर, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 30-3-1982

मोहर :

प्रारूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/  
6194—यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुरेह्रा, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काश के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ए०से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री राम चन्दर और तुला राम सुपुत्र श्री फूल सिंह,  
निवासी हसनगढ़, जिला रोहतक, हरियाणा।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीम प्रकाश, राम कर्न, राम निवास, राम कुमार  
और कृष्ण कुमार सुपुत्र श्री घाला राम,  
निवासी ग्राम सुरेह्रा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4-16-4-7, 2-8, आउट आफ, 4-16, 4-16,  
4-16 ग्राम सुरेह्रा, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/

6215—यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 97 है, तथा जो प्रताप नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री अमरनाथ शर्मा सुपुत्र श्री चौधरी,  
निवासी डब्ल्यू जैड-111-ए, शिव नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मती कंवलजीत कौर पत्नी श्री मोहिन्दर मोहन सिंह,  
निवासी ए-41, न्यू मोती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 97 क्षेत्र 151-1/4 वर्ग गज, प्रताप नगर,  
नई दिल्ली एरिया, ग्राम सीटार, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 30-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/8-81/  
6097--यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मुंशी और हर गोपाल सुपुन श्री किशन सहाय,  
निवासी बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रिको सेल्म एजेंसी,

161, गुरु नानक आटो मार्केट,  
कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि (1-0) बीघा खमरा नं० 853, एरिया,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/  
6210—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिधोला, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भग्न्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-66G1/82

1. श्री राम चन्दर सुपुत्र अमे राम फौर मालक और  
स्पेशल अटार्नी श्री भगवान, निवामी ग्राम सिधोला,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र मेहर सिंह, मेहर सिंह सुपुत्र  
श्री शाम सिंह, अवतार कौर पत्नी गुरबचन सिंह,  
इन्दर पाल सिंह और हरविन्दर पावल सिंह सुपुत्र  
श्री गुरबचन सिंह, निवामी डी-90, अशोक बिहार,  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगत्र  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 1/7(1 बीघा 0 बिस्वे) 1/8  
(1-11), 1/3(1-6), 14/1(1-0), 1/17 (2-8), 1/8  
(1-16), ग्राम सिधोला, दिल्ली राज्य दिल्ली, (क्षेत्र 9 बीघे  
और 11 बिस्वे) ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए०सी०/2/एस०आर०-2/8-81/8245--यतः मुने, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्वन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 3480 है, तथा जो वाडे नं० 111, निक्कलन रोड, छटा नि० विल्ड० मंजिल, मोरीगेट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्माणीयत व्यक्तियों जर्थात् :--

1. श्री अमरनाथ शर्मा, कृष्ण भगवान शर्मा, देव भगवान शर्मा मुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री भगवान शर्मा, निवासी 4121, तथा बाजार, दिल्ली और श्रीमती रानी देवी शर्मा मुपुत्री स्वर्गीय श्री सीरीभगवान शर्मा, निवासी 4121, तथा बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. तरविन्दर कुमार और श्री महेश कुमार मुपुत्र श्री बुध राज निवासी 3489, निक्कलन रोड, मोरीगेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

सहस्रकीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपुची

1/5 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० म्युनिमिपल नं० 3480, वाई नं० 111, निक्कलन रोड, छटानी विल्डिंग, मंजिल मोरीगेट, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 30-3-1982

मोहर :

प्रारूप आर्द्द.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आर्द्द० ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/

6129—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बपरीला, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री राजिवंदर सिंह, सुंदर, विजेन्द्र सिंह, सतीश,  
करन सिंह और सुरेन्द्र मुकुंद श्री रिजल सिंह,  
निवासी ग्राम बपरीला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ मुकुंद श्री जय नारायण,  
निवासी 10-लायन्स रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बीघे और 14 बिघे, ग्राम बपरीला,  
दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

तारीख: 30-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए०सी०/ए०वी० 2/एस०आर०-1/8-81/  
8219—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14/8164 है, तथा जो नूर अहमद गली,  
चिमनी मिल, बाराहिन्दुराव, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 81  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती कान्ता रानी पत्नी अजब किशोर,  
निवासी गुजरनवाला टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती द्रौपती देवी पत्नी हुकम चंद,  
निवासी 8164, चिमनी मिल, बाराहिन्दुराव,  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 14/8164, नूर अहमद गली, चिमनी मिल,  
बाराहिन्दुराव, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 7-4-1982  
मोहर:



प्रकृत आर्.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1982

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस. 2/एस.आर.2-8-81/

6303—अतः मुझे विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 111-5/55 है, तथा जो शास्त्री बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चरन सिंह, नाहर सिंह, तिरलोक सिंह, जनरल अट्टे० नाहर सिंह, सुपुत्र श्री आशा सिंह, निवासी 445, चर्च रोड, शास्त्री बाजार, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह, रतन सिंह, निवासी 111-5/55, शास्त्री बाजार, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 111-5/55, क्षेत्र 73'-9" × 34'-0" शास्त्री बाजार, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 31-3-1982  
मोहर :

प्रारूप आर्द्र० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आर्द्र० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-1/8-81/  
8273—अतः मुझे विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 12/8551 है, तथा जो भारगढ़ गली,  
रोशनारा रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिद्वी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिद्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रात कुमार सुपुत्र श्री द्वारका दास,  
निवासी एच-2/2, माडल टाउन, दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल (गुलशन) सुपुत्र श्री मोहन लाल,  
निवासी एच-7/6, रूप नगर, दिल्ली ।  
(अन्तरिद्वी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाह्य करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं० 12/8551, क्षेत्र 231 वर्ग गज, भारगढ़ गली,  
रोशनारा रोड, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 7-4-82  
मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आ ०-2/8-81/-

6060—अन: मुझे, विमल वर्णिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इसके उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती  
(अन्तरिनिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ०7)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रणधीर सिंह सुपुत्र श्री सुभान,  
निवासी ग्राम अलीपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री सुभान,  
निवासी ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 69 बीघा, 4 बिस्वा, गांव अलीपुर ।

विमल वर्णिष्ट  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 31-3-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/80-81/  
6338—अन: मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा, मजरा  
हस्तसल, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)

अधीन तारीख अगस्त 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री चन्द्रवती पत्नी दर्लाप सिंह और श्रीमती सरला शर्मा  
पत्नी श्री ओमप्रकाश,  
निवासी 285, आर० के० पुरम, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती संतोष खना, प्रीती महारा, मोहन प्रोप, मेहरा,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघे ग्राम-नवादा, मजरा हस्तसल, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 31-3-82  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/8-81/  
6340-अनः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसका सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अग्रस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

19 66GI 82

1. श्री हरकेश सुपुत्र श्री राम,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओ० पी० गुप्ता, सुपुत्र श्री एम० एल० गुप्ता,  
निवासी 5439, बस्ती हर्षकुल सिंह, सदर बाजार,  
दिल्ली :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वहां वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 24 बीघे खसरा नं० 806 और 807,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री हरकेश सुपुत्र श्री राम,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/8-81/

6341—अतः मुझे, विमल वरिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

2. श्रीमती तारा गुप्ता पत्नी श्री ओ० पी० गुप्ता,  
निवासी 5439, बस्ती हरफुल सिंह, सदर बाजार,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र (0-241/2) विश्वे खसरा नं० 806 और  
807, ग्राम बुरारी, दिल्ली।

विमल वरिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस०आर०-1/8-81/8271—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2652 से 2655 है, तथा जो वाड नं० 11, गली खजूरवाली, कुचाचेलन, दरीया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती कैफायतुलनिसा पत्नी नवाब शेख मोहम्मद सफी, निवासी-960, फाटक पंजाबीयान हवेली, हिसामुद्दीन हैदर, बालीमारन, दिल्ली द्वारा नवाब शेख मोहम्मद सफी, (जी० ए०-रजि०), दिनांक 28-6-71

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मीदेवी ग्रोवर पत्नी श्री लक्ष्मण दास, ग्रोवर निवासी-2655, गली खजूरवाली, कुचा चेलन, दरियागंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 2652 से 2655, वाड नं० 11, गली खजूरवाली कुचा चेलन, दरीया गंज, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 7-4-1982

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/8-81/

8239—अतः मूले, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/28 है, तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

1. श्री एम० एल० बत्रा और जे० एल० बत्रा, सुपुत्र श्री मीताराम बत्रा, निवासी 12/28, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम कुमार बत्रा सुपुत्र श्री मोहन लाल बत्रा, निवासी 13, न्यू मार्केट, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो० नं० 12/28, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । क्षेत्र 200 वर्ग गज, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली ।

तारीख 7-4-1982 :  
मोहर :



प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-I/8-81  
8237--अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2869 वाई 9 है, तथा जो बुलबुली खाना बाजार सीताराम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम मरन दास सुपुत्र श्री सोभ राम  
निवासी 46-डीफेम मार्केट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द जैन सुपुत्र श्री मुकुत लाल  
निवासी 313-ए, हिन्दुबारा विहाइन्डकला मसीद,  
बाजार सीताराम, दिल्ली ।श्री राम अवतार सुपुत्र श्री प्रह्लाद राय,  
निवासी सी/37, फ्रैंड्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्याख्याओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं० 2869 वाई नं० 9, बुलबुली खाना, बाजार सीताराम, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
मक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 7-4-1982.

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/8-81/  
6329—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुला सुपुत्र श्री कदमा,  
निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार सुपुत्र श्री बिर्ख भान,  
निवासी 1886, कुछा घीला, खारी बावली,  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 18 बीघे, मुस्तातील नं० 137, किला  
नं० 4, ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम०आर०-2/8-81/  
6330—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1981

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुला सुपुल श्री कदमा,  
निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दर मनी पत्नी श्री सीरीराम,  
निवासी 2551, चमार बाग, निलक बाजार,  
खारी बावली, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बीघा, मुस्ताटिल नं० 137, किला नं० 4,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 30-3-1982  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/  
6331—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके तहत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विना पत्नी श्री बलदेव राज,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली द्वारा अर्दानी श्री देवदत्त,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा कालरा पत्नी श्री डी० वी० कालरा,  
निवासी 44, रिंग रोड, लाजपत नगर,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1 बीघा और 4 बिस्वे, खसरा नं० 871,  
ग्राम बुरारी, दिल्ली राज्य दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-5-1982  
मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/8-81/  
6059—अत—मुझे, विमल वणिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रन्तरण के लिए नए पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: --

20—66GI/82

1. रणधीर सिंह, सुपुत्र श्री सुजान,  
निवासी ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री दरियाओ सिंह सुपुत्र श्री सूरन सिंह, दीप चन्द  
सुपुत्र श्री सीरीचन्द,  
निवासी ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

कृषि भूमि 69 बीघा, 4 बिस्वे, ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

विमल वणिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/  
6311—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कलां  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त, 1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्त  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामधारी सुपुत्र श्री जोत राम,  
ग्राम टिकरी कलां, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर कुमार सुपुत्र श्री राज कुमार  
निवासी ई-115, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बीघे और 10 बिघे, ग्राम टिकरी कलां,  
दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 31-3-1982  
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/8-81/  
6061—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी खुर्द दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री भीम सिंह, सुपुत्र श्री नेत राम  
निवासी नं० 62, सराय पीपलथाला,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री भीम सिंह,  
निवासी मकान नं० 62, सराय पीपलथाला,  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 8 बीघे और 1 बिघवा, रेक्ट नं० 29, किला नं० 17, (4-2), किला नं० 18 मिन (1-5), किला नं० 23 मिन (1-6), किला नं० 24 (1-8), ग्राम हुलम्बी खुर्द, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/  
6306—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा मजरा  
हस्पताल, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दलेल सिंह और जगमोहन सुपुत्र श्री भागमल,  
निवासी ग्राम नवादा, मजरा हस्पताल, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर चन्द मिश्र सुपुत्र श्री वाशेश्वर नाथ,  
निवासी बी-क्यू-23, गालीमार बाग, दिल्ली-33

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 941 वर्ग गज, खसरा नं० 565, ग्राम  
नवादा, मजरा हस्पताल, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/8-81/  
6069—अतः भुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुंडका, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री सुरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सुभ राम  
निवासी ग्राम मुंडका, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री निर्मल जैन, पत्नी श्री चान्द  
निवासी 15-बी, कालाक 1र, स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 11 बोघे, और 12 बिघे, खसरा नं० 59/17, (4-16), 24(4-16), और 63/4, (1-18), टोटल भूमि (2-6), ग्राम मुंडका, दिल्ली राज्य दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोह :

प्रकरण आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2-एस०आर०/2/8-81/  
6111—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अग्रस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रघु नाथ सुपुत्र गंगा सहाय,  
निवासी ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मनमोहन सिंह सुपुत्र श्री अवतार सिंह रागी,  
निवासी गुरद्वारी माता सुन्दरा रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 59 फिट पूर्वी भाग, 92.2 फिट पश्चिमी  
भाग, उत्तर भाग में 90 फिट और दक्षिण भाग में 87 फिट,  
ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन०एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/8-81/  
6069—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सलतपुर, खादर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तिबों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ पंश्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दलीप सिंह, सुपुत्र रुप राम, दलपत सिंह सुपुत्र  
मोहनलाल, हरी सिंह सुपुत्र श्री दया राम, हिरा सुपुत्र  
श्री नन्द राम, मौजी सुपुत्र श्री कुरीया, सुखबीर सुपुत्र  
श्री लेख राम, विरेन्धर सुपुत्र श्री लेखा, गिर सिंह सुपुत्र  
श्री हेतराम, निवासी असलतपुर खादर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश जीजा, सुपुत्र श्री गंगा राम जीजा,  
निवासी 190, रघुबीर नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बीघा और 8 बिघे, ग्राम असलतपुर, खादर,  
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 30-3-1982

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अक्टूबर, 1982

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1982

सं० एफ० 8/1/82-प० I (ख) —संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों का प्रवेश हेतु 24 अक्टूबर, 1982 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जायेगी :—

पाठ्यक्रम का नाम	रिक्तियों की संभावित सं०
(1) भारतीय सेना अकादमी, देहरादून (जुलाई, 1983 में प्रारम्भ होने वाले 75वां पाठ्यक्रम)	120 [एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 32 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं।]
(2) नौसेना अकादमी, कोचीन (जुलाई, 1983 में प्रारम्भ हो रहा कोस)	
(क) सामान्य सेवा :	* 65 (एन सी० सी० के "सी" सर्टिफिकेट नौसेना स्कंध धारियों के लिए 6 आरक्षित सहित)
(ख) नौसेना उद्बुधन	20
(3) वायु सेना अकादमी ए० एफ० ए० सी०, कोइम्बतूर (जुलाई, 1983 में प्रारम्भ होने वाले 134वां एफ० (पी०) के लिए उद्घाटन प्रशिक्षण कोस)..... 50	
[एन० सी० सी० (वायु सेना स्कंध) प्रमाण-पत्र धारियों के लिए 15 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं]	
(4) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास (अक्टूबर 1983 में प्रारम्भ होने वाला 38वां ए० ए० सी० (एन० टी०) कोस)..... 268	

विशेष ध्यान ब :—(i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 8 (ख) में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं के लिए बरीयता क्रम में विचार किया जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जिसना चाहे उसनी बरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक की ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी बरीयताओं पर भली-भाँति विचार किया जा सके।

विशेष ध्यान :—(ii) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए इस परीक्षा के मा० सैन्य अकादमी कोर्स के बचे हुए उम्मीदवार यदि बाव में इस कोर्स के लिये विचार किया जाने के इच्छुक है, निम्न-लिखित बातों के अधीन अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर-तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचारण योग्य हो सकते हैं। उन्हें अपने आवेदन-पत्रों में इस कोर्स के लिये अपनी पसन्द नहीं बताई है :—

(i) अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर-तकनीकी) कोर्स के लिये प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों को लाने के बाद भी कमी है, और

(ii) जो उम्मीदवार अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर-तकनीकी) हेतु बरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिये भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के क्रम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिसने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जायेंगे जिसके वे व्यक्त बरीयता के अनुसार हकदार नहीं हैं।

नोट I—एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/वायु सेना स्कंध/ का वरिष्ठ प्रभाग/(नौसेना स्कंध) प्राप्त

उम्मीदवार अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर-तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिये इस पाठ्यक्रम में कोई आरक्षण नहीं है अतः इस पाठ्यक्रम में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी भी एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध) का वरिष्ठ प्रभाग/(नौसेना स्कंध) की परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/ वायु सेना स्कंध)/(नौ सेना स्कंध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई० एम० ए०/ एम० एम० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6(एस०पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय पी० डी०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को 30 जून, 1983 तक पहुंचा जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पात्रता हेतु उम्मीदवार ने राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डिबीजन सेना स्कंध में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सीनियर डिबीजन वायुसेना/नौसेना स्कंध में 3 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और और आयोग के कार्यालय में आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर से मुक्त हुए वायुसेना कोर्स के लिए 12 मास और भारतीय सैन्य अकादमी/नौसेना अकादमी कोर्स के लिए 24 मास से अधिक न हुए हों।

नोट II—भारतीय सेना अकादमी कोर्स/वायु सेना अकादमी कोर्स/ नौ सेना अकादमी कोर्स में आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये परीक्षा परिणाम के आधार पर अहता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी' वरिष्ठ प्रभाग प्रमाण-पत्र वाले सेना स्कंध/वायु सेना स्कंध/नौसेना स्कंध वरिष्ठ प्रभाग प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा व्यय बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित बौद्धिक और व्यक्तिगत परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपयुक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या, (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता, स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी अधिकारी प्रशिक्षण शाला और वायु सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II, और III में विस्तार से समझा गया है।

नोट : परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूर्वक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण रूपका परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनाएं विवरणिका में" देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र :—अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलोर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कोडिंगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जिराहा, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंगे तभी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नोट पर II देखिए)।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन में सबसे अनुरोध को सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे सचिव, संध लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक में अवश्य भजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा कि 24 सितम्बर, 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

### 3. पात्रता की शर्त

#### (क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती शरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के ह्रादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कान्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य भूतपूर्व टंगानिका और जंजोबार, आम्बिया, मालावी, जैरे और दक्षिणी-पिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपयुक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो ?

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस शर्त पर अंतिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण पत्र संध लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

#### (ख) आयु-सीमाये, स्त्री या पुरुष या वैवाहिक स्थिति :—

- (i) भा० से० अकादमी, नौ सेना अकादमी और वायु सेना के लिये : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1961 से बाद और 1 जुलाई, 1964 के पहले हुआ हो।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1960 से बाद और 1 जुलाई, 1964 के पहले न हुआ हो।

**नोट :—**जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो। जिन उम्मीदवारों ने भा० से० अकादमी/नौ सेना और वायु सेना के लिये पहली पसंद बताई है, उन्हें न्यून स्टाफ द्वारा मर्यापन के प्रयोजन हेतु सेवा न्यून कोई के समक्ष साक्षात्कार के लिये उपस्थित होते समय आयु का प्रमाण (मूल रूप में) प्रस्तुत करना है।

#### (ग) शैक्षिक योग्यताये :—

- (i) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता,
- (ii) वायु सेना अकादमी के लिये मौखिकी और/या गणित विषयों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

नौसेना/वायुसेना की पहली पसंद वाले स्नानकों को प्रज्जेशन के प्रमाण रूप में प्रोजेक्शनल सर्टीफिकेट सेवा चयन बोर्ड पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्दर कमरा सेना मुख्यालय (रिज्यूटिंग) (6 एस० पी०) (ई)/ नौसेना मुख्यालय

(आर० एण्ड आर० मेक्शन)/वायुसेना मुख्यालय—डाकधर 3 (ए) को प्रस्तुत है।

जो उम्मीदवार अभी डिग्री, परीक्षा में उत्तीर्ण होते वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, परन्तु उनकी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ग) नई दिल्ली-110022 तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय पी० ओ०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को निम्नलिखित तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

(i) भा० से० अकादमी, नौ सेना तथा वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये 30 जून, 1983 तक या उससे पहले।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में प्रवेश के लिये 15 सितम्बर, 1983 तक या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताये हैं, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष सामान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

**नोट I—**ऐसे उम्मीदवार जिन्हें डिग्री परीक्षा में अभी ग्रहणता प्राप्त करनी है और जिनको संध लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनकी दो गई यह विशेष छूट है। उन्हें डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी ग्रहण विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किय जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

**नोट II—**जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

**नोट III—**विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनकी अपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिय जायेंगे जब वे उनके कर्माधिकार अफसरों के द्वारा निर्धारित अनुशंसित हों।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क : रु० 28.00 (अठारह रुपये) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिये रु० 7.00 (सात रुपये) जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा गया उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट : आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदन भूटान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 या तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया था के बीच की अवधि में भारत में प्रजनन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रस्थापित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रस्थापित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते

के घटसंगत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए : केवल सम्मिलित रखा सेवा परीक्षा अक्टूबर, 1982 के लिये निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिये जायेंगे जो इस परीक्षा के भोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये हैं : --

(i) वो रुपये का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहाँ से डाक द्वारा।

(ii) वो रुपये नकद बेकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।

(iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एग्रिया/सब-एग्रिया मुख्यालय, एन० सी० सी० निवेशालय, नौ सेना तथा वायु सेना प्रतिष्ठानों के यहाँ से निःशुल्क।

आवेदन प्रपत्र तथा पावती काटें उम्मीदवार के हाथों द्वारा स्याही वाली कलम या बालपेन से ही भरे जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ शब्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र रद्दी कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय बैंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियाँ अपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उनके निर्बन्धन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिये उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र प्रावि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिये विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँच जाए तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राकृतिक या नैतिक वर कर्मचारी से उत्तर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे जो कर्मचारी जो लोक उद्यमों में कार्यरत हैं। उन्हें यह परिचयन (अन्वर्टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

सशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र अपने कर्माधिकार के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन प्रपत्र के भाग 'ख') को भर करके आयोग को भेजेंगे।

7. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रवेशों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 12 जुलाई, 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और

विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिन उम्मीदवारों के आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके से डाक द्वारा प्राप्त होने हैं, उनके मामले में 26 जुलाई, 1982 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 12 जुलाई, 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर, राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) :--जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके का क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii) :--उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र को स्वयं सं० सी० से० आ० के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिये गये आवेदन-पत्रों के लिये आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

8. प्रवेश जो आवेदन के साथ भेजे जाएं।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

(i) ₹ 28.00 (अठ्ठाईस रुपये) [अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 7.00 (सात रुपये)] का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

टिप्पणी :--उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग" परीक्षा शुल्क के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :--आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित मैट्रिकुलेंटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्व-विद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभिप्रायित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथपत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अनुदेशों के इस भाग में धारा 114 "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या धारा के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्थान के प्रिंसिपल से लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

**टिप्पणी (I):** जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल धारा से सम्बन्ध प्रविष्टि पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

**टिप्पणी (II):** उम्मीदवार यह ध्यान में रखे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

**टिप्पणी (III):** उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति उम्मीदवार को इन आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा 3(क) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा इसके इस प्रकार अर्जित कर लेने की संभावना है कि पैरा 3(ग) में विहित तारीख तक इसके उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए वह वहीं हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा-निकाय द्वारा जारी किया गया हो) यदि ऐसे प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की बख्क बतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि वायुसेना अकादमी के लिये प्रतियोगिता में बैठे रहे किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत बिभी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय के प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीक्षा-विषय नहीं दर्शाए गए हैं तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाणपत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति के साथ-साथ प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आशय के प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने पैरा 3(ग) (ii) में विनिर्दिष्ट एक या इससे अधिक विषय लेकर ग्रहण परीक्षा पास कर ली है।

(iv) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-प्रपत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।

(v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में दिये निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

(vi) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे दो लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा— अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :

(i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संघ या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

(i) एण्डकारण परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह किलहाल रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(iv) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिवीजनल की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुनर्वासन), कलकत्ता।

(ख) श्री लंका से प्रत्यावर्तित :—

श्री लंका में भारत का उच्चायुक्त।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय कूतावास, रंगून या जहां का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

(घ) तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

(i) विभिन्न राज्यों के ट्रांजिट केन्द्रों तथा राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह, किलहाल रहता हो

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट

अथवा

(iv) अपने प्रभार में सब-डिवीजन के अन्तर सब-डिवीजनल अधिकारी।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त।

(ङ) भा० अकादमी और वायु सेना अकादमी और नौसेना अकादमी कोर्स में अतिरिक्त रिक्रियों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/ (वायु सेना स्कंध) का वरिष्ठ प्राग/नौ सेना स्कंध प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा :

यह दिखाने के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग/नौ सेना स्कंध है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग सेना स्कंध नौ परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

**टिप्पणी :—**उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ भेजे गए सभी प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके तारीख लिखनी है।

**9. शुल्क की वापसी :—**आवेदन के साथ आयोग को भेजा गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या भयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है :—

- (i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया उसको रु० 15.00 (पन्द्रह रुपये) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00 (चार रुपये)] वापस कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर धस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार किसी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदवार को शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
- (ii) जो उम्मीदवार नवम्बर, 1981 या मई, 1982 में आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बठा हो और उनमें से किसी परीक्षा के परिणाम के आखार पर किसी कोस के लिए उसका नाम अनुश्रुति हुआ हो तो उसके मामले में रु० 28.00 (अठ्ठाईस रुपये) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00 (सात रुपये)] का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि अक्टूबर, 1982 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिय अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिय उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 मार्च, 1983 को या उससे पहले पहुंच जाए।

**10. आवेदन पत्र की पावती :—**आयोग के कार्यालय में देर से प्राप्त आवेदन-पत्रों सहित प्रत्येक आवेदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की आवेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन सं० जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्तर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूरा है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

**11. आवेदन का परिणाम :—**अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

**12. परीक्षा में प्रवेश :—**किसी उम्मीदवार की पावता या अपावता के संबंध में संबंधित सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

**13. कदाचार के दीर्घ उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—**उम्मीदवारों की चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न कर और न ही फेर-बदल किए गए, भट्टे हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत

करें। अगर इस प्रकार के दीर्घ अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कदाचार को दीर्घी घोषित होता है या ही चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारों का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होता; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में; किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों, या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अशुद्ध आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) उम्मीदवारों की परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो; या
- (xii) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की और प्रवृत्त होता या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित कराना। यह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के प्रतिरिक्त :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा प्रयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा

(ख) (i) आयोग द्वारा उनको किसी भी परीक्षा का भयन के लिए

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निविष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी शौकी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पालन होगा। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई भी व्यक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(i) उम्मीदवार की इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

**14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण :—**सेवा भयन बीड के साक्षात्कार में ग्रहण प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से, आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/मर्तो ७ (एस० पी०) (ग), नई दिल्ली-110022 को तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौसेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को या वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/पी० आर०-3, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को अपनी शैक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पत्र सेवा भयन बीड के साक्षात्कार के पूरा होने के बी सप्ताहों के अन्तर और 30 जून, 1983 (एस० एस० सी० (एन० टी०) के मामले में 15 सितम्बर, 1983 तक) प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्रों की सत्य अभिप्रमाणित प्रतिलिपियां या कोर्टीफाइड प्रतियां किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएंगी।



15 "आवेदन के सम्बन्ध में पत्र-व्यवहार" :—आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, लौसपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम ।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना ।
- (3) आवेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन/संख्या, रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण सं./रोल नम्बर नहीं मिला हो) ।
- (4) उम्मीदवारों का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ) ।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता जैसा आवेदन-पत्र में दिया है ।

विशेष ध्यान :—(i) जिन पत्रों के साथ ऊपर का व्योम नहीं होगा ही सकता है, उस पर कोई कारवाई न हो ।

- (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कारवाई नहीं की जायेगी ।

16. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिए जाएं । पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथार्थाश सूचित कर देना चाहिए ।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुमति प्राप्त उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नाम पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना मुख्यालय (पी० ब्रो-3) नई दिल्ली-110011 को सूचित कर देना चाहिए । जो उम्मीदवार इन आवेदनों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वांचल हो जाएगा ।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते ।

17 लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुमति है, उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (II) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना उम्मीदवारों के लिए वायु सेना मुख्यालय (पी० ब्रो०) नई दिल्ली 110011 के पते पर लिखने चाहिए ।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए भेजा गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करने है । साक्षात्कार की स्थिति करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केवल सहाय परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिनके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय होगा ।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएं :—

- (क) सफेद कमीज में शस्पीट आकार कीटो की 6 प्रतियां ।
- (ख) बिस्तर और कम्बल (मौसम के अनुसार) ।
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ पैंटों की दो जोड़ें ।
- (घ) एक जोड़ी पी० टी० के सफेद जूते और दो जोड़ें सफेद मोजे ।

- (ङ) पैरों और कमीजों के दो जोड़े ।
- (च) फाउन्टेन पेन स्प्राइली और पेंसिल ।
- (छ) बूट कालिश और सफेद श्लैकों ।
- (ज) एक मच्छरदानी ।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम को घोषणा योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश :—

संघ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा । वे उम्मीदवार उनसे भी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अर्हता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तिगत दृष्टिकोणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे ।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (जी० ई०) कोर्स और/या नौसेना (एस० ई०) और वायु सेना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० 10) कोर्स के लिए अर्हता या नहीं उनको मार्च/अप्रैल, 1983 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, उनको जून/जुलाई, 1983 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा ।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उनके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई बोट पतुंसी है तो उसके लिये सरकार की ओर से कोई अतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो । उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस भाग्य के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे ।

स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जाएंगे । लिखित परीक्षा तथा से० ए० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता क्रम में रखा जाएगा । अलग-अलग उम्मीदवारों की परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाएं इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा ।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या अधिकांश प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा । अन्तिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के प्रतिरिक्त उपलब्ध रक्तियों की संख्या की दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा ।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनुमति—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायु सेना उद्घटन महा विद्यालय, नौ सेना अकादमी कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिए गए हैं उनको भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या थलसेना में अल्पकालिक सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा ।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैंडेडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो वे भारतीय नौ सेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे ।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एम० सी० सी० तथा

भातक पाठ्यक्रम से भाग लिया गया हो। उनके बारे में यल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम में पहले बापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

20 भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने प्रायेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए बुला नहीं जाएगा चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे बापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह सब उससे वसूल किया जाएगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवार :

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो जिसकी पहने से कोई जीवित पति है या था

(ख) जिम्ने, पहने से जीवित पति-वत्नी होते हुए भी, किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पाल नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिए और शादी की दूसरी तरह के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन में छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्त प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिए विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से उसका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जो उम्मीदवार भा० से० अकादमी/नौसेना अकादमी/वायुसेना अकादमी से इस्तीफा दे देते हैं उन्हें किसी भी परिस्थिति में अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में शामिल करने पर विचार नहीं किया जाएगा।

22. बौद्धिक परीक्षण सम्बन्धी सूचना, रक्षा मंत्रालय (समोर्धनिक प्रनसंधान निदेशालय) ने "सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन" (ए० स्टडी ऑफ इंटेलिजेंस टेस्ट कोर्स ऑफ कैण्टी-बेट्स एण्ड सविसेज सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाएं।

यह समूह्य पुस्तक प्रकाशन है और बिक्री के लिए प्रकाशन नियंत्रण, सिबल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहाँ मिल सकती है। डाक द्वारा आदेश देकर या नकद भुगतान के द्वारा उनसे यह सूधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महन, गिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) उद्योग भवन की प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री केन्द्र पर तथा (iii) भारत सरकार पुस्तकालय, 8 के० ए० राय रोड, कलकत्ता-700001 पर भी मिल सकती है।

विनय झा, संयुक्त सचिव

### परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यविवरण)

#### क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

(क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिए साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सविसेज सेलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाए।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिए दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ख) नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
<b>अनिवार्य</b>		
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
<b>वैकल्पिक</b>		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घण्टे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घण्टे	150

\* जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100
4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, अफसर ट्रेनिंग स्कूल और वायु सेना अकादमी में अर्सी के लिये लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 300, 450 और 200 और 450 होंगे।

3. समस्त विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका में देखिये।

4. प्रश्न पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा। -

5. उम्मीदवारों की प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी वषा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्थक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

7. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (परीक्षण-पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिय कलकुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वे उसे परीक्षा-मघन में न लायें।

#### ख परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

##### स्तर :

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पत्रों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

##### पाठ्य विवरण

##### अंग्रेजी (कोड सं० 01)

प्रश्न पत्र इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

##### सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किय जाने वाले इसी तरह के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना देना चाहिए।

##### प्रारम्भिक गणित (कोड सं० 03)

##### अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ :—घनपूर्ण, संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, बर्ग मन्वणमलव भिन्न।

एकिक विधि :—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिमासता, साधारण तथा चक्रवृद्धि भ्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवत्य और गुणन खण्ड/गणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्तक, मूलखण्ड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगुणक, लघु गुणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

##### बीज गणित

आधारभूत संक्रियायः : साधारण गुणन खण्ड 1 शेष फल प्रमेय, ब्रह्मपूरों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्तक सिद्धांत। द्विघ्न समीकरणों का हल इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाये)। दो प्रजात राशियों में युगपत रेखिक समीकरण—विश्लेषण और श्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपत रेखिक असमिकायें और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत रेखिक समीकरण या असमिकायें बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, सम्बन्ध भाषा तथा सम्बन्ध अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम।

##### त्रिकोणमिति :

ज्या  $\times$ , कोटिज्या  $\times$  स्पर्श रेखा  $\times$  जब  $90^\circ$   $\angle \times \angle 90^\circ$

ज्या  $\times$ , कोटिज्या  $\times$ , स्पर्श रेखा  $\times$  का मान क्योंकि  $\times$

$-0^\circ, 30^\circ,$

$45^\circ, 60^\circ$  और  $90^\circ$  सरल त्रिकोणमितीय तन्त्रमक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

उंचाइयों और दूरियों के सरल कोण।

##### ज्योमिति :

रेखा और कोण, समान और समान आकृति : निम्नलिखित पर प्रमेय :—, (i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण घमे, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसी त्रिभुज की भुजाएं और कोण, (iv) त्रिभुजों की सर्वांगसमता, (v) समरूप त्रिभुज (vi) माध्यिकाओं और जीर्ण, सम्बन्धों का संगमन, (vii) समानांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण घर्मे, (ii) ) वृत्त और उनके गुण घर्मे जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अभिनम्ब भी शामिल हैं, (iv) स्थानिक संघर्क।

##### विस्तार कलन :

वर्गों, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र वृष्टी) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठाय तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

##### सांख्यिकी :

सांख्यिकी तरयों का संग्रहण तथा सारणीयन। आनेछाँ मिर्कपण-बारम्भारता बहुभुज आयत चित्र शलाका चार्टे पार्श्व चार्टे आदि केन्द्रीय आकृति के माप रेखाओं के बीच कोण।

##### प्रारम्भिक भौतिकी (कोड सं० 05)

(क) विस्तार कलन :—मापन के मात्रक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मात्रक। आवेश और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ऋजुरेखीय गति। न्यूटन का गति नियम। बल की संकल्पन बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) पिण्ड का बल विज्ञान :—गुरुत्व के अधीन/समानान्तरण बल। गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात घानत समतल/चिच और गियर सहित विभिन्न साधारण मशीनों/वर्षण, वर्षणकोण, वर्षण, गुणांक कार्य शक्ति और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणघर्मे :—दाब और प्रणोद/पास्कल का नियम। आर्कमिडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिठों और द्रव्यों के विशिष्ट गुणध्वों की निर्धारित करने के लिये आर्कमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के सिद्धांत प्रयोग में लाये गये दाब का मापन। बोली नियम/बायु पम्प।

(घ) ताप :—पिठों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। दृष्टांस्स नियम परम भूय बायल और वास्स नियम, पिठों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कलो-रीमिंत/ताप का संचरण, घातुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और बाष्पन की गुप्त ऊष्मा। एस० पी० बी० पी० नमी (आर्द्रता श्रोतांक और आपेक्षिक आर्द्रता)।

(ङ) प्रकाश :—ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय वर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, लेन्स, प्रकाशित यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रवर्शी दूरवीन, सूक्ष्मवर्शी, वाइनीक्यूमर तथा परिवर्शी। प्रिज्म, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि :—ध्वनि संचरण, ध्वनि परावर्तन, अनुनाद/ध्वनि दामीफोन का अधिलेखन।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत :—चम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र चुम्बकीय बल रेखायें, पार्थिक चम्बकत्व। चालक और रोधी। ओमनियम, पी० बी०, प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, ओणी पार्श्व में प्रतिरोधक। विषयभापी विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत् धारा का चुम्बकीय प्रभाव, चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फर्मिंग का ब्राम हस्तनियम। मापक यंत्र-धारामापी एमीटर, वोल्टमीटर, वाटमीटर, विद्युत् धारा का रसायनिक प्रभाव, विद्युत् लपन्, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, केराडे निबम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनिष्ठ।

## भौतिकी (कोड सं० 06)

## 1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी

यूनिट्स और विभाए, स्केलर और वेक्टर, मात्राएँ, जड़त्व, आघात, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, षण्ठी गति; गुरुत्वाकर्षण। सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ तनाव, द्रव की शया-मता, रोटरी पम्प।

## 2. ध्वनि

अवमंडित, प्रगोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, डाप्पर प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गति में ध्वनि के वेग पर बाह्य, तापमान और आद्रता का प्रभाव, डोरियों, झिल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, ध्वनि तरंगों का विवर्धन, स्थिर तरंगें। ध्वनि का प्रावृत्ति वेग तथा तीव्रता। पराश्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धांत।

## 3. ऊष्मा और गतिविज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा रुद्धोष्म परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तत्व; बोल्ट्समन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बाइरवाल का प्रबन्ध समीकरण, जल वाष्पसत प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा इंजन; कार्नोट प्रमेय, ऊष्मागत-विज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

## 4. प्रकाश

व्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और बणिक् शेष और उनका निवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण।

## 5. विद्युत् और चुम्बकत्व

विद्युत् क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैद्युत् और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टे-रिस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूविंग मेनेट एण्ड मूविंग क्वायल गलवेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिफ्रेक्टिव इंडेक्स एलिमेंट्स के गुण और धर्म और उनका निर्धारण; ताप विद्युत् प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन। ट्रांसफार्मर और मोटर; इलेक्ट्रानिक बाल्ब और उनका सरल अनुप्रयोग।

## 6. प्राधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलेक्ट्रॉन, गैसों द्वारा विद्युत् का विवर्जन, कथोडर। रेडियोऐक्टिवता, कृत्रिम रेडियो ऐक्टिवता, प्राइसरोप विखंडन और संलयन की प्रारम्भिक धारणा।

## गणित (कोड सं० 04)

## 1. बीजगणित :

समूचयों का बीजगणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिनिधित्व, युक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसूचकांक के लिये द-मोयर का प्रमेय और उसका सरल अनुप्रयोग।

## 2. मैट्रिसेस :

मैट्रिसेस की बीजगणित, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल, सहस्रगुणक आद्य; मैट्रिसेसों का प्रतिनिधित्व, मैट्रिसेस की भाति। रैखिक समीकरण के हल निकालने के लिये मैट्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन प्रश्नात संख्याओं में) :

## 3. विश्लेषिक ज्यामिती :

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति, सरल रेखाएँ, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त, वृत्त निकाय, परवलय दीर्घवृत्त अतिपरवलय (मुख्य अक्षों के सन्दर्भ में) द्वितीय अक्ष समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पंशरेखाएँ और अभिलम्ब। द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएँ और गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)

## 4. कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमांत की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सांतर्य और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन रोल का प्रमेय। मध्यमान प्रमेय; मैकलारिन और टेलर सिरीज (प्रमाण प्राथमिक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय। सूचकांकों के लिये द्विपदप्रसरण धरणा-ताकी प्रसरण, लघुगुणकीय त्रिकोण-विस्तार और अति परिचल्यिक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अल्पिष्ट, स्पंशरेखा, अभिलम्ब, अक्ष:स्पर्शी अक्षोलम्ब, अनन्तस्पर्शी बक्का (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्लेप आंशिक अवकलन। समानो फलनों के संबंधित आयलर प्रमेय।

समाकलन-गणित:—समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलन के निश्चित समाकलन की सीमांत-परिभाषा। समाकलन गणित के मूल सिद्धांत। परि-शोधन, क्षेत्रकलन, आयतन और परिक्रमण बनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल। सम्पा-त्मक समाकलन के बारे में सिम्पसन का नियम।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपान्तरण। साधारण पेन्डलम और समीक्षण।

## 5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)

स्थिति विज्ञान : समतलीय तथा समानो बलों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र। स्थितिक धर्षण, साम्यधर्षण और सीमांत धर्षणा-धर्षण कोण। रक्त ध्रानत समतल पर के कण की साम्यवस्था कल्पित कार्य (दो धायामों में)।

गति विज्ञान : शुद्ध गति विज्ञान-कण का त्वरण, वेग, बाल और विस्थापन, प्रापेक्षित वेग। निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति सम्बन्धी सिद्धांत। केन्द्र कक्षा। सरल प्रसवदा गति; (निर्धारित में) गुरुत्वा-वस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा रैखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तल गति।

6. सांख्यिकी-प्राधिकता :—प्राधिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्राधिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रमेय, अप्रतिबंध प्राधिकता। यांत्रिक चर (विचलित और अविरत) वनत्व, फलन, गणितीय प्रत्याशा।

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्यम और प्रसरण वेधम्प सीमांत रूप सरल अनुप्रयोग। व्यासों वितरण परिभाषामध्य और प्रसरण योग्यता, उपलब्ध भांकों में व्यासों बंटन का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध भांकों में प्रसामान्य बहल का समंजन।

द्विचर वितरण : यह संबंध दो चरों का रैखिक समाधरण, सीधी रेखा का समंजन, परचल्यिक और चलघातांकी, बक्क, सह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, यांत्रिक प्रतिदर्श (सांख्यिकी, प्रतिदर्शी बंटन और मानक वृद्धि) मध्य पदों के अन्तर की अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एच० आई०, (CHI2) और एफ० का सरल वितरण।

टिप्पणी : उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० 5 यांत्रिकी और सं० 6 सांख्यिकी—में से किसी विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

## बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिये साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जायेंगे जैसे ग्रुप परीक्षण, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निश्चित विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांच के लिये ह। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिये ह अपितु इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति बिलचस्पी का भी पता चलेगा।

## परिशिष्ट II

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये उम्मीदवारों के शारीरिक

## मानक

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिये जाते हैं।

बहुत से अहताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिये आयेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जाँच करा लें।

1. सेवा नियम बोर्ड द्वारा अनुश्रुति सम्मिलित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जो कि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिये नीचे संक्षिप्त रूप में दिये गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है :—

- (क) उम्मीदवार का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अशक्तता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
- (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/दैहिक दोष या स्थलता नहीं होनी चाहिए।
- (ग) कद कम से कम 157.5 सें० मी० का हो (नौसेना के लिये 157 सें० मी० तथा वायु सेना के लिये 162.5 सें० मी०)। गोरखा और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमाय के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिये जाते हैं :—

## कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

उपरोक्त मारणी में दिये गये औसत वजन से 10 कम-ज्यादा (नौसेना के लिये 6 कि० ग्रा० कम-ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्तर माना जाएगा; किन्तु भारी हड्डियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अत्यधिक स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

- (घ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने सूचक से लगा रहे और फीते का ऊपरी भाग पीछे स्कंध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (लोअर एंगिल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एकसरे करना जरूरी है। इसे यह जानने के लिये किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।
- (ङ) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिए।
- (छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांभ कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें० मी० की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सके। कर्ण नासिका कंठ की पिछली या अब की बीमारी का कोई प्रमाण न हो।
- (ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के संबंध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।
- (झ) उबरपेशियां युक्तिकां हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न हो। उबर के आंतरिक अंग की कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।
- (ञ) यदि किसी उम्मीदवार को हनिया है और सड़की शल्य चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जखम भी पूरी तरह ठीक हो हो चुका हो।
- (ट) हाइड्रोसीस वेरिकोसीस या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (ड) उम्मीदवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (नौसेना तथा वायु सेना के लिये केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 3.5 1 तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिमेटिज्म सहित) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिये कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा ओपथलमोस्कोप से की जाएगी उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी० पी०-3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौसेना ड्रेव उम्मीदवारों का दृष्टि स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए :—

दूर दृष्टि	6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9
निकट दृष्टि	एन—5 प्रत्येक आंख
वर्ण दृष्टि	एम० एल० टी० द्वारा सी० पी०—1

मायोपिया 0.5 डायोप्टर से अधिक न हो और हाइपरमेट्रोपिया अच्छी आंख में 1.50 डायोप्टर से तथा बुरी आंख में 2.50 डायोप्टर से अधिक न हो।

नेत्र-पेशी तन्तुलन

मेडोक्स रोड टेस्ट के साथ ट्रेडोफोरिया निम्नलिखित से बिल्कुल अधिक न हो :—

(i) 6 मीटर पर—	एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्टर
	एसोफोरिया 8 " "
	हाइपरफोरिया 1 " "

- (ii) 30 सें० मीटर पर—एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रस  
 एसोफोरिया 06 " "  
 हाइपरफोरिया " "

(4) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 22 दांत बिन्दु होते हैं। उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(ग) छाती की एक्स-रे परीक्षा में ग्रेव पसंका की उपस्थिति हेतु ग्रेव मेटरण्ड के निष्कर्ष भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेटरण्ड के अन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

2. केवल वायु सेना के उम्मीदवारों के लिये उपर्युक्त के साथ-साथ निम्न-लिखित चिकित्सा मापक भी लागू होंगे :—

(क) वायुसेना के लिये स्वीकार्य मानव दैर्घ्य सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है :—

कद :	162.5 सें० मी०
टांग की लम्बाई	कम से कम 99 सें० मी० और अधिक से अधिक 120 सें० मी०
भ्रू की लम्बाई	अधिक से अधिक 64 सें० मी०
कूटकर छंवाई	कम से कम 81.5 सें० मी० और अधिक से अधिक 96 सें० मी०

(ख) निम्नलिखित अपसामान्यताओं का पता लगाने के लिये सभी उम्मीदवारों के मेटरण्ड का एक्स-रे करना जरूरी है :—

- काव की पद्धति द्वारा 7 से अधिक का स्कालियोसिस।
  - एस० वी० को छोड़कर स्पाइमा वाइफिडा।
  - एस० वी०-5 का एक पार्श्व का सेरेब्रलेशन।
  - इन्वेरेमन रोग : इन्वेरेमन नोड्स, स्पोडिलोमिस या स्पोडिलोसिससिडियोसिस।
  - मेटरण्ड का कोई अन्य प्रमुख रोग।
- (ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।

(घ) दृष्टि

दूर की दृष्टि :	6/6, 6/6 तक
सुधार योग्य	6/9
पास की दृष्टि :	प्रत्येक आंख की एन० 5
बण दृष्टि :	सी० वी०-1 (एस० आई० एल०)
मेनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया—	2.00 डी० से अधिक न हो।

मेख पेशी सन्तुलन

मेडोक्स रोड टैस्क के साथ हैटमोफोरिया निम्नलिखित से अधिक न हो—

- (i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रस  
 एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रस
- (ii) 33 सेंटीमीटर पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रस  
 एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रस  
 हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रस  
 मायोपिया, कुछ नहीं एस्टिमेटिज्म + 0.75 डी० सिर्फ

डिमेन्सी दृष्टि—आंखों डिमेन्सी दृष्टि का होना अनिवार्य है (पयजन तथा स्टारबोक्स तथा माय में अच्छा धायाम व गहनता)

(3) मानक

- (i) वाकपरीक्षण : प्रत्येक बान में 610 सें० मी० में कानाफंसी सुनाई दे।
- (ii) श्रव्यतामिक्तिक 250 एच० एक्स तथा 40000 परीक्षण : एच० अंड० के बीच की धारणियों में श्रव्यतामिक्तिक कमो 10 डी० डी० से अधिक न हो।

(ब) स्टैन ई० सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में हो।

3 नौसैनिक विमानत शाखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक वही होंगे जो वायुसेना के उमान ह्यूटी हेतु उम्मीदवारों के हैं।

परिणाम [1]

सेना आदि के सक्षिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं :—

भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिये :—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व :—

(क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चीट लग जाय और तद्विषय किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किम्पे सन्निधल अपरेशन या संवेदना हरण दबाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई गौरीरिक क्षमता का जाने या उसकी मर्यु हो जाने पर वह या उसके बंध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मूत्रावर्जे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में गयज जाते ह, उम्मीदवार-पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमाणन श्रम्यकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, जीवन, बन्ध पर किय गये व्यय तथा दिय गये वेतन और भत्ता की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करना होगा।

2. अन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेटलमन कडेट" के रूप में दर्ज किय जायग। "जेटलमन कडेट" पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, आवास, पुस्तक, वस्त्र, बीडिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी; लेकिन यह प्राप्ता की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बर्धन करेंगे। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्धित करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 500.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारण करने के लिये बजल सम्पत्तियों और सभी माधनो से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिला के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुमति पत्रित भारतीय सेना अकादमी देहरादून के कमाण्डेंट को अर्पित कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को जाने पर, कमाण्डेंट के नाम निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी :—

(क) प्रतिमास 55.00 के दृष्टिक से पांच महीने का जब खर्च	275.00
(ख) बन्ध तथा गवर्नर की मर्दे के लिये	80.00
योग	1075.00

उम्मीदवारी को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपयुक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी :-

55.00 रु० प्रतिमास का इस्तेमाल मंजूर होने पर जंघ

खर्च 275.00 रु०

5. भारतीय सेना प्रकाशनी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं :-

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति :- यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कहेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 300.00 रु० प्रति वर्ष है जो कि कहेटों की भारतीय सेना प्रकाशनी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है बशत कि उनकी प्रगति सन्तोषजनक हो। जिस उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार नहीं हैं।

(2) कनल कडल फक मेमोरियल छात्रवृत्ति :- इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पाठ्य मराठा कहेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के प्रतिरक्त होती है।

6. भारतीय सेना प्रकाशनी के प्रत्येक कहेट के लिये सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिष्कार भत्ता प्रकाशनी के कमांड की सौंप दिया जाएगा। इस भत्ते की जी रकम खर्च होगी वह :-

(क) कहेट को कमीशन दे दिया जाने पर दे दी जाएगी।

(ख) यदि कहेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ता की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से खर्च हो गये भस्म तथा अन्य आवश्यक चीजें कहेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कहेट त्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपयुक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को धृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने वाले जेंटिलमन कहेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक थर आने की आज्ञा दे दी जाती चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाले खर्च उनसे बसूल किया जाएगा। भारतीय सेना प्रकाशनी में उम्मीदवारों की भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय के एक भाट पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जटिलमन कहेट का प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक करने पर ही दिया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से अग्रणी दिन से शुरू होगी। यह कमाशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बावजूद उन्हीं सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ता, पेशन और छुट्टी दी जायगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

### I प्रशिक्षण :-

10. भारतीय सेना प्रकाशनी में आर्मी कहेट को "जटलमन कहेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्क्यूबेटर के उप-युक्तियों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जटलमन कहेटों का मेजिस्ट्रेट नेफिटनेट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशत कि ए० ए० ए० पी० ई० ए० ए० ए० शारीरिक रूप से स्वस्थ हो।

### II. सेवा की शर्तें :-

#### (i) वेतन

रक	वेतनमान
मेजिस्ट्रेट नेफिटनेट	750-790
नेफिटनेट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
नेफिटनेट-कनल (चयन द्वारा)	1750-1950
नेफिटनेट कनल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कनल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
नेफिटनेट जनरल	3000 प्रतिमास
नेफिटनेट जनरल (धार्मी वमाखर)	3250 प्रतिमास

#### (ii) योग्यता, वेतन और अनुदान

नेफिटनेट कनल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारियों अपनी योग्यताओं के आधार पर 1800 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० अथवा 6000 रु० के एक मुश्त अनुदान के हकदार ह। उदाहरण प्रशिक्षक (बग 'ख') रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

### III भत्ते :-

(iii) वेतन के प्रतिरक्त अफसरों की इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :-

(क) मिनिस्त्रियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार यह भी नगर प्रतिकर तथा संहाराई भत्ता दिया जायेगा।

(ख) 50 रु० प्रति मास की दर से फिट अनुदान भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विवेक भत्ते की तयनुस्सी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) नियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहना जा सकता है, तब वे अफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता :- प्रारंभिक सज्जा भत्ता रु० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद जब नया सज्जा भत्ता का दावा किया जा सकता है।

#### (iv) तनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तनात किय जा सकते हैं।

#### (v) पदोन्नति :

##### (क) स्थाई पदोन्नति :

अन्यतर रैंकों पर स्थाई पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाय हैं :- समय वेतनमान से

नेफिटनेट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से नेफिटनेट कनल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
चयन द्वारा	
नेफिटनेट कनल	18 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कनल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

नेफिटनेष्ट जनरल	28 वर्ष कर्मस्थान प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं ।

## (ख) कार्यकारी पदोन्नति :

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अधिकतर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात्र होंगे बशत कि रिक्तियां उपलब्ध हों :—

कौन्सल	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
नेफिटनेष्ट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
नेफिटनेष्ट जनरल	25 वर्ष

## (ख) नौसेना अकादमी कोचीन में बसो होने वाले उम्मीदवारों के लिये :—

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुन लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी कोचीन के प्रभारी अधिकतर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र नहीं दिया हो :—

(i) 45.00 रुपये प्रति मास की दर से पांच मास के लिये जेब खर्च	225.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	460.00 रु०
<b>जोड़</b>	<b>685.00 रु०</b>

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र दिया हो :—

(i) 45.00 रु० प्रति मास की दर से दो मास के लिये जेब खर्च	90.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	460.00 रु०
<b>जोड़</b>	<b>550.00 रु०</b>

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में सीजे लिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकाय प्रशिक्षण—	1 वर्ष
(ख) मिडशिपमैन नौकाय प्रशिक्षण	6 मास
(ग) कार्यकारी सब-नेफिटनेष्ट तकमीकी पाठ्यक्रम	12 मास
(घ) सब-नेफिटनेष्ट :	

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को नौबतूह मिगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण-पत्र लेने के लिये भारतीय नौसैनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिये कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

(ii) नौसेना अकादमी में कैडेटों के लिये शिक्षण, आवास और संबन्ध सेवाओं, पुस्तकों, बर्तों, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 500 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया प्रथम आर्थिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैडेट के लिये 55 रु० प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है।

वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद सीजे ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दायर करेगा। जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन-पत्र को अपनी अनुमति के साथ निदेशक कार्यालय सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा। यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की वधाई के लिये उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशत कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 600/- रु० से अधिक न हो।

(iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

(iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इससे अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने उनकी एक सपता की सुनिश्चित करने के लिये, ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किये जायेंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिये जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैंडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और बर्तों भत्ते मिलेंगे जो कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अफ्रेंटिंग के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में वेतन बढ़ी दी जाती हो तो वे उस वेतन-बढ़ी को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते सीजे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी।

(vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोई पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल रैंक पर वापस भर्ज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में चुबारा बाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कर्णाजन्म कारणों के आधार पर त्यागपत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

1. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को :

(क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह सभी जानी समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई आघात लग जाये या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किय गये आपरेशन या या आपरेशन के दौरान



मूठित करने की श्रौषधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

- (ख) इस आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हों, यदि उम्मीदवार पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, भुक्त, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों ने प्राप्त किये हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

### 3. वेतन और भत्ते

#### (क) वेतन

रैंक	वेतनमान सामान्य सेवा
मिडशिपमैन	560.00 रुपए
एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट	750.00 रुपए
सब-लेफ्टिनेंट	830-870 रुपए
लेफ्टिनेंट	1100-1450 रुपए
लेफ्टिनेंट-कमोडोर	1450-1800 रुपए
कमाण्डर (चयन मान द्वारा)	1750-1950 रुपए
कमांडर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00 रुपए
	(नियत)
कैप्टन	1950-2400 रुपए
	(कमीडोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिये वह कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता है।)
रियर एडमिरल	2500-1250/2
	2750 रुपए
वाइस एडमिरल	3000 रुपए

#### (ख) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

- निबिलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू वरों और भत्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ता मिलता है।
- 50/- रु० प्रतिमास की दर से किट अनुकरण भत्ता (कमोडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरों को)।
- जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपये से 250/- रुपये तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- 70/- ० प्रति मास के त्रिमास से इस अफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा :—
  - जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
  - जिन विवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेम पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
  - जितनी अवधि के लिये बेम पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिये उन्हें मुफ्त राशन मिलेगा।

टिप्पणी I:—उपरोक्त का अलावा सकट के समय काम करने की राशि पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन सर्वक्षण, आधुनिक/अवृत्त वेतन/अनुदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी II:—अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं अर्पित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के नियम चुने गये अफसर बने हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

### 4. पब्लिशि

- (क) समय वेतनमान द्वारा मिडशिपमैन से एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट तक 1/2 वर्ष एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट से सब-लेफ्टिनेंट तक 1 वर्ष सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट तक एक्टिंग और स्थाई सब-लेफ्टिनेंट (वरिष्ठता के लाभ/समपहरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष

लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमोडोर तक लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक 24 वर्ष की संगणनीय

(यदि चयन द्वारा पब्लिशि न हुई हो) कमीशन प्राप्त सेवा

- (ख) चयन द्वारा लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक लेफ्टिनेंट कमोडोर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता। कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता। कैप्टन से रियर एडमिरल और उससे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

### 5. तनाती

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

टिप्पणी :—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निवेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिये :—

1. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल भद्रास, मद्रास में भर्ती हों :—

- (क) उसे इस आशय से प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भाँति समझता है कि उसे या उसके वधवारियों की सरकार से मुआवजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक कुशलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूठित करने की श्रौषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।
- (ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार को पूरा करने से पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिये जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शादी करने तो उसे शिक्षा खाना, वस्त्र और वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किये हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेण्टलमैन कैडेट के रूप में तामाकिन किया जाएगा। सामान्य अनुशासन की दृष्टि से ये जेण्टलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास पुस्तकें वर्दी व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च को संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी शिकार खेलना गरमपाटा इत्यादि का शौक रखता हो तो तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस तु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट और उसके माता/पिता अभिभावक की आय 500 रु० प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपये प्रतिमास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक है उसे प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट को भजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन-पत्र की कमांडेंट अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिये चुने गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी :-

(क) 55.00 रु० प्रति मास की दर से दस महीने के लिये जब खर्च	550.00 रुपये
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिये	500.00 रुपये

योग 1050.00 रुपये

यदि कैडेटों की वित्तीय सहायता स्वांक्रुत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीज कडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणार्थी अवधि में त्याग-पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ल लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्याग-पत्र देने वाले जेन्टिलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्र स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च वसूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा।

7. जिस/जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उसकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिये जाने के बाद वेतन तथा भत्ते पशन छुट्टी तथा अन्य सेवा शत निम्न प्रकार होंगी।

#### 9. प्रशिक्षण

1. चुने गये उम्मीदवारों को सेना अधित्तियम के अन्तर्गत जेन्टलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलता पूर्वक करने के उपरान्त जेन्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सकड नेफिटनेट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

#### 10. सेवा की शर्तें

##### (क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिवीक्षा-ध्यान रहेगा। यदि उस परिवीक्षा का अवधि के दौरान कमीशन धारण करने

के अनुपयुक्त बताया गया तब उनकी परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

##### (ख) बनाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तनात किया जा सकता है।

##### (ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन को अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनकी स्थाई कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

##### (घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वहां वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों की प्राप्त होता है।

सेकेण्ड नेफिटनेट और नेफिटनेट के वेतन की दर इस प्रकार है :-

सेकेण्ड नेफिटनेट--750--790 रु० प्रति मास

नेफिटनेट--830--950 रु० प्रति मास

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

##### (छ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिये, लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली खण्ड-1 थल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित है। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा द्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हकदार होंगे।

##### (च) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है --

(i) अपचार करने या संतोषजनक रूप से या सेवा करने पर;

(ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;

(iii) उसकी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता न होने पर; या

(iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की कर्णजान्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। कर्णजान्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवात उपदान पाने का पात्र नहीं होगा।

##### (छ) पशन लाभ

(i) य अभी विचाराधीन है।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 का सेवात उपदान पाने के हकदार होंगे।

##### (ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद में 5 वर्ष की अवधि के लिये या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

## (अ) विविध :-

सेवा संबंधी अन्य सभी बातें जब तक उनका उपर्युक्त उपबंधों के साथ भेद नहीं होता है, वही होगी जो नियमित क्रमों के लिये लागू है।

(ब) वायु सेना अकादमी में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिये :-

## 1. चयन :-

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है। अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एण्ट्री और वायु स्कंध वॉरिंग प्रयोग के माध्यम से एन० सी० सी०।

(क) डायरेक्ट एण्ट्री—आयोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः वर्ष में दो बार और मई और नवम्बर में की जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिये भेजा जाता है।

(ख) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश—राष्ट्रीय कलेट कीर महा-निवेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० युक्तियों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदन-पत्रों को प्राप्त किए जाते हैं। वायु सेना मुख्यालय की अधिसूचनाएं जारी की जाती हैं। पात्र उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिये वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निर्देश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भर्ती : वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुसूचित और उप-युक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पात्र होने वाले उम्मीदवारों की वरीयता तथा उपलब्ध निमित्तों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिये भेजा जाता है। डायरेक्ट एण्ट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता-सूची प्रयोग से तैयार की जाती है। डायरेक्ट एण्ट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची सं० सी० सी० आ० द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तियों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों का जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कलेट कीर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण : वायु सेना अकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिये प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

4. भविष्य में पदोन्नति की संभावना :- प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट अफसर का रैंक दिया जाता है और वे उसी रैंक के वेतन तथा भत्ता प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों की खराब रू० 1925/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन रू० 750/- प्रति माह भी शामिल है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज्ज्वल होता है तथापि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावना अलग-अलग होती है।

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्बनर रैंक प्रदान करके और स्टाई रैंक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैंक के लिये प्रतिनिधित्व परिलक्षित निर्धारित है। अधिकारियों की संख्या पर आधारित इस प्रकार का एक कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अष्ट अवसर मिलते हैं। म्यूजिक लैंडर और विंग कमांडर के रैंक में समय-वेतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और उसके ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विविधतः सैन्य पदोन्नति बोर्डों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। अधिकांश अधिकारियों के लिये पदोन्नति के अष्ट अवसर होते हैं।

## 5. वेतन तथा भत्ता :-

मूल रैंक	उड़ान शाखा
	रू०
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाईंग कमांडर	910-1030
फ्लाईंग निफ्टनर	1150-1550
म्यूजिक लैंडर	1450-1800
विंग कमांडर	1550-1950
ग्रुप कप्तन	1950-2175
एयर कमांडर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	2500-2750
एयर मार्शल	3000

संहारि तथा प्रतिकार भत्ते : अधिकारियों को वे भत्ते भारत सरकार के विधिलिखित कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले पदों के अंतर्गत की गई धरों पर मिलते हैं।

किट अनुक्षण भत्ता :- रू० 50/- प्रति माह; उड़ान वेतन; उड़ान शाखा के अधिकारियों निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

विंग कमांडर और उसके नीचे रू० 750.00 प्रति माह  
ग्रुप कप्तन और एयर कमांडर रू० 600.00 प्रति माह  
एयर वाइस मार्शल और ऊपर  
रू० 600.00 प्रति माह

योग्यता वेतन :- कर्मचारी सेवा के 10 या 15 वर्षों के अधिक वर्ष पूरा करने वाले विंग कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर रू० 70/- और रू० 100/- है और अनुदान रू० 6000/- रू० 4500/- रू० 2400/- और रू० 1600/- है।

प्रवास भत्ता :- वायु सेना अधिकारियों को टुकड़ियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है। उन देशों में नियुक्त एक पूर्णकालीन अधिकारी, प्रथम अधिकारी कप्तान को दिए जाने वाले विदेश भत्ता 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (पारित रैंक के अनुसार) प्रवास भत्ता देय होता है।

नियुक्ति भत्ता :- ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति युनिट में होती है। घर परिवार स्थान स्थित/संरक्षित द्वारा अधिसूचित पूरे स्थान ऊँची अधिकारियों को परिवार को साथ रखने के, अनुमति नहीं होती है उन्हें रू० 70 प्रतिमाह की दर से नियुक्ति भत्ता दिया जाएगा।

परिधान भत्ता :- बर्दी/उपस्तर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य रखनी पड़ती है उनके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता रू० 1400/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिये हर समय साल के बाद रू० 1200/- दिए जाएंगे। वैयक्तिक कर्मचारी प्रदान करते समय मुफ्त दी जाती है।

## 6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश वर्ष में 60 दिन  
आवृत्त अवकाश वर्ष में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं।

कर्मचारी प्राप्त करने के एक वर्ष के बाद जब भी अधिकारी वार्षिक आवास अवकाश लेते हैं तब उनके परिवार में सदस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे या अवकाश को अवधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के अवकाश में एक बार अधिकारी अपने दूरस्थ स्थान (युनिट) से घर तक आने के लिए निःशुल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जाएगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 965 कि० मी० के दायरे के लिये जाने और जाने दोने का भत्ता भी सुविधा मिले के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उद्धान यात्रा के अधिकारियों की, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्रियों को भरने के लिए नियमित उद्धान ब्यूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार बारंट पर 1600 कि० मी० की दूरी हो तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी इसमें जाने और जाने की यात्रा सम्मिलित होगी।

जो अधिकारी छुट्टी लेकर अपने खर्च से यात्रा करने के इच्छुक हैं वे कलेक्टर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराए का 60 प्रतिशत भगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा भी जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रित माता-पिता, बहन और नाबालिग भाई शामिल होंगे।

#### 7. पेंशन माम :—

सेवा निवृत्ति के समय रैंक (स्थायी)	ग्रहण सेवा की न्यूनतम अवधि	निवृत्ति पेंशन की सामक दर
		र० प्रति माह
पाइलट अफसर फ्लाईंग अफसर	20 वर्ष	525 "
पाइलट लेफ्टिनेंट	20 वर्ष	750 "
स्क्वैड्रन लीडर	22 वर्ष	875 "
विंग कमांडर (समय बेतनमान)	26 वर्ष	925 "
विंग कमांडर सलवाइय	24 वर्ष	950 "
ग्रुप कप्टन	26 वर्ष	1100 "
एयर कमांडर	28 वर्ष	1175 "
एयर वाइस मार्शल	30 वर्ष	1275 "
एयर मार्शल	30 वर्ष	1375 "
एयर चीफ मार्शल	30 वर्ष	1700 "

#### 8. सेवा निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विविधा पर सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित है :—

(क) 10 वर्ष की सेवा के लिए—र० 12,000/- जिसमें से पिछले रैंक के बड़ महीने के वेतन घटाकर।

(ख) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए—र० 1200/- जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का वेतन घटाकर।

पेंशन या उपदान के अतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अवधि की ग्रहण सेवा के लिए कुल परिश्रमियों के लीवाई के बराबर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान देय है जो कि परिश्रमियों का 16-1/2 गुणा होगा और र० 30,000 से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे :

(क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो भी महीने का वेतन ;

(ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए तो छः महीने का वेतन; और

(ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का वेतन।

विकलांगता पशन और बच्चों और आश्रितों (माता-पिता, बहन तथा भाई) को विशेष परिवार पशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय हैं।

#### 9. अन्य सुविधाएं

अधिकारी तथा उनके परिवार निःशुल्क चिकित्सा सहायता, रियायती घर पर आवास, ग्रुप बीमा योजना ग्रुप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, शैली सुविधाओं आदि के हकदार

#### परिशिष्ट I

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री . . . . .  
सुपुत्र श्री . . . . . जो गांव/कस्बा\* . . . . .  
. . . . . जिला/मण्डल\* . . . . .  
. . . . . राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\* . . . . . के निवासी  
. . . . . ह जाति/जनजाति\* के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है :—  
संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश 1950\*

संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) आदेश 1950\*  
संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951\*  
संविधान (अनुसूचित जनजातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951  
(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सुधियाँ (संशोधन)  
आदेश 1956 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960 पंजाब पुनर्गठन  
अधिनियम 1966, त्रिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तरपूर्वी  
क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित  
जन जातियाँ, आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित)  
संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1956।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियाँ  
आदेश 1959\* अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जनजातियाँ आदेश (संशो-  
धन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (बाहारा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश,  
1962।\*

संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियाँ आदेश 1962\*  
संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1964।\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967।\*

संविधान (गोम्रा दमन और दीव) अनुसूचित जातियाँ आदेश 1968।\*

संविधान (गोम्रा दमन और दीव) अनुसूचित जनजातियाँ आदेश 1968।\*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश 1970।\*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश 1978।\*

संविधान (मिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश 1978।\*

2. श्री . . . . .

और/या उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा\* . . . . .

. . . . . जिला/मण्डल\* . . . . .

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र . . . . . में रहता है।

हस्ताक्षर . . . . .

\*\*पदनाम . . . . .

(नागालैण्ड की मोहर के साथ)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र)

स्थान . . . . .

तारीख . . . . .

\*जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां "ग्राम तौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो 'रिजिस्ट्रेशन ऑफ  
दि पीपुल एक्ट 1950" की धारा 20 में है।

\*\* जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए पक्षम अधिकारी

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर/डिप्टी

कमिशनर/एडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी

का स्टेशनहोरी मजिस्ट्रेट/मिडी मजिस्ट्रेट\*\*मह डिप्टीजनल मजि-

स्ट्रेट/नाल्लक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट

(प्रथम श्रेणी के स्टार्चिंडरी मजिस्ट्रेट से कम चौहरे का नहीं।)

कमिशनर।

- \* (प्रथम श्रेणी के स्टार्टर्/डरी मजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)  
 (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/एग्जेशनल चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट ।  
 (iii) रजिस्ट्रार जनरल का अधिकार सहस्रीलधार से कम न हो ।  
 (iv) उस लाके का सब-डिवीजनल अधिकार उच्च उम्मीदवार को/या उसका परिवार आमतौर पर रहता हो ।  
 (v) एडमिनिस्ट्रेटिव/एडमिनिस्ट्रेटिव का निष्पक्ष/बलसेट अधिकार (लक्षणीय) ।

## परिशिष्ट-V

सब चीफ सेवा आयीय

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

## (क) वस्तुपरक परीक्षण :—

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा । इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे । प्रत्येक प्रश्न (जिसका भाग प्रश्नांक कहा जाएगा) के लिये कई सुझाए गए उत्तर (जिसको भाग प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिये जाते हैं । उनमें से प्रत्येक प्रश्नांक के लिये आपको एक उत्तर चुन लेना है ।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो ।

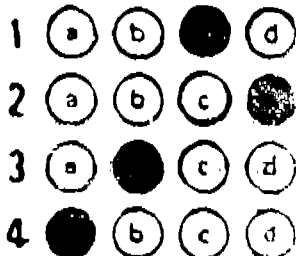
## (ख) परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न-पत्र परीक्षण पुस्तिका के रूप में होगा । इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 आदि के कम से प्रश्नांक होंगे । हर प्रश्नांक के नीचे ए, बी०, सी, डी, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे । आपका काम एक तभी या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा । (अन्त में दिये गये नमूने के प्रश्नांक देखें) । किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांक के लिये आपको यही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा । यदि आप एक से अधिक चुन लेंगे तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा ।

## (ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको प्रत्येक एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा । आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे । परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक की छीड़कर अन्य किसी कागज पर लिख गये उत्तर नहीं जाँच जाएंगे ।

उत्तर पत्रक (जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ दी जाएगी) में प्रश्नांकों की संख्याएं 1 से 160 तक बार खंडों में छापी गई हैं । प्रत्येक प्रश्नांक के सामने ए०, बी०, सी०, डी०, चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान दिये होते हैं । परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांक को पढ़ लें और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त की पसिल से पूरी तरह धक्का बना कर उसे अंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर दशमिक के लिये) नीचे दिखाया गया है । उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए ।



यह जरूरी है कि —

1. प्रश्नांकों के उत्तरों के लिये केवल एक ही किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिल) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें ।

2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें । इसके लिये आप अपने साथ एक रबर भी लाएं ।

23—66G1/82

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एसी असावधानी नहीं हो जिससे वह फट जाए या उसमें मुड़ब मिलसट आदि पड़ जाए या खराब हो जाए ।

## (घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

1. आपको परीक्षा प्रारंभ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा ।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी ।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्र निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें । आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है । इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा ।

5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा आपकी कुछ विवरण उत्तर-पत्रक पर कटबड भी करना होगा । इसके बारे में आपके पास अनुदेश प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेजे जाएंगे ।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं । इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं । अगर उत्तर पत्रक पर कोई अविष्टि संदिग्ध है तो उस प्रश्नांक के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा । पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें । जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को प्रारंभ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें ।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी । आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक किलप बोर्ड या हाई बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिख न हो । आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पमाना या धारोक्षण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी । मांगने पर कच्चे काम के लिये आपको प्रत्येक कागज दिया जाएगा । आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम अपना रोल नम्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें ।

## छ. विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे । उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें । यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे । परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अथवा, उसे बदलवा लें । आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहें ।

## (ज) कुछ उपयोगी सुझाव

अपने इस परीक्षण का उद्देश्य आपको गति की अपेक्षा शुद्धता को जाँचना है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव बखता से उपयोग करें । संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो । आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिंता न करें । आपको जो प्रश्न अव्यक्त कठिन महसूस पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें । दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें ।

सभी प्रश्नांकों के अंक समान होंगे । उन सभी के उत्तर दें । आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे । गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जाएंगे ।

## (झ) परीक्षण का समापन :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें । आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हल छोड़ने की अनुमति

हैं। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा समय से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नों (प्रश्न)

(नोट—\*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है।)

### 1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊँचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त साव होता है ?

- (a) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से कम होता है।
- \* (b) रक्त का दाब वायुमण्डल के दाब से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्तर्वली तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।

### 2. कृषि

अरहर में फूलों का अंकुश निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है ?

- \* (a) कठि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
- (b) दूर-दूर पीछे लगाना
- (c) सही ऋतु में पीछे लगाना
- (d) बोड़े-बोड़े फासों पर पीछे लगाना

### 3. रसायन विज्ञान

$H_3VO_4$  का एनहाइड्र निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a)  $VO_3$
- (b)  $VO_4$
- (c)  $V_2O_3$
- \* (d)  $V_2O_5$

### 4. ग्रन्थशास्त्र

अम का एकाधिकारी शोधन निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- \* (a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमांत राजस्व उत्पाद व दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत श्रमिक उत्पाद के बराबर हो।

### 5. वैद्युत इंजीनियरी

एक समाक्ष रेखा को अपेक्षित परावैद्युतांक 9 के दीरावैद्युतके से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अंतराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा ?

- (a)  $3C$
- (b)  $C$
- \* (c)  $C/3$
- (d)  $C/9$

### 6. भू-विज्ञान

बेसाल्ट में 'मोज़ोक्रोमस' क्या होता है ?

- (a) आलिगोक्लेज
- \* (b) क्लैस्टोक्रोमाइट
- (c) एक्वाइट
- (d) एनाथाइट

### 7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और  $\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$  समीकरण

को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है।

- (a)  $y = ax + b$
- (b)  $y = ax$
- (c)  $y = -ae^x + be^{-x}$
- \* (d)  $y = ae^x - a$

### 8. (भौतिकी)

एक आवर्त 3.0 माइक्रोन  $400^\circ K$  और  $300^\circ K$  तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a)  $3/4$
- \* (b)  $(4-3)/4$
- (c)  $4/(3+4)$
- (d)  $3/(3+4)$

### 9. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (a)  $4^2$
- \* (b) 3
- (c)  $\infty$
- (d)  $-5$

### 10. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की प्रादेशिक समष्टि का कारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहाँ पर खनिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- \* (b) बर्मा की अधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।
- (c) यहाँ खेच बन संपदा है।
- (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

### 11. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद अनुयायियों की संख्या बहुत थी।
- (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और भावधर से पूर्ण धर्म था।
- \* (c) ब्राह्मणवाद के प्रभुत्व के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न वशाओं को प्रकट करने के स्कार निर्धारित थे।

### 12. (वर्धन)

निम्नलिखित में से निरीम्बरवादी दर्शन समूह कौन-सा है ?

- (a) बौद्ध, व्यास, चार्वाक, सीमांत
- (b) व्यास, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) प्रह्लाद, बंदात, सांख्य, चार्वाक योग
- \* (d) बौद्ध, सांख्य, सीमांत, चार्वाक

### 13. (राजनीति विज्ञान)

'वर्तमान प्रतिनिधित्व' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- \* (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

## 14. (मनोविज्ञान)

संस्कृति की प्रगति किम्बलिखित में से किय को निर्दिष्ट करती है ?

(a) संस्कृति संबंधी आवश्यकता में वृद्धि

\* (b) भाषात्मक व्यवस्था में स्थिरता

(c) व्यावहारिक अग्रिम

(d) पक्षपात पूर्ण अग्रिम

(b) सुमाछूत कम हुई है।

(c) संश्लिष्ट वर्गों के लोगों को प्रोत्साहित का लाभ मिला है।

(d) जन साक्षरता में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

## 15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है ?

\* (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों की औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नों (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th March 1982

No. A. 32014/1/82-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period for which promoted
1.	Vijay Bhalla	1-3-82 to 2-6-82
2.	C.L. Sharma	1-3-82 to 31-5-82.
3.	V. P. Kapal	1-3-82 and 3-3-82 to 2-6-82.
4.	R. K. Gaur	2-2-82 to 27-2-82 and 3-3-82 to 2-5-82
5.	K. G. Nair	1-3-82 to 8-4-82.

2. S/Shri K.P. Sen and B.C. Gupta, who were earlier promoted as Section Officers upto 1-3-82, stand reverted as Assistants with effect from 23-2-82.

The 23rd March 1982

No. 11016/1/81-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Section officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officers on ad-hoc basis in the Office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	Yoginder Nath	3-3-82 to 2-6-82
2.	D. R. Madan	3-3-82 to 2-6-82
3.	Ved Parkash	3-3-82 to 2-6-82

2. The above Officers shall draw special pay @ Rs. 75/- per month in terms of D. O. P. & A. R. O. M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11th December 1975.

The 27th March 1982

No. P/2077-Admn.III.—Consequent on his having been nominated to Union Public Service Commission for appointment as Section Officer on the basis of Combined Limited Departmental Competitive Examination 1979 vide D.O.P. & A.R. O.M. No. 5/61/80-CS (J) Vol. III dated 17th February 1982, the President is pleased to grant to Shri Anil Kumar, Assistant of the office of Union Public Service Commission, presently on deputation in Rural Electrification Corporation, pro-forma promotion to the post of Section Officer with effect from 17th February 1982 until further orders.

The appointment shall be subject to the results of the C.W.P. No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

Y. R. GANDHI,  
Under Secy. (Admn.).  
Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 21st April 1982

No. A-19021/3/81-AD.V. —The President is pleased to appoint Shri K. Chakravarthi, IPS (GJ-1965) to officiate as Deputy Inspector Genl. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 16th April, 1982 until further orders.

The 23rd April 1982

No. A-19035/1/81-AD.V.—Shri S. Ramamoorthy, Crime Assistant, CBI is promoted to officiate as Office Supdt. on ad-hoc basis in AD-V Section of CBI: Head Office with effect from 19-4-1982 (Afternoon), to 18-6-1982 vice Shri S. B. Lal Sharma, Office Superintendent proceeded on leave.

R. S. NAGPAL,  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation.

## DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110066, the 21st April 1982

No. O.II-1753/82-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri K. S. Bajwa, an IPS Officer of Union Territory, as DIG in the CRPF.

2. Shri K. S. Bajwa, IPS (UTs-1962) took over charge of the post of DIG, CRPF, New Delhi in the forenoon of the 3rd April, 1982.

A. K. SURI,  
Assistant Director (Estt.).

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi, the 26th April 1982

No. 10/29-80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the undermentioned officials as Assistant Director (Data Processing) in the Offices as mentioned against their names on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period up-to the 31st August, 1982, on the existing terms and conditions, till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:

Sl. No.	Name of the officials	Office in which working	Prescribed headquarters
1.	Shri O. P. Ahuja	RGI, New Delhi	New Delhi
2.	Shri S. R. Garg	—do—	New Delhi
3.	Shri K.B. Rohtagi	—do—	New Delhi
4.	Shri P. N. Baweja	—do—	New Delh.
5.	Shri R. N. Pongurlekar	DCO, Maharashtra	Bombay.
6.	Shri A. V. Vallinathan	DCO, Tamil Nadu	Madras.
7.	Shri G. D. Aggarwal	DCO, Rajasthan	Jaipur.
8.	Shri G.D. Singla	DCO, U.T. Chandigarh	Chandigarh.
9.	Shri G. C. Mishra	DCO, Bihar	Patna.
10.	Shri M. M. A. Beg	DCO, Uttar Pradesh	Lucknow.
11.	Shri B. M. Patel	DCO, Gujarat	Ahmedabad.
12.	Shri A.G. Oak	DCO, Madhya Pradesh	Bhopal.
13.	Shri R. Y. Revashetti	DCO, Karnataka	Bangalore

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India.

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE  
ACADEMY

Hyderabad 500252, the 24th April 1982

No. 15011/11/78-Estt.—Consequent on his selection as Commandant, in C.I.S.F. Unit, Visakhapatnam Port Trust, on deputation basis Shri L. David, IPS (Assam and Meghalaya—1967) relinquished charge of the post of Assistant Director in the Academy on the Afternoon of 24-4-1982.

P. D. MALAVTYA,  
Incharge-Director.



## MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

## INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 19th April 1982

No. 2493/A.—In continuation of Notification No. 522/A dated 9-6-81 the ad-hoc appointment of Shri R. Venkataraman, as Administrative Officer on deputation in India Security Press, is extended upto 31-3-82 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM,  
General Manager,  
India Security Press.

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE

## CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 20th April 1982

No. AN/1/1704/5/1.—Consequent on his permanent absorption in Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore, Shri C. V. NAGENDRA, an officer of the Indian Defence Accounts Service, has been struck off the strength of this Department with effect from 19th January, 1982 (AN).

The 23rd April 1982

No. AN/1/1403/4/Vol. II.—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700-1300) of the regular cadre of the Indian-defence Accounts Service on ad-hoc basis for a period of six months as noted against each:—

Sl. No.	Name	Date from which promotion has been granted.
S/Shri		
1.	C. R. Majumdar	28-08-81
2.	J. M. L. Sharma	05-08-81
3.	Shyamal Deb	14-08-81
4.	B. Narayana Rao	05-08-81
5.	K.L. Makin	28-09-81
6.	C. Suryanarayana	21-09-81
7.	A. Janakiraman	03-08-81
8.	P. K. Saigal	17-08-81
9.	V. Sampath	20-08-81
10.	D.K. Kar	04-08-81

R. K. MATHUR

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

## MINISTRY OF DEFENCE

## ORDNANCE FY. BOARD

## D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-69, the 13th April 1982

No. 5/82/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Amalendu Chakraborty, Steno Gr.B./Sr.PA as Steno Gr. 'A'/P.S. (Group 'B' Gazetted) in offg. capacity, in an existing vacancy from 1-4-82 until further orders.

C. S. GOURISHANKARAN,  
Member/Personnel  
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 19th April 1982

No. 16/G/82.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as offg. Dy. Manager/DAD(GOF) with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri K. K. Patkar, AM(Prob)—31st Dec., 1981.
- (2) Shri S. P. Yadav, AM(Prob)—31st Dec., 1981.

- (3) Shri Priya Ranjan, AM(Prob)—31st Dec., 1981.
- (4) Shri J. Seetha Ram, AM(Prob)—31st Dec., 1981.
- (5) Shri S. K. Das, AM(Prob)—31st Dec., 1981.
- (6) Shri J. B. Roy, Ty. AM.—31st Dec., 1981.
- (7) Shri B. S. Chaudhury, Ty. AM.—31st Dec. 1981.
- (8) Shri S. K. Dubey, AM(Prob)—31st Dec., 1981.
- (9) Ku. S. Ramanand, AM(Prob)—31st Dec., 1981.
- (10) Shri N. Sundara Pandian, AM(Prob)—31st Dec., 1981.

No. 17/G/82.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officer as Offg. Asstt. Manager with effect from the date shown against him:—

Shri M. R. Sugathan, Offg. Foreman—12th Jan., 1982.

V. K. MEHTA,  
Asstt. Director General Ordnance Fys.

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 22nd April 1982

No. 2048D/A-19012(4-JS)/64-19B.—Shri Joginder Singh, Driller, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from the 30th November 1981 (afternoon).

No. 2074D/A-32013(AO)/89-19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri P. K. Roy Safai	2-3-1982 (FN)
2.	Shri G. L. Chatterjee	4-3-1982 (FN)
3.	Shri Radha Raman Das	8-3-1982 (FN)
4.	Shri K. C. Venkateswaran	10-3-1982 (FN)
5.	Shri V. P. Malhotra	11-3-1982 (FN)

No. 286/B/50/66(KR)/19B.—Consequent on his permanent absorption to M.E.C. Ltd. with effect from 23-4-77 (F.N.) Shri K. R. Krishnan, Shift Boss, G.S.J., resigned from the post of Shift Boss of this Deptt. w.e.f. the same date. His lien to the permanent post of Shift Boss of this Deptt. is also terminated w.e.f. 23-4-77(F.N.)

J. SWAMI NATH,  
Director General

## SURVEY OF INDIA

## SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 22nd April 1982

No. E1-5807/579-Sel.74(CI.II).—Shri J. M. Sharma, Geodetic Computer who was appointed to officiate as Officer Surveyor on ad-hoc basis vide Notification No. E1-5072/579-Sel.74(CI.II) dated 7-5-1976 is now appointed to officiate as Officer Surveyor in Group 'B' Service on regular basis against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28th January, 1981.

No. C-5808/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office (now on deputation as Map Curator), is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad hoc basis, in Eastern Circle, Survey of India, Calcutta in the scale of

pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 27th February, 1982 (AN) vice Shri M.S.S. Parte, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave.

No. C-5809/718-A.—Shri N. Ramaswami, officiating Office Superintendent (Sr. Scale), C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad hoc* basis in Research and Development Directorate, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st March, 1982 (F.N.).

G. C. AGARWAL,  
Brigadier, Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st April 1982

No. 2/14/67-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C. L. Nagri, Accountant, Radio Kashmir, Srinagar to officiate as Administrative Officer on an *ad-hoc* basis at Radio Kashmir, Srinagar with effect from 31-3-1982(FN).

H. N. BISWAS,  
Dy. Director Admn.  
for Director General

New Delhi-1, the 23rd April 1982

No. 4(35)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Achala Nagar as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 12th March, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(38)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. D. Vashishtha as Programme Executive, All India Radio, Suratgarh in a temporary capacity with effect from the 2nd March, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(42)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Brij Mohan Gupta as Programme Executive, All India Radio, Ambikapur in a temporary capacity with effect from the 18th January, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(52)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri A. K. Gupta, as Programme Executive, All India Radio, Jabalpur in a temporary capacity with effect from the 4th February, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(60)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Indira Yesupriya Gajraj as Programme Executive in AIR, Bangalore in a temporary capacity with effect from the 4th February, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL,  
Dy. Director of Admn.  
for Director General

#### DIRECTOR GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th April 1982

No. A.19018/5/80-CGHS.I.—On his transfer from C.G.H.S. Delhi Dr. Surya Nath assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under Central Govt. Health Scheme, Meerut on the forenoon of 1-1-1982.

The 23rd April 1982

No. A.19018/16/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Surbala Obeja to the post of Ayurvedic Physician in the Central

Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 1st January, 1982.

T. S. RAO,  
Dy. Director Admn. (CGHS.I.)

New Delhi, the 24th April 1982

No. A-12025/28/79(JIP).DMN.I.—The President is pleased to appoint Dr. Naresh Chandra Singal to the post of Professor of Dentistry at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of 23rd March, 1982, in a temporary capacity and until further orders.

No. A.38012/4/81(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri A. S. R. Sharma, Statistical Officer in the Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of the 31st January, 1982

T. C. JAIN,  
Dy. Director Admn. (O&M)

#### MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

##### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th April 1982

No. A-39013/1/81-A.III.—The resignation tendered by Shri M. A. Hasan from the post of Asstt. Marketing Officer in this Directorate has been accepted w.e.f. 22-11-1981 (A.N.), by the Competent Authority.

The 20th April 1982

No. A-19025/21/78-A.III.—Shri T. G. Shahani, Asstt. Marketing Officer (Under Suspension) was removed from service w.e.f. 1-7-1978(F.N.).

2. On appeal preferred by Shri T. G. Shahani to the President of India on 14-8-1978 against the order of removal from service, the President set aside the orders removing him from service and remitted the case to the Agricultural Marketing Adviser, with certain directions. Accordingly the Agricultural Marketing Adviser re-instated Shri T. G. Shahani in service and ordered Shri Shahani's suspension be deemed to have continued.

3. After the compliance with the directions and procedure, Shri T. G. Shahani has now been removed from service in accordance with the Rules referred to above with effect from the forenoon of 17-3-1982.

No. A-19025/2/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri S. J. Kamble, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer in this Directorate w.e.f. 18-3-1982 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIHAR,  
Director of Admn.  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Govt. of India

#### FOREST SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 20th April 1982

No. 4-1/79-Adm.—Shri H. N. Sharma, Assistant of the Ministry of Communication who was working as Assistant Director (Administration) in Forest Survey of India, Dehra Dun on deputation basis, has been relieved of his duties from Forest Survey of India, Dehradun w.e.f. the afternoon of 12th April, 1982 and his services have been replaced at the disposal of the Ministry of Communication.

A. B. CHAUDHURI,  
Director

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

##### PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 31st March 1982

Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the following officials to officiate as

Security Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period indicated against each.

S. No.	Name	Present designation	Period	
			From	To
1.	Shri Govindaswamy Dakshinamoorthy	Asstt. Security Officer (SG)	14-1-82	26-2-82
2.	Shri Vaidyanathan Krishna Murthy	Asstt. Security Officer	28-12-81	12-2-82

A. SANTHAKUMARA MENON  
Dy. Establishment Officer

Bombay 400 085, the 14th April 1982

No. K/273/Fstt.II/1391.—Consequent on her transfer to Power Project Engineering Division, Bombay, Smt. Manik Mukund Karnik, Accounts Officer-II, PREFRE, BARC, Tarapur, relinquished charge of her post in this Research Centre with effect from the forenoon of February 24, 1982.

Kum. H. B. VIJAYAKAR,  
Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

##### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 20th April 1982

No. Ref. 05052/82/1312.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Mohan Lal Varma a semi-permanent Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Project (Talcher) w.e.f. February 12, 1982 (FN) in a temporary capacity until further orders.

The 26th April 1982

No. Ref. 05000/E-8/1388.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vendrappillil Varghese Elias, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant of Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office) w.e.f. April 14, 1982 (FN) in a temporary capacity until further orders.

R. C. KOTTANKAR,  
Admn. Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane, the 16th April 1982

No. TAPP/2/1246/76.—Consequent upon his transfer to Kakrapar Atomic Power Project, Kakrapar, Shri K. Balakrishnan, a permanent Stenographer in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Personnel Officer in this Power Station has relinquished charge of the post of Assistant Personnel Officer in the afternoon of April 5, 1982.

P. UNNIKRISHNAN  
Chief Administrative Officer.

#### DEPARTMENT OF SPACF

##### VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 19th April 1982

No. VSSC/EST/A/82.—The Director, VSS hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer SB in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department -

Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further orders :—

Sl. No.	Name	Division	Date of appointment
1.	Shri T. G. Sudhakara Rao	ELS	1981 11 13
2.	Shri B. Ranganath	CGD	1981 11 13
3.	Shri J. Jayakumar	EMD	1982 01 07
4.	Shri Manohar Singh	PFC	1982 03 31

K. P. R. MENON,  
Admn. Officer (EST)

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 22nd April 1982

No. A.38019/1/E.I.—The undermentioned officers of India Meteorological Department retired from the Government service with effect from 31-3-1982 on attaining the age of superannuation.

S.No.	Name	Designation
1.	Shri K. Sethumadhavan	Meteorologist Grade I
2.	Shri B. N. Karmakar	Assistant Meteorologist

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th April 1982

No. A-32013/9/82-E.I.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Prabhala, Deputy Director (Equipment) to the grade of Director of Equipment at Headquarters on an ad hoc basis during the period from 3-4-1982 (FN) to 3-7-82 (AN) in the leave vacancy of Shri S. Venkaswamy.

The 20th April 1982

No. A.35018/6/79-EI(Pt.).—The President is pleased to appoint on deputation, Shri S. K. Iyengar, I.P.S. (MH : 1966) to the post of Assistant Director (Security) (Pay Scale : Rs. 1200-1800/- plus Rs. 300/- Special pay per month) in the Civil Aviation Organisation of the Ministry of Tourism & Civil Aviation with effect from 7-4-1982 (FN) for a period of one year.

S. GUPTA,  
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 19th April 1982

No. A.32013/7, 81-EW.—The President is pleased to appoint Shri Harbans Singh, Assistant Director of Equipment to the grade of Deputy Director of Equipment in the scale of Rs. 1500-60-1800 on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 30th March, 1982 for a period of six months or till regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

2. The ad hoc appointment of Shri Harbans Singh as Deputy Director of Equipment, shall not bestow on him a claim for regular appointment to the grade and the service so rendered on ad hoc basis will neither count for seniority in the grade nor to eligibility for promotion to the next higher grade.

3. Shri Harbans Singh is posted at E.&M. Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

F. I. TRFSSLOR,  
Assistant Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 17th April 1982

No. 1/213/82-Est.—Shri A. D'Sales, Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay retired from service, with effect from the afternoon of the 31st March, 1982, on attaining the age of superannuation.

H. L. MALHOTRA,  
Deputy Director (Admn.)  
for Director General.

## CENTRAL WATER POWER COMMISSION

New Delhi-110066, the 26th April 1982

No. A-19012/986 82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. Sundramurthi, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35 810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 22nd February, 1982.

A. BHATTACHARYA,  
Under Secretary  
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Unique Bharat Motor Finance Private Limited*

New Delhi, the 8th April 1982

No. 3594/5735.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Unique Bharat Motor Finance Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Malwa Pesticides Industries Private Limited*

Gwalior-474009, the 22nd April 1982

No. 1266/BSY/82/101.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Malwa Pesticides Industries Private Limited has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA,  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Jal P. Cassad and Son Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 24th April 1982

No. 628/10645/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jal P. Cassad and Son Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN,  
Addl. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. KEMP Sons Private Limited*

Bangalore, 26th April 1982

No. 1806/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. KEMP Sons Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Sahnaz Private Ltd.*

Bangalore, the 26th April 1982

No. 2324/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sal Naz Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Savitri Vanijya Private Ltd.*

Bangalore, the 26th April 1982

No. 1556/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Pramod Sugar Industries Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s Savitri Vanijya Private Ltd.*

Bangalore, the 26th April 1982

No. 3301/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Savitri Vanijya Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI,  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore.

Chandigarh, the 23rd April 1982

No. G/STAT/560/1047/102.—Whereas M/s. Hindustan Exchange Limited (In Liquidation) having its registered office Amritsar is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting in the affairs of the company have been completely wound up, and that — (return) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-Section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that the expiration of three months from the date of this notice the name of Ms. Hindustan Exchange Limited (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

N. N. MAULIK  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Chunnifal S/o Gopalji Suthar,  
R/o Vill. Panod, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Govind S/o Rajaramji,  
R/o Vill. Musakheri,  
Indore. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2455.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 4 situated at Vill. Panod, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—66GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 4 situated at Vill. Panod, Teh. Indore-Rekba-02.044.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated : 8-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chunnailal S/o Gopalji Suthar,  
R/o Vill. Panod, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxminarayan S/o Rajaramji,  
R/o Vill. Musakhedi, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2456.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Kh. No. 5 situated at Vill. Panod, Indore.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said in-  
strument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 5 at Vill. Panod, Teh. Indore. Rekba-2.042.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri Chunnilal S/o Gopalji  
R/o Vill. Panod, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramlal S/o Rajaram,  
R/o Vill. Panod, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2457.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 4 situated at Vill. Panod, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-8-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 4 at Vill. Panod, Indore. Rekba-2.004.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2458.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. Land Kh. No. 27 situated at Vill. Lasudiyamori Tehsil, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parvatibai W/o Mannu Bhaiya,  
R/o Village, Lasudiyamori Tehsil, Indore.  
(Transferor)
- (2) (1) Ramendra S/o Girdharlalji Gangarade  
(2) Ramchandra S/o Kewalramji  
(3) Pushpadevi D/o Ramchandrajji  
(4) Hari S/o Peeramalji  
(5) Smt. Jamna W/o Shankerlalji,  
R/o Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 27 at Vill. Lasudiyamori, Indore-measurement 1.75 Acre.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range

Date : 3-4-1982.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2459.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land Kh. No. 27 situated at Lasudiyamori Tehsil, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parvatibai W/o Mannu Bhaiya,  
R/o Village : Lasudiyamori Tehsil, Indore.  
(Transferor)
- (2) (1) S/Shri Sohan Prakash S/o Chaganlal  
(2) Manoj S/o Ramesh  
(3) Radhey Shyam S/o Chaganlal  
(4) Shyam Sunder S/o Chaganlal  
(5) Bhudev S/o Chaganlal, R/o Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land at Lasudiyamori of Teh. Indore—2 acres Kh. No. 27.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2460.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Agrl. land Kh. No. 27 situated at Lasudiyamori, Teh. Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parvatibai W/o Mannu Bhaiya,  
R/o Village Lasudiyamori, Tehsil Indore.  
(Transferor)
- (2) (1) S/Shri Leeladhar S/o Narainji Paliwal  
(2) Naresh S/o Narainji Paliwal  
(3) Suresh S/o Narainji Paliwal  
(4) Smt. Leelabai Wd/o Shankerlalji,  
(5) Smt. Meera Bai D/o Shankerlalji,  
R/o Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 27 situated at Vill. Lasudiyamori, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.Date : 3-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2461.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Agrl. land Kh. No. 27 situated at Lasudiyamori, Teh, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Parvatibai W/o Mannu Bhaiya,  
R/o Village Lasudiyamori, Tehsil Indore,  
(Transferor)
2. (1) S/Shri Leeladhar S/o Narainji Paliwal  
(2) Naresh S/o Narainji Paliwal  
(3) Suresh S/o Narainji Paliwal  
(4) Smt. Leelabai Wd/o Shankerlalji  
(5) Smt. Meerabai D/o Shankerlalji,  
R/o Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 27 situated at Vill. Lasudiyamori, Indore—measurement 2 Acre.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2462.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land & Shed situated at Vill. Chithavad, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramnarayan S/o Devi Sahai  
Shri Bansidhar S/o Mangilalji,  
R/o Narsingh Tekari, Sanyogithaganj, Indore.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kanta Bai W/o Shri Kailashchandraji Goyal,  
R/o House No. 102, Agrawal Nagar, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Shed situated at Vill. Chithavad, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 8-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2463.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land & Shed situated at Vill. Cithavad, Indore, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25—66GT/82

(1) Shri Ramnarayan S/o Devi Sahai  
Shri Bansidhar S/o Mangilalji,  
R/o Narsingh Tekari, Sanyogithaganj, Indore.  
(Transferor)

(2) Shri Rajkumar S/o Banwarilalji Goyal,  
House No. 49, Janki Nagar, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Shed situated at Vill. Chithavad, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 8-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Savitri Gupta W/o Shri Rajeshwarlal Gupta,  
R/o C-17, Shivaji Nagar, Bhopal. (Transferor)
- (2) (1) Shri Chaturbhuj S/o Sirumaj Pagarani  
(2) Shri Pitambar S/o —do—  
R/o 165, Vishnupuri, Indore. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref No. IAC/ACQ/BPL/2464.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 208 situated at Saket Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-8-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 208 situated at Saket Colony, Indore. Size 50' X 80'—4000 Sq. ft.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2465.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18, House No. 22 situated at Yeshwant Niwas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 18-8-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hosha Rashid W/o Late Mohd. Abdul Rashid, (2) Arshad Rashid S/o Mohd. Abdul Rashid, (3) Smt. Roshanara, Rashid D/o Late Mohd. Abdul Rashid All R/o 22, Yeshwant Niwas Road, Indore. (Transferor)
- (2) (1) Shri Vrindavan Chathwani S/o Jiwandas Chathwani, 27, Yeshwant Niwas Road, Indore (2) Shri Dinesh Surekh, S/o Benigopal Surekh, R/o 18, Val-labhanagar (3) Shri Raghunandan Sureka S/o Shri Benigopal Sureka, R/o Lad Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 18 in House No. 22, Situated at Yeshwant Niwas Road, Indore. Measurement 10,500 Sq. ft.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building, T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2466.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land Survey No. 356/5, 356/6 situated at Vill. Rajoda, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ambar S/o Maheshchandraji Chourasiya, Maheshchandra S/o Shyamsunderji, R/o 8/1, Racecourse Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Sanjay S/o Burkhilal Khatri, Burkhilal S/o Sitaramji, R/o Tamboli, Pipaliya, Teh, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. Land Survey No. 356/5 & 356/6 at Vill. Rajoda, Indore,

2

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building, T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Maheshchandra Shyamsunder Chourasiya,  
8/1, Racecourse Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sunil S/o Burkhilal,  
Burkhilal S/o Sitaramji Khati, R/o Tamboli  
Pipaliya, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ /2467.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land Survey No. 336/2  
situated at Vill. Rajoda, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on 26-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. Land Survey No. 336/2, Rekba—2.411 situated at  
Vill. Rajoda, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building, T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2468.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land Survey No. 356/1 situated at Vill. Rajoda, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Asha Bai w/o Maheshchandra Chourasiya,  
R/o 8/1, Race course Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Burkhilal S/o Sitaramji  
R/o Tamboli, Pipaliya, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. Land Survey No. 356/1 and well and motorpump situated at Vill. Rajoda, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building, T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Seal :

## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2469.—Whereas I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land No. 75 situated at Agresen Nagar, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramchandra S/o Gopal Raoji—Chairman—  
Agrasen Griha Nirman Sahakari Sanstha Ltd.,  
Indore. (Transferor)  
(2) Shri Subhashchandra S/o Shri Sohanlal Sandhvi,  
R/o 24, Hathipala, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 75 situated at Agresen Nagar, Indore—Measurement of Newland 3450 Sq. ft.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building, T.T. Nagar, Bhopal,

Date : 8-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2470.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 297 (portion) situated at Guru Nanak Timber Market No. 1, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pritam Kaur W/o Sardar Kuldeep Singhji 6/2, Pagnis Paiga, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Thakur Veer (2) Prem Prakash S/o Munshiramji Sharma, 129, Guru Nanak Timber Market No. 1, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 297 situated at Guru Nanak Timber Market No. 1, Indore (Southern portion).

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Seal :

## FORM INTS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2471.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of Plot No. 329 situated at Srinagar Extension, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—66GI/82

(1) Shri Yeshwant Murar Choudhary,  
R/o Nehru Nagar, Building No. 5, Room No. 7,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sabir Mhammad Khan S/o Shri Didar Moham-  
mad Khan, R/o 181, Runganj, Jhinsi, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pot. No. 329 at Shrinagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date : 8-4-1982  
Snel :

## FORM ITNS

(1) Shri. Ashok Primlani S/o Shri Narayan Tejunal,  
Primlani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri R. S. S. Nagori, M.I.G. Colony, H.F.C.O. Office,  
Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2472.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 67 situated at Chandralok Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 67, measurement 3727 Sq. ft., at Chandralok Extension (Manishpuri) Near Saket, Indore

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Dhannalalji Arya,  
R/o 10, Jinsi (Ramgaj Main Road) Indore.  
(Transferor)
- (2) Smt. Beera Devi W/o Shri Shyamdasji Juneja,  
R/o 36/2, Raoji Bazar, Indore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./2473.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 147 situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 25-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 147 at Indore Development Authority Scheme SI, No. 44, Khatiwala Tank, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2474.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3 situated at Bhagirathpura, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satishkumar S/o Keshrimalji Sindhi, Partner Christal Chemical Industries, Indore, R/o Triveni Colony, Lalbagh Compound, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Mahendrakumar S/o Ranjital, Shri Gajanan S/o Rambaboo, R/o Mahatmagandhi Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3 situated at Bhagirathpura, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 8-4-1982  
Seal :



FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Harvanshlal S/o Soudan, R/o 4/25, India House, Campes Corner, Bombay.

(Transferor)

(2) Sm. Rukmani Bai W/o Harnarayan, 135, Sneh Nagar, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP.

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2475.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 98 situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 98, Scheme No. 31 situated at Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal,

Date : 14-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2476.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Survey—No. 1054 situated at Kasba, Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 29-8-1981 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendrasingh S/o Lalsingh Dhabai  
Attorney Tejsingh S/o Shambhusingh,  
R/o Dhabaiwas Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Shetanmal S/o Surajmal Munat Sayar—  
Chabutara, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1054—situated at Kasba Ratlam—measurement 0.030 Rekba.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building I. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2477.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Survey No. 1054 situated at Kasba, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ratlam on 29-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer **and/or**

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendra Singh S/o Lalsingh Dhabai,  
Tejsingh S/o Shambu Singh Dhabai, R/o Mohalla-  
Dhabai Ji Ka Vas, Ratlam. (Transferor)  
(2) Smt. Tejkumari W/o Shantilalji Chailani,  
Dhan Mandi, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1054 a Kasba, Ratlam, 0.030 Rekba.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACO/BPL/2478—Whereas I.D.P. PANTA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Survey No. 1054 situated at Kasba, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 29th August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendrasingh S/o Lalsingh Dhabai, Tejsingh S/o Shambhusinghji Dhabai, R/o Dhabaiji ka Vas, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Harishchandra S/o Dhanroopmalji, Munath Sethiji ke Bazar, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1054—Rekba 0.030—situated at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-4-1982  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/MPL/2479.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Survey No. 1054 situated at Kasba, Ratlam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 29-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendrasingh S/o Lalsinghji Dhabai, Shri Tejasingh S/o Shambhusinghji Dhabai, R/o Mohalla Dhabaiji Ke Vas, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Mangilal S/o Shankarlal ji Yadav, Ratlam (2) Dr. Hari Om S/o Prakashchandrajji Tiwari, Dhan Mandi, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1054 Rekba 0-030, at Kasba, Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor,  
Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 3-4-1982  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2480.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Survey No. 1054 situated at Kasba, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 29-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Mahendra Singh S/o Lalsinghji Dhabai, Shri Teja Singh S/o Shambhu Singhji Dhabhai, R/o Dhabaiji Ke Vas, Ratlam.

(Transferor)

- (2) Smt. Zakira Sultana W/o Imdad Hussainji, R/o Mohalla Station Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1054-Rekba 0-060, situated at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-4-1982  
Seal

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2481.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Survey No. 1054 situated at  
Kasba Ratlam(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
—Ratlam on 29-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Mahendra Singh S/o Lal Singhji Dhabai,  
Sh. Tejsingh S/o Shambhu Singhji Dhabai,  
R/o Mohalla Dhabaiji ke vas, Ratlam.

(Transferor)

(2) 1. Km. Kaniz Arif D/o Nazmuddin Arif,  
2. Asgar Ali S/o Sharaf Ali Arif,  
R/o Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1054-Rekba—0.030—at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2482.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Survey No. 1054 situated at Kasba Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Ratlam on 29-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mahendrasingh S/o Lalsinghji Dhabai, R/o Ratlam, Tejsingh S/o Shambhusinghji Dhabhai, R/o Mohalla, Dhabai ji ke vas, Ratlam. (Transferor)
- (2) Smt. Durga Bai w/o Shriram Adhikari  
2. Smt. Kamlabai W/o Sh. Gopal Prasadji Sharma, R/o Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1054-Rekba 0.030-situated at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-4-1982  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Sh. Khan Ali S/o Fida Hussainji Bohara,  
R/o Mohalla Chandni Chowk, Bakhal, Ratlam.  
(Transferor)
- (2) Sh. Sujanmal S/o Chandmalji Chanodiya,  
Mohalla Sethji ke vas, Ratlam.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2483.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lakherapetha, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 21-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot behind House Mucl. No. 157/158, situated at Lakherapetha, Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2484.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot—Land situated at  
Lakharpeetha, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 21-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Khanali S/o Fidahussainji  
Bohara, R/o Chandani Chowk, Bohara Bakhai,  
Ratlam. (Transferor)
- (2) Sh. Sujanmal Chandamal Chanddiya  
R/o Sethji Ka Vas, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot—Land at Mohalla, Lakharpeetha—Behind House No. 157/158, Area 263.90 Sq. m.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Gafoor Khan S/o Moula Bux Scrani,  
R/o Seranipura, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shriram Investment Corporation Through  
Partner Indernarayan S/o Sukhlalji,  
Gosala Road, Ratlam. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2485.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 1109/219 situated at Kusba Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 20-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Kh. No. 1109/219 situated at Kusba-Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2486.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Plot situated at  
Mhow-Neemuch Road, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 14-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Birendrakumar S/o Sunder Singh ji Jain,  
Tripaliya Darwaza, Ratlam. (Transferor)
- (2) Sh. Johar Ali 2. Mazhar Ali 3. Mustafa 4. Yusuf Ali All Minors S/o Hakimuddin S/o Abbas Bhai 5. Mohammad Ali 6. Yunus 7. Sabir Ali Through Father Nazimuddin S/o Abbas Bhai, Mhow-Neemuch Road, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Plot situated at Mhow-Neemuch Road, Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 8-4-82  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Yunus Khan S/o Ghafoor Khan 2. Mobin  
3. Sadik Ahmad S/o Shakur Khan, Shamsheer  
Khan, Seranipura.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (2) Shriram Investment Corporation Through  
Partner-Indernarainji & Sukhlalji Jhalani,  
R/o Gosala Road, Ratlam.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/2487.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land No. 1109/9 situated at  
Kasba Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ratlam on 20-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land No. 1109/9 situated at Kasba Ratlam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
28—66GI/82

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 14-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/2488.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. 32 situated at Madhonagar, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 21-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Shambhudayal Pathak  
S/o Sh. Ramdayalji Pathak,  
R/o Nijatpura, Ujjain.

(Transferor)

- (2) Sh. Nirmalkumar S/o Pannalaji Surena,  
R/o Chatri Chowk Bazar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House Municipal No. 32 situated at Ghanta-ghar Chowk, Madhonagar, Ujjain.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 3-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2489.—Whereas, I,  
D. P. PANTA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

House No. 4/1157, New No. 66, situated at  
Khara Kuva, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ujjain on 27-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 26D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sh. Boolchand 2. Kishanchand 3. Prataprai S/o  
Leemumal 4. Smt. Chandrakala Bai Wd/o  
Sadhuram 5. Parvati Bai W/o Shobharamji 6.  
Smt. Vishni Bai W/o Madhavdas, All R/o  
Khara Kuva, Ujjain.

(Transferor)

(2) Sh. Fazal Hussain S/o Gulam Ali Bhai,  
R/o Khara Kuva, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 4/1157, New No. 66, situated at Khara Kuva,  
Ujjain.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 30-3-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th April 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2490.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2/649 situated at  
Indore Darwaza, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 21-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mohsinali S/o Haji Ibrahim Bhai  
R/o 234, Gol Mandi Bakhal, Ujjain.

(Transferor)

(2) Sh. Karamsi Bhai S/o Veersi Bhai Shah,  
R/o Keshavnagar Colony, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2/649 situated at Near Railway Gate, Indore Gate, Ujjain.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, BhopalDated : 7-4-82  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sh. Mohsin Ali S/o Haji Ibrahim Bhai Kanchwale,  
R/o 234, Gol Mandi Bakhal, Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Shanta Bai W/o Karamsi Bhai  
R/o Keshavnagar Colony, Ujjain.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2491.—Whereas, I,  
D. P. PANTAbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingHouse No. 2/649 (Portion) situated at  
Indore Darwaza, Ujjain(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Ujjain on 21-8-81for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2/649 (portion) situated at Indore Darwaza,  
Near Railway Gate, Ujjain.

D. P. PANTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 7-4-82

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2492.—Whereas, I,  
D. P. PANTAbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.House No. 2/1425, New No. 71 (Portion)  
situated at Sarafa Ujjain (and more fully described  
in the schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office  
of the Registering Officer at Ujjain on 31st August, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 26D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Sh. Harilal S/o Kanhaiyalal Vankada 2, Balkrishna  
S/o Ramchand 3, Suraj Bai Wd/o Ramchandra &  
Radheshyam, Gopal, Omprakash, S/o Harilal, R/o  
Ujjain.

(Transferor)

- (2) Smt. Kanchan Bai W/o Sh. Anandlalji Maheshwari,  
Deshara Maiden, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of house No. 2/1425, New No. 71 (Ground floor)  
situated at Gopalmandir Marg, Sarafa, Ujjain.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 30-3-82  
Seal :

## FORM HNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2493.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2/1425, New No. 71 situated at Sarafa, Ujjain and more

fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Ujjain on 31-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harilal S/o Kanhaiyalal Bankeda 2. Balkrishna S/o Ramchandra 3. Suraj Bai Wd/o Ramchandra, Radheyshyam, Gopal, Omprakash S/o Harilal, R/o Ujjain.

(Transferor)

- (2) Sh. Ajaykumar S/o Anandlalji Maheshwari, R/o Deshara Maiden, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House No. 2/1425 (new No. 71), First and Second Floor situated at Gopal Mandir Road, Sarafa, Ujjain.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 30-3-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2494.—Whereas, I,  
D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 932 situated at Khatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Indore on 11-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Maheshchandra S/o Amarlal Nigam (I.P.S.)  
Add. Supdt. of Police, Koti Palace, Ujjain.  
(Transferor)
- (2) Sh. Shantilal Nathulalji Maheshwari,  
Bagh, Dhar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 932 situated at Khatiwala Tank, Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 8-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2495.—Whereas, I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House on portion of Plot No. 127 situated at Narsingh Nagar, Rauzi Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—66GI/82

- (1) Smt. Gurdayal Kaur Wd/o Sardarsingh,  
R/o 1810, Narsingh Nagar, Ranzi Ward,  
Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Anuradha W/o Dorai Swamy Mudliar,  
R/o 1810, Narsingh Nagar, Ranzi Ward,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

House No. 1810, situated on plot No. 127 situated at Narsingh Nagar, Ranzi Ward, Jabalpur—Area 2400 Sq. ft. Sq. ft.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 1-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2496.—Whereas, I,

D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bungalow No. 169/459, situated at South Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kum. Leelawati Violet Manorama Kumari,  
D/o P. N. Laxman Rao,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Balram Segar S/o Ramlal,  
Narbada Road, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 169/459 at South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 1-4-1982

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2497.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 472, 473 and 474 situated at Kotwali Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jabalpur on 13-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri Ramesh Kumar  
S/o Late Shri Ramdulare Saraf,  
R/o Sarafa Ward, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) 1. Premadevi W/o Pt. Jainarain Mishra  
2. Jaiharan Mishra  
3. Jai Balram Mishra  
4. Vijaykumar Mishra  
5. Ashokkumar Mishra  
6. Shrikant Mishra S/o Pt. Jainarain Mishra  
All S/o Jainarain Mishra,  
Niward Ganj, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kachha House No. 472, 473 & 474 (East portion) situated at Kotwali Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 1-4-1982  
Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2498.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Land and House No. 776 (portion), Plot No. 20/2  
situated at Napier Town, Jabalpur(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jabalpur on 30-8-1981for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefore by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Savitri Devi Wd/o Rochiram  
2. Chanderlal  
3. Lalchand  
4. Narayandas,  
All S/o Late Shri Rochiram,  
926, Bedi Omti, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Syed Maksood Ali S/o Hukumat Ali,  
548, Choti Omti, Bharthipur Ward,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and part of the house No. 776, Napier Town, Jabal-  
pur—Plot No. 20/2, Block No. 1. This property has been  
mentioned in the form No. 37-G verified by Shri Syed Maq-  
sood, transferee on 30-8-1981.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2499.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingLand and Part of House No. 776, Plot No. 20/2  
situated at Napier Town, Jabalpur  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jabalpur on 30-8-1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Savitri Devi Wd/o Rochiram  
2. Chanderlal  
3. Lalchand  
4. Narayan Das,  
All S/o Late Shri Rochiram,  
926, Bedi Omti, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) 1. Subban B.  
2. Shabir Ahmed  
3. Saleem Ahmed  
4. Jameel Ahmed  
5. Hakim Ahmed,  
898, Naya Mohalla, Marhathal Ward,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and a part of the house No. 776, Napier Town,  
Jabalpur—Plot No. 20/2, Block No. 1 This is the property  
mentioned in the form No. 37-G verified by Shri Shabber  
Armed, transferee and the document for the transfer of  
which according to the information furnished in form No.  
37-G was registered in the Office of the Registering Officer  
in August 1981.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. IAC/ACQIBPL/2500.—Where, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Portion of House No. 731 situated at  
Subhash Nagar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jabalpur on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Shashiprabha Jain  
W/o Shri Uttamchand Jain,  
Narsingh Building, Gol Bazar,  
Jabalpur,

(Transferor)

(2) Shri Subhashchandra Jain &  
Shri Prabhat Chand Jain,  
766, Kiran Villa, Agrawal Colony,  
Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House No. 731 situated at Marhathal—Ward  
No. 16, Subhash Nagar, Jabalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/2501.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of House No 731 situated at Subhash Nagar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Uttamchand Jain Engineer,  
Narsingh Building, Gol Bazar,  
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramchand Jain &  
Smt. Shrikanta Jain,  
766, Kiran Villa, Agrawal Colony,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of House No. 731 situated at Marhathal—Ward No. 16, Subhash Nagar, Jabalpur.

D. P. PANTA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-3-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2502.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
House Unit No. 3, Sheet No. 93, Plot No. 73/2 and 75/4  
situated at Kewara Munda, Jagdalpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jagdalpur on 26-8-1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) K. Bhasakar Rao  
S/o Late Shri K. Narayan Murthy  
Kewara Munda Ward,  
Jagdalpur.

(Transferor)

(2) Shri Purshottam Motiwala  
S/o Late Shri Premji Motiwala,  
R/o Kewara Munda Ward,  
Jagdalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Unit No. 3, Sheet No. 93, Plot No. 73/2 & 75/4,  
at Munda, Ward, Jagdalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2503.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 5, situated at Kewara Munda Ward, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jagdalpur on 24-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30—66G1/82

(1) K. Bhaskar Rao  
S/o Late Shri K. Narayan Murthy  
Murthy Line,  
Jagdalpur.

(Transferor)

(2) Shri K. Baburao  
S/o Late K. Narsingh Rao, Adocate,  
Jagdalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 5, Murthy Line, S. Block, Sheet No. 93 Plots 73/2 and 75/4 situated at Kewara Munda Ward, Jagdalpur—measurement 1130 Sq. ft.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX Act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2504.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Pacca House at Plot No. 73/2, 75/4 situated at Kewara Munda Ward, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 24-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Bhaskar Rao  
S/o Late Shri K. Narayan Murthy  
Kewara Munda Ward,  
Jagdalpur, Bastar.

(Transferor)

(2) Shri Samir Kumar Ray  
S/o Late Shri C. N. Ray,  
R/o Jagdalpur, Bastar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pacca House Sheet No. 93, Plot No. 73/2, 75/4 at Kewara Munda Ward, Jagdalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2505.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 4, Sheet No. 93, situated at Kewara Munda Ward, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 24-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Bhaskar Rao  
S/o Late Shri K. Narayan Murthy  
Murthy Line,  
Jagdalpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Desari Rukmaniamma  
W/o Late Shri Venkatramgain,  
R/o Jagdalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 4, Sheet No. 93, Plot No. 73/2, 75/4, situated at Kewaramunda Ward, Jagdalpur—measurement 1209 Sq. ft.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2506.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Plot No. 73/2, 75/4 situated at Kewara Munda Ward, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jagdalpur on 24-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Bhaskar Rao  
S/o Late Shri K. Narayan Murthy  
Jagdalpur, Bastar.

(Transferor)

- (2) Smt Gouri Bagchi W/o Shri Ashok Bagchi,  
Chewara Munda Ward,  
Jagdalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Pucca House (Block) Sheet No. 93, Plot No. 73/2, 75/4, Kewaramunda Ward, Jagdalpur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2507.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingLand, Kh. No. 530/1 situated at Village Seguva, Sevada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Sevada on 10-8-1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Puran Singh Tanya Jeshwantsingh Jhat,  
R/o Seguva, Sevada, Datia.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Khusiram, Rajaram, Raghuvir  
S/o Ramdayal Beghal,  
R/o Jeroi, Teh. Sevada, Datia and  
Ramdas S/o Patram.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 530/1, Rekha 5.82/2.355 situated at Village  
Seguva, Teh. Sevada, Datia.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM INTS...

(1) Shri Virendra Singh S/o Yeshwant Singh Jhat,  
R/o Seguva, Sevada, Datia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Khusiram, Rajaram, Raghuvir  
S/o Ramdayal Beghal,  
R/o Village Jeroli, Sevada, Datia and  
Ramdas S/o Patram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/2540.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Land No. 530/2 situated at Village Seguva, Sevada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sevada on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 530/2—Rekba 5.82/2.355 situated at Village  
Seguva, Teh. Sevada, Datia.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building,  
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Madanlal S/o Narayanji,  
R/o Mohalla Kesar Badi, Shajapur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Dinesh Kumar  
S/o Shivrarnain Rathore,  
Mohalla Oswal Sheri, Shajapur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2508.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

House No. 8 1 situated at Shajapur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Shajapur on 26-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 8/1 at Ward No. 6, Mohalla Naiwada,  
Shajapur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-4-82  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Madanlal S/o Narayanji  
R/o Mohalla—Kesharbadi, Shajapur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shivnarayan S/o Purnamal Rathore  
R/o Oswal Sheri, Shajapur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2509.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of H. No. 8/1 situated at Naibada, Shajapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shajapur on 21-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 8/1 at Naibada—Ward No. 6, Shajapur.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 14-4-82  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2510.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 47/923/2 situated at Mahadik-ki-Goth, Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

31—66GI/82

- (1) Sh. Shrivajirao and Indrajit S/o Shambaji Rao Bhosale, R/o Vill : Hera-Kohlapur-Indrajit. (Transferor)
- (2) Sh. Kailashchandra S/o Raghuvir Singh Jain, Madhovanj Nagar, Lashkar 2. Memodevi W/o Sumath Prasad Jain Through Bhavana Agarbathi-Sarafa Nazar, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 47/923/2 at Mahadik-ki-Goth, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 13-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2511.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. House No. 12 situated at Gole-ka-Mandir, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 31-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vijay Apte W/o Keshav Ganesh Apte, R/o Sudershan Textiles, Kota Rajasthan.

(Transferor)

- (2) Smt. Savitha Gupta W/o Shri Avdakhishore Gupta, R/o Gupta Building, Garam Sadak, Murar Pargana, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mucl. Corporation House No. 12, plot No. 34-A, (Complete) and part of 35 situated at Krishna Nagar, Gole-ka-Mandir, Murar, Gwalior.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 14-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2512.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the competent authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Half portion of Khata No. 146 situated at  
Jaggakedi, Mandsaur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jaggakedi, Mandsaur on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Shivprakash S/o Ramanlalji &  
Ravindrakumar-Minor S/o Ramanlal &  
Ramanlal S/o Motilal, R/o Mandsaur. (Transferor)  
(2) Sh. Syed Mohammad S/o Allaaddin Muselman,  
& Nanni Bai W/o Allaadinji,  
R/o Nayapura, Mandsaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Khata No. 146 (Halfportion) situated at Jaggakedi,  
Mandsaur.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2513.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Jaggakhedi, Mandsaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Shivprakash S/o Ramanlalji  
2. Ravindrakumar-minor-through father  
Shri Ramanlal, S/o Motilal Jaiswal,  
R/o Nayapura, Mandsaur,  
Vanced Ahmed S/o Allauddin 2. Allauddin,  
S/o Madari Khan, Nayapura, Mandsaur.  
Sh. Ramanlal, S/o Motilal Jaiswal,  
R/o Nayapura, Mandsaur.

(Transferor)

- (2) Sh. Vaheed Ahmed S/o Allauddin 2. Allauddin, S/o  
Madari Khan, Nayapura, Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Number 679, 680, 682, 684, 685, 687, 710, 711, 712. Half portion of the total area as mentioned in the Form No. 37G verified by the transferee and all immovable properties covered by the document for transfer in this case.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-4-82  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sh. Wardichand S/o Motilalji Jain,  
Sitamhow.

(Transferor)

(2) Sh. Laxmilal S/o Motilal Jain,  
Sitamhow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2514.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. House at Ward No. 8 situated at  
Sitamhow(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sitamhow on 6-8-81for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pacca House at Ward No. 8, Sitamhow.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2515.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House at ward No. 8 situated at Sitamhow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sitamhow on 6-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Vardichand S/o Motilalji Jain,  
R/o Sitamhow.

(Transferor)

(2) Sh. Chandrakumar S/o Laxmilalji Jain,  
R/o Sitamhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pacca House having 3 rooms at Ward No. 8, Sitamhow.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Meher Taj Sajida Sultan of Bhopal  
Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Dinesh Kumar Jain C/o Rose Carpets  
Jeoni Mandi, Agra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2516.—Whereas, I,

D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Lake land situated at Chiklod,  
Distt. Raisen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lake land situated at Chiklod, Distt. Raisen, which according to the information contained in the form No. 37-G verified by the Transferee Shri Dinesh Kumar Jain measures 52 acres and the document for transfer of which, according to the information contained in the form No. 37-H furnished by the Sub-Registrar, Bombay was registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay during the fortnight ending on 14-8-1981 under registration number R-1333/81 and all immovable properties covered under the aforesaid document.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2517.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lake Land situated at Chiklod, Distt. Raisen, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sh. Meher Taj Sajida Sultan of Bhopal  
Ahmedabad Palace, Bhopal. (Transferor)
- (2) Sh. Suresh Kumar Singh Kasliwal,  
Kalyan Bhavan, Tukoganj, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lake Land situated at Chiklod Distt. Raisen, which according to the information contained in the form No. 37-G verified by the transferee Shri Suresh Kumar Singh Kasliwal measures 52 acres and the document for transfer of which, according to the information contained in the Form No. 37-H furnished by the Sub-Registrar of Bombay, was registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay during the fortnight ending on 14-8-1981 under registration number R-1390/81 and all immovable properties covered under the aforesaid document.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range T. T. Nagar, Bhopal

Date : 3-4-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2518.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lake land situated at  
Chiklod, Distt. Raisen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
32—66GI/82

- (1) Sh. Meher Taj Sajida Sultan of Bhopal  
Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

- (2) Sh. Bhagwan Mauji Thakkar,  
C/o Vijay Packaging Jawahar Indore  
Estate, Muland, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lake land situated at Chiklod Kalan, Distt. Raisen, which according to the information contained in the form No. 37-G verified by the transferee Shri Bhagwan Mauji Thakkar, measures 52 acres and the document for transfer of which, according to the information contained in the form No. 37-H furnished by the Sub-Registrar of Bombay, was registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay during the fortnight ending on 14-8-1981 under Registration number R-1334/81 and all immovable properties covered under the aforesaid document.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 3-4-82  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ./BPL./2519.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lake land situated at  
Chiklod, Distt. Raizen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Bombay on 13-8-81

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sh. Mehar Taj Sajida Sultan of Bhopal  
Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Sh. Devendra Kumar Malavia,  
Maulaka, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lake land situated at Chiklod Kalan, Distt. Raizen, which  
according to the information contained in the form No. 37-G  
verified by the transferee Shri Devendrakumar Malavia mea-  
sures 52 acres and the document for transfer of which accord-  
ing to the information contained in the form No. 37-H fur-  
nished by the Sub-Registrar of Bombay, was registered in the  
office of the Sub-Registrar, Bombay during the fortnight end-  
ing on 14-8-1981 under registration number R-1335/81 and  
all immovable properties covered under the aforesaid docu-  
ment.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 3-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2520.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Lake land situated at  
Chiklod, Distt. Raisen

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Officer at  
Bombay on 13-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the par-  
ties has not been truly stated in the said instrument of trans-  
fer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

- (1) Sh. Meher Taj Sajida Sultan of Bhopal  
Ahmedabad Palace, Bhopal. (Transferor)  
(2) Sh. Vikramaditya J. B. Rana,  
Sailana Kothi, Tukoganj, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice of the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lake land situated at Chiklod Kalan, Distt. Raisen, which  
according to the information contained in the form No. 37-G  
verified by the transferee Shri Vikramaditya J. B. Rana, mea-  
sures 54 acres and the document for transfer of which, ac-  
cording to the information contained in the form No. 37-H  
furnished by the Sub-Registrar of Bombay, was registered in  
the Office of the Sub-Registrar, Bombay during the fortnight  
ending on 14-8-1981 under registration number R-1332/81 and  
all immovable properties covered under the aforesaid docu-  
ment.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 3-4-82  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Meher Taj Sajida Sultan of Bhopal  
Ahmedabad Palace, Bhopal.

(Transferor)

(2) Sh. Shanti Kumar Sethi S/o Late Suraya Narain  
Sethi Hanuman ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th February 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2521.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.Lake Land situated at  
Chiklod, Distt. Raisen'and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(10 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bombay on 13-8-81for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
act, 1957 (27 of 1957):Lake land situated at Chiklod Distt. Raisen, which accord-  
ing to the information contained in the form No. 37-G veri-  
fied by the transferee Shri Shantikumar Sethi measures 54  
Acres and the document for transfer of which according to  
the information contained in the Form No. 37-H furnished  
by the Sub-Registrar of Bombay was registered in the  
Office of the Sub-Registrar, Bombay during the fortnight  
ending on 14-8-1981 under registration number R/1389/81  
and all immovable properties covered under the aforesaid  
document.D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, BhopalNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—Date: 27-2-82  
Seal:



## FORM ITNS—

(1) Sh. Harikrishna Sharma S/o Shri Chintamani  
Sharma, R/o K.M.B. Patankar Bazar,  
Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Agrawal W/o Shri Omprakash  
Agrawal R/o Malvia Nagar, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2522.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section  
269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 9/79 (Portion) situated at  
Malvia Nagar, Bhopal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal on 1-8-81  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 9/79 (Portion) situated at Malvia Nagar, Bhopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Krishna Rani Malik W/o Tilakraj Malik,  
R/o Sajjad Building, Hamidia Road, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Sh. Durga Pd. Sharma S/o Late Shri Raghuvir Prasad Sharma, R/o Paras Building, Station Road, Bhopal.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2523.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 storied House situated at Station Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 13-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

4 Storied House situated at Station Road, Bhopal—total area—750.75 biding.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2524.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 50 situated at Shahpura, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shekhar Mehra S/o A. M. Mehra,  
R/o E-I/109, Arera Colony, Bhopal.  
(Transferor)
- (2) Smt. Padmapuri W/o Sh. Brijrajpur,  
R/o 14, Bhagira Appartment, E-5, Arera Colony,  
Bhopal. 2. Alka Tandon D/o Rajendrakumar.  
19, Shamla Road, Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 50 situated at Shahpura, Bhopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 8-4-82  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2525.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 39 situated at Chawni Vilayathan, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 29-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties to the transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Radha Bai Singhal W/o Ramnarain Singhal Through Ramnarain Singhal S/o Damodarlal Singhal R/o Near Allahabad Bank, Bhopal, and Shankarlal S/o Pyarelal, R/o Pavadipura, Neerwali Sadak, Gali No. 3, Jahangirabad, Bhopal. (Transferor)
- (2) Sh. Ghanshyamdas Agrawal S/o Madhuraprasad Agrawal, R/o Itwara, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 39, situated at Chawni Vilayathan, Bhopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 8-4-82  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2526.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 39 situated at Chavani Vilayatan, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 29-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
33—66G1/82

- (1) Smt. Radha Bai Singhal W/o Shri Ramnarayan Singhal Through Ramnarayan Singh  
S/o Damodarlal Singhal,  
R/o Allahabad Bank, Itwara, Bhopal. (Transferor)
- (2) Smt. Dropadibai W/o Shri Ghanshyamadas Agrawal,  
R/o Mohalla Itwara—Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 39 situated at Chavani Vilayatan, Bhopal.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T.T. Nagar, Bhopal

Date : 8-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2527.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Kh. No. 131, Sheet No. 22, Part of Plot No. 20 situated at Fafadia, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 19-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed or between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jayantilal S/o Jagmal Rathore,  
R/o Phaphadih, Raipur. (Transferor)
- (2) Smt. Gita Parmar W/o Harilal Parmar,  
C/o Ajanta Hotel,  
Phaphadih, Raipur. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 2900 sq. ft. situated on main Road, Kh. No. 131, Sheet No. 22, Part of Plot No. 20 at Phaphadih, Raipur.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated : 27-3-82  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2528.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at  
Chotapara, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 3-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Rudranath S/o Amritlal Dubey  
2. Smt. Kamla Bai W/o Amritlal Dubey  
3. Shivkumar S/o Amritlal Dubey  
R/o Kharsi-Tah : Janjgir-Distt. Bilaspur. (Transferor)
- (2) Sh. Asha Singh W/o Shri Balram Singh Rajput,  
R/o Tilak Nagar, Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Plot situated at Chatapara, Bilaspur.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 1-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2529.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 239 situated at Takhatpur, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 26-8-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Asgar Bhai S/o Solah Bhai Bohra,  
R/o Takhatpur, Bilaspur.  
(Transferor)
- (2) Shri Balwantsingh Bagga, S/o Jawala Singh Sikha  
R/o Takhatpur, Bilaspur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, shops, well and all immovable properties which were transferred by Shri Asgar Bhai to Shri Balwant Singh S/o Jawala Singh, R/o Takhatpur, Distt : Bilaspur, which have been mentioned in the form No. 37-G verified by Shri Balwant Singh, transferee and the document for which according to the information available in form No. 37-H and 37-G were registered in the Office of the Registering Officer on 26-8-1981. Takhatpur Kh. No. 239, P.H. No. 118 Circle Block and R.N.M. Takhatpur Distt : Bilaspur-Kh. No. 556.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 26-3-1982

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 26th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2530.—Whereas I, **D. P. PANTA**, being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 319, 320 situated at Chhindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on 7-9-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Ghewarchand Surana S/o Hiralal Surana  
(2) Dwarkadas Maheshwari S/o Bansidhar Maheshwari.  
(3) Ravishankar Jain S/o and the Successor of late Shri Champalal Jain S/o Premalal  
(4) Pravinchandra Bhatia S/o Brajidas Bhatia;  
All General Merchant R/o Chhindwara.  
(Transferor)
- (2) (1) Manoharlal Rathi S/o Anant Lal Rathi.  
(2) Motilal Jain S/o Fakarchand Jain.  
(3) Mohd. Safi S/o Haji Ali Bux.  
(4) Smt. Kusumlata Patni W/o Shantikumar Patni  
All vendors, R/o Chhindwara.  
(Transeefree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Khasra No. 186 (Area as mentioned in form No. 37-G 7.10 acres) and Khasra No. 187 (area as mentioned in Form No. 37-G 3.71 acres) New Khasra No. 319 (area 6.54 acre— as mentioned in Form No. 37-G) and No. 320 (area 4.27 Acres as mentioned in form No. 37-G), Two wells within the boundary of Village Seoni—Pranmoti S. No. 573 P.C. NP 99/75 Tahsil Chhindwara (at present within Chhindwara Municipal Area) with all buildings, constructions, shades, structures, erections and other installations and fittings and fixtures thereon in a part of Kh. No. 186 and 187 (New Khasra No. 319 and 320).

**D. P. PANTA**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 26-3-1982  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwati Bai Wd/o Chandanilal Bhai Nagpuri,  
R/o Hatta, Balaghat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Chandrabhan S/o Shri Laxminarayan  
Khandelwal Ward No. 10, Balaghat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2531.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Land situated at Ward No. 19 Balaghat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Balaghat on 3-8-1981  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-  
lieve that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
Parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expire later:
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Balaghat Ward No. 19, Teh : Balaghat, D.H. No.  
13/2, Wh. No. 351/5, 351/6 & Well, which is verified by the  
transferee Shri Chandrabhan in form No. 37-G, and registered  
in the Sub-Registrar's office in the month of August 1981.

T. T. Nagar Bhopal.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
4th Floor, Gangotri Building  
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 26-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Manmohanlal, 19/8, New Palasia,  
Behind Rajasthan Bank, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. D. Borkar,  
19/8, New Palasia, Behind Rajasthan Bank,  
Indore.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2532.—Whereas, J

D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H.

No. House No. 19/8 situated at Palasia, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 19/8 situated at New Palasia Indore.

D. P. PANTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1982

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2533.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land So. No. 474 situated at Kasbra Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 26-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanhayalal S/o Kishanji, Gavatipura, Ratlam.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Hathim Bhai S/o Johar Ali Bohra,  
(2) Bapulal Bhagvanji Laha,  
(3) Ramchand S/o Swaroopchand Bohra,  
(4) Pukhraj Bai W/o Hiromatmalji Kothari,  
(5) Nirmala Bai W/o Mahendra Pd. Kothari,  
R/o Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Survey No. 474 situated at Kasba, Ratlam.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 15-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2534.—Whereas, I D. P.

PANTA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Land Kh. No. 148 situated at Khandwa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Khandwa on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chethram Bhai Shrevankumar S/o Motiram Kunbi Patcl, Bombay Bazar, Khandwa, Leela Bai, Shanta Bai, Geeta Bai, Gulab Bai D/o Motiram & Ajudhiya Bai Wd/o Motiram Powar of Attorney Shri Chethram Bhai Shrevankumar, R/o Bombay Bazar, Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Bulakilal S/o Bapasinghji Rajput, R/o Padava Ward, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 148, Rekha—25.70 D. situated at Teh. Khandwa.

D. P. PANTA

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income tax)

Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

34—66GI/82

Date : 14-4-82

Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2535.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot S. No. 225, 228 situated at Aasu Khana Khrud, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 27-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri Ganapatlal S/o Shri Bhuramal Johari  
(2) Kishanlal Johari  
(3) Kesharimal Johari  
(4) Bhagwandas  
(5) Deendayal  
(6) Ghanshyamdas All S/o Ganpatlal Johari, R/o Sarafa, Lashkar, Gwalior, through Power of Attorney Bhagwandas S/o Ganpatlal Johari, Sarafa Bazar, Lashkar, Kwalior-I. (Transferor)  
(2) Sh. Mahendrakumar (2) Rajendra Kumar Minor sons of Shri Nandkishore Gupta, R/o Dal Bazar, Lashkar, Gwalior through Shri Nandkishore Gupta, Chartered Accountant, Dal Bazar, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Plot Survey No. 225, 228 situated at Vill : Ashu hana Khrud, Station Road, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-4-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2536.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1330, 1/1329, 1/1330 situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 21-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Raghunath Singh S/o Kaniramji  
R/o Basla Kurd.

(Transferor)

- (2) Sh. Nathuram S/o Hemaji  
R/o Gram Aboliya Tehl. Depalpur  
Distt. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house Municipal No. 1/1329, 1330 and 1/1330 (part) which is situated at Sirsagar, Nai Sadak, Ujjain.

D. P. PANTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 15-4-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S. ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2537.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 273 situated at Villg. Bavadiya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 20-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Hiralal 2. Ambaram S/o Bopaji Gari 3. Dev Karan S/o Babuji Gafi  
Guardian Matha Bawarbai 4, Bawar Bai Wd/o Babu Gari  
Shantipura Gali No. 1, Dewas (M.P.).  
(Transferor)

(2) Sh. Anupam Grah Nirman Sahakari Sanstha  
Dewas (Hq), Qr. No. 308 Bank Press Colony,  
Dewas (M.P.).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing survey No. 273 is situated at village Bavadiya, Dist. Dewas (M.P.).

D. P. PANTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 15-4-82  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2538.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 273/1 situated at Village Bavadiya  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Dewas on 25-8-81for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Hiralal 2. Abaram S/o Bondaji Gari  
3. Devkaran S/o Babu Gari  
Guardian Mata Bawar Bai 3, Bawari Bai Wd/o  
Babu Gari R/o Shantipura,  
Gali No. 1, Dewas (M.P.).

(Transferor)

- (2) Sh. Anupam Grah Nirman Sahakari Sanstha  
Dewas, M.P. QR. No. 308, Bank Note Press,  
Colony, Dewas (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 and bearing survey No. 273/1 is situated at village: Bava-  
diya, Distt. Dewas (M.P.).

D. P. PANTA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 15-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2539.—Whereas, I,  
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 273/1 situated at Village  
Bavadya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 31-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Hiralal  
2. Sh. Abaram S/o Bondaji Gari  
3. Sh. Devkaran Aggyan S/o Babu Aggyan  
C/o Bawar Bai  
4. Bawar Bhai Gari All R/o Shantipura, Gali  
No. 1, Dewas (M.P.).

(Transferor)

- (2) Anupam Grah Nirman Schakari Sanstha  
Regd. Dewas (Hq) Quarter No. 308, Bank Press,  
Dewas (M.P.).  
Through Om Kumar Vyas, President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing survey No. 273/1 is situated at Village Bavadya Distt. Dewas (M.P.).

D. P. PANTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 15-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Saibalini Roy Chowdhury.

(Transferor)

(2) Smt. Arati Roy Chowdhury.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1060/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 260 situated at N.S.C. Bose Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 13-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 4Ch 36Sft. situated at and being premises No. 269, N.S.C. Bose Road Calcutta.

M. AHMAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1982  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1064/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza Dhapa, P.S. Tollygunge (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                          |              |
|--------------------------|--------------|
| (1) Smt. Motibala Paik.  | (Transferor) |
| (2) Smt. Ranubala Dutta. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 3Ch 36 Sft. situated at Mouza—Dhapa, P.S. Tollygunge. Distt. 24-Parganas.

M. AHMAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 14-4-1982  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Sachindra Nath Chatterjee.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Burdhan &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. TR-144/81-82/Sl.615 IAC/Acq.R-I/Cal.

Whereas, I,  
M. AHMAD,

being the competent authority under Section 268B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

69 situated at Linton Street, Calcutta

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Cal. on 11-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Premises No. 69, Linton Street, Calcutta on land measuring 4K 15Ch. 19 Sft. registered before the R.A., Cal. vide No. I-6764 dated 11-8-81.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—66GI/82

M. AHMAD,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.Date : 14-4-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Smt. Nivarani Devi &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Sh. Arup Kumar Sinha &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. TR-150/81-82/Sl. 612 IAC/Acq.R-I/Cal.

Whereas, J.

M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10 situated at Delhi Entally Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 7-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly one storied and partly two storeyed building at Premises No. 10, Delhi Entally Road, Calcutta on land measuring 7 cottahs 17 Sq. ft. registered before the R.A., Calcutta on 7-8-81 vide No. I-9351.

M. AHMAD.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 14-4-82

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Anjali Khan &amp; others.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kishore Shaw &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. TR-145/81-82/SI.613 IAC/Acq.R-I/Cal.

Whereas, I,  
M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 17-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Brick built dwelling house at Premises No. 149, 149/1, 149A & 149/2, Lenin Sarani, Calcutta and 38/1, 38/2, 38/3, 38/4, 38/5, 38/6 & 38/6A, Nirmal Chandra Street, Calcutta on land measuring 19 cottahs 2 chittacks more or less registered before the R.A. Cal. vide Deed No. 1-6934 on 17-8-81.

M. AHMAD,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 14-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Md. Isha Khan.

(Transferor)

(2) Sh. Abdul Rahim.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. TR-133/81-82/SL614 IAC/Acq.R-I/Cal.

Whereas, I,  
M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 situated at Shariff Lane, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 24-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly two and partly three storeyed building at Premises No. 22, Shariff Lane, Cal. on land measuring 3K 12Ch 30 Sft. registered before the R.A. Cal. vide Deed No. I-7151 on 24-8-81.

M. AHMAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 14-4-82

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Hirendra Kr. Ghosh &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Bibekananda Roy

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1982

Ref. No. 1061/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 149 situated at Rash Behari Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1K 2ch 9 sft. with building situated at 149, Rash Behari Avenue, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1982.  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Dharendra Nath Ghosh &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Krishnasree Banerjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1982

Ref. No. 1062/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 149 situated at Rash Behari Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 12 Ch 28 sft. with building situated at 149, Rash Behari Avenue, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. A. Ahmed Mohideen

(Transferor)

(2) Tutu Mohammed

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1982

Ref. No. 1063/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 35 situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1K. 7 Ch 13 sft. with building situated at 35, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1982.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Amiya Krishna Khan

(Transferor)

(2) C. R. Construction P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1982

Ref. No. 1065/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Minto Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 19 K 4 Ch 15 sft wit building situated at 4, Minto Park, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 16-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Hiranjan Harchand Patil  
Jilha Peth,  
Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Chandraprakash Savlaram Sharma,  
Jilha Peth,  
Near Saibaba Mandir,  
Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Jalgaon/Aug.81/662/82-83.—

Whereas, I. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 2667B/17  
situated at City Jalgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sr. Jalgaon on Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 2667 B/17 situated at City Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2541 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—66GT/82

Date : 15-4-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 15th April 1982.

Ref. No. IAC/CA/SR-Solapur/Aug.81/663/82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 8367/1 1A/1A.1 situated at Solapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sr. Solapur on August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Vishnu Shete,  
24, Bhawani Bhavan,  
Bhawani Shankar Road,  
Dadar,  
Bombay-400 028.

(Transferor)

(2) Sou. Mariyambi Aadamsaheb Bandukwala,  
162/11, Railway Lines,  
Solapur-413 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 8367/1/1A.1A/1 situated at Solapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2195 in the office of the Sub Registrar, Solapur in the month of Aug. 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date: 15-4-1982.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Sou. Sujata Annarao Dhumma,  
Dhumma Vasti, Soregaon Road,  
Solapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ashok Guranna Kashetti.  
2. Shri Ravindra Guranna Kashetti.  
383, South Kasaba,  
Solapur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Solapur/Aug.81/664. 82-83,—  
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
C. S. No. 1479, M. No. 635 situated at North Kasaba,  
Solapur.

karanji Dist. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Sr. Solapur on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 1479, M. No. 635, situated at  
North Kasaba, Solapur.

(Property as described in the sale deed registered under  
document No. 1845 in the Office of the Sub Registrar, Sola-  
pur, in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 15-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
Pune, the 15th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Ulhaspur/Aug.81/665/82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 85/112 (Part) situated at Kulgaon, Tal Ulhasnagar Distt. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Ulhasnagar on Aug. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dadi Gursheetji Driver, & Others 2,  
783, Ready Money Block,  
Dadra, Bombay-400 014.

(Transferor)

- (2) Smt. Zohrabai Haji Sajjad Husein  
Shri Anwar Hussein Sajjad Hussein  
Sitaram Building, Palton Road,  
Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 85/112 (Part) situated at Kulgaon, Tal, Ulhasnagar, Distt. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1945 in the office of the Sub Registrar, Ulhasnagar in the month of Aug. 1981).

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 15-4-1982.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621,  
MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1982

Ref. No. 6/Aug/81.—Whereas, I,  
R. RAVICHANDRAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act)) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. Nos. 682-3, 704, 849, situated at Vilpatti Village, Kodaikanal. (Doc. No. 332/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) C. A. V. Ramasamy,  
S/o C. A. Vellaiya Mestri,  
Vellalar Street,  
Keslavadarai,  
Periakulam Nagar,  
Periakulam T. K.  
Madurai Dt.

(Transferor)

- (2) M/s. Wazith Engineering and  
Trading Private Limited,  
A. A. Block,  
1st Street,  
Annanuagar,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Vilpatti village,  
Kodaikanal.  
(Doc No. 332/81)

R. RAVI CHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621,  
MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1982

Ref. No. 7/August/1981.—Whereas, I,  
R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. Nos. 682-3, 704, 849, situated at Vilpatti Village, Kodaikanal. (Doc. No. 333/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- (1) Shri C. A. V. Chinniah, and  
(2) Smt. Indira Ammal  
Vellalar Street, Keelavadakarai,  
Periakulam Taluk (Madurai Dt.)

(Transferor)

- (2) M.s. Wazith Engineering and Trading Private Ltd.  
A. A. Block, 1st Street,  
Anna Nagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and Building at S. Nos. 682/3, 704 and 849 Vilpatti village, Kodaikanal—Document No. 333/1981).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, Madras 6.

Date : 12-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Anusuya,  
2. M. Thanikachalam,  
3. Devasena,  
13, Eswaran Koil Street,  
Madras-51.

(Transferor)

2. Shamaz Mohamed,  
2. Shamaz Mohamed,  
3. Fathima,  
11. M. R. C. Nagar,  
Santhome High Road,  
Madras-28.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621,  
MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1982

Ref. No. 26/Aug/81.—Whereas, I,  
**R. RAVICHANDRAN,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 14/1C, situated at Erukancheri, Madras (Doc. No. 3807/81)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Sembium, Madras on August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R. S. No. 14/1C, Erukancheri, Madras.

(Doc. No. 3807/81)

**R. RAVICHANDRAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras 6.

Date : 12-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ref. No. 41/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 3841/3-Part, situated at Ennore High Road, Madras, (Doc. No. 1430/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, Madras on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. G. Ethirajulu,  
983, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) N. B. Selvaraj,  
60, Vallalar Street,  
Briakuppam,  
Thiruvallur Taluk,  
Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R.S. No. 38413-Part, Ennore High Road, Madras.  
(Doc. No. 1430/81).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I

Madras-6.

Date : 5-4-1982

Seal :

## FORM ITNS—

(1) K. G. Ethirajulu,  
983, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. Bhuvaneswari,  
60, Vallalar Street, Periakuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAL BUILDING IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ref. No. 42/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. R.S. No. 3841/3-Part, situated at Ennore High Road,  
Madras,  
(Doc. No. 1431/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Royapuram, Madras on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

37—66G1/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publi-  
cation of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R.S. No. 3841/3-Part, Ennore High Road,  
Madras.  
(Doc. No. 1431/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-6

Date : 5-4-1982  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING, II<sup>nd</sup> FLOOR  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ref. No. 43/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 3841/4-Part, situated at Ennore High Road, Madras,

(Doc. No. 1432/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, Madras on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. G. Ethirajulu,  
983, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) A. Devaki,  
60, Vallalar Street, Periakuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R.S. No. 3841/3-Part, Ennore High Road, Madras.  
(Doc. No. 1432/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-6

Date : 5-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAL BUILDING, 11th FLOOR  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Rct. No. 44/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 3841/4-Part, situated at Ennore High Road, Madras, (Doc. No. 1433/81)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Royapuram, Madras on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. G. Ethirajulu,  
983, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

- (2) K. Jayalakshmi,  
60, Valladar Street, Peraikuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R.S. No. 3841/4-Part, Ennore High Road, Madras.  
(Doc. No. 1433/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 3-4-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAL BUILDING FIRD FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ret. No. 45/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 3841/4-Part, situated at Ennore High Road, Madras, (Doc. No. 1434/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. G. Ethirajulu,  
983, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

- (2) B. Saroja Ammal,  
60,, Vallalar Street, Periakuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant Land at R.S. No. 3841/4-Part Ennore High Road, Madras.  
(Doc. No. 1434/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-6

Date : 5-4-1982  
Seal :



## FORM IT.N.S.—

(1) K. G. Ezhirajulu,  
983, Haimarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Thulasi Rangan,  
60, Vallalar Street, Periakuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ref. No. 46/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 3841/4-Part, situated at Ennore High Road, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Royapuram, Madras (Doc No. 1435/81) on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R.S. No. 3841/4-Part, Ennore High Road, Madras.  
(Doc. No. 1435/81).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 5-4-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ref. No. 47/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 3841/5-Part, situated at Ennore High Road, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras (Doc. No. 1436/81) on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) K. G. Bashyam & Others,  
1/10, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

- (2) Shri N. Arjunan,  
60, Vallalar Street, Periakuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant Land at R.S. No. 3841/5-Part, Ennore High Road, Madras.

(Doc. No. 1436/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 5-4-1982  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAL BUILDING IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ref. No. 48/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 3841/5-Part, situated at Ennore High Road, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Royapuram, Madras (Doc. No. 1437/81) on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. G. Bashyam & others,  
1/10, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

- (2) Shri N. Radhakrishnan,  
60, Vallalar Street, Periakuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R.S. No. 3841/5-Part, Ennore High Road, Madras.  
(Doc. No. 1437/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 5-4-1982

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAL BUILDING, FUND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1982

Ref. No. 49/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 3841/5-Part, situated at Ennore High Road, Madras,  
(Doc. No. 1438/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, Madras on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. G. Bashyam & others,  
1/10, Harinarayanapuram,  
C.B. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri N. Balasubramanian,  
60, Vallalar Street, Periakuppam,  
Thiruvallur Taluk, Chingleput.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land at R.S. No. 3841/5-Part, Ennore High Road, Madras.  
(Doc. No. 1438/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 5-4-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. 1/Aug/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32 and 33, Halls Road, situated at Egmore, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Madras South, Madras on 29-8-1981, (Doc. No. 2404/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
38—66GI/82

- (1) (1) Shri C. S. Rajavelan,  
(2) Shri C. S. Sundaravadanam and  
(3) Shri C. S. Gnanasekaran,  
No. 56, Mangapathi Naicken Street,  
Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

- (2) P.A. Hotel Private Limited,  
33, Halls Road, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 32 and 33 Halls Road, Egmore, Madras-8.  
(Doc. No. 2404/81)

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 16-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR,621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006  
Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. F. No. 33/August/1981.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 10, (Block No. 18), situated at Tirunelveli Town and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Tirunelveli on 20-8-81, (Document No. 1497/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. V. Subramania Iyer,  
S/o Shri Venkatachalam Iyer,  
No. 15, Sripuram, Tirunelveli-1.

(Transferor)

- (2) Shri M. Srinivasa Reddiar,  
S/o Shri Muthusami Reddiar,  
Managing Partner of M/s. Parthas Textiles,  
Kottayam, (Kerala State).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Vacant site at S. No. 10 (Block No. 18), Tirunelveli Town—Document No. 1497/1981).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 16-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri AR. SV. Sevugan Chettiar,  
No. 19, Kamala 2nd Street,  
Chinna Chockikulam, Madurai.  
(Transferee)
- (2) Shri S. Machendran Chettiar,  
No. 3/196-A, Musafar Gani Rowther Street,  
Paramakudi (Ramanathapuram Dt.).  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. 86/August/1981.—Whereas, I,  
R. RAVICHANDRAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 67, Yanaikkal Street, situated at Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R. I, Madurai on 21-8-81, (Document No. 4684/1981) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 67, Yanaikkal Street, Madurai—Document No. 4684/1981).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 16-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING, II<sup>ND</sup> FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th April 1982

Ref. No. 79/Aug/81.—Whereas, I,  
R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 88/2—Door No. 123, situated at Alagapuram Village, Salem Taluk, Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.S.R. 1, Salem on 17-6-81,  
(Document No. 5974/1981).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Gopalakrishnan,  
S/o Shri K. L. K. Balavenkataseetharama Chettiar,  
Yercaud Road,  
Sooramangalam, Alagapuram village, Salem Taluk,  
(Salem Dt.).

(Transferor)

(2) Smt. P. Thangavel Ammal,  
W/o Shri P.M. Pitchai Chettiar,  
No. 235, Mint Street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 88/2— Door No. 123-A, Alagapuram village, Salem Taluka (Salem Dt.)—Document No. 5974/1981).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6Date : 16-4-1982  
Seal :



## FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6139.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 29, Block 'C' situated at New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Har Kishan Lal Mishra  
S/o Bishambar Dayal Mishra  
R/o No. P-17, Gali Bhagat Singh No. 17,  
Brahmpuri, Delhi. (Transferor)
- (2) Master Anil Kumar Jain  
Minor Son of Ram Kr. Jain,  
Under the guardianship of his mother  
Savitri Devi Jain D/o Alam Chand Jain  
S/o Ram Kumar Jain  
R/o H. No. C-1/3-D2, Model Town,  
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 26 Block 'C' (C-26), meg. 206-2/3 sq. yards  
New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi Kh. No. 2/21 to  
24 in the area of Village Jawala Heri, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6200.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Hiranki, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Rajinder Singh, Narinder Singh, Azad Singh, Sikender, Mahinder, Subhash Chand, Virender Singh, Surinder Singh sons of Ramesh Chand  
R/o Village Hiranki, Delhi.

(Transferor)

(2) Vimla Devi w/o Om Parkash  
R/o Mukhmelpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land, 21 Bighas 18 Biswas, situated at Village Hiranki, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6201.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Hiranki, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Rajinder Singh, Narinder Singh, Azad Singh, Sikender, Mahinder, Subhash Chand, Virender Singh, Surinder Singh sons of Ramesh Chand  
R/o Village Hiranki, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Veer Mati Rama  
W/o Jai Parkash  
R/o Village Mukhmelpur, Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land, 20 Bighas 10 Biswas, situated at Village Hiranki, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6202.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Hiranki, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at New Delhi on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Rajinder Singh, Narinder Singh, Azad Singh, Sikender, Mahinder, Subhash Chander, Virender Singh, Surender Singh sons of Ramesh Chand R/o Village Hiranki, Delhi. (Transferor)  
(2) S/Shri Om Parkash, Jai Parkash, Prem Parkash Sons of Piare Lal R/o Village Mukhmelpur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 21 Bighas 17 Biswas, situated at Village Hiranki, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) S/Shri Rajinder Singh, Narinder Singh, Azad Singh, Sikender, Mahinder, Subhash Chand, Virender Singh, sons of Ramesh Chand  
R/o Village Hiranki, Delhi.

(Transferor)

(2) Piare Lal Rana Batta Co.  
at Mukhmelpur, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-81/6199.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Hiranki, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land, 19 Bighas 4 Biswas, situated at Village Hiranki, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
34—66GI/82

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6245.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Har Saroop  
Son of Har Parshad  
Village Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jag Ram s/o Nanwa  
R/o Village Jagatpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land (20-17) vide Kh. Nos. 89/1 (4-4), 89/2/1 (2-17) 89/10 (4-16), 90/5 (4-4), 90/6 (4-16) area of Village Burari, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner on Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, T. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6236.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Plot No. H-94/5 situated at Shivajee Park area of Village  
Madipur Delhi State, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Lajwanti w/o Har Chand Kalra  
R/o H-94/5, Shivaji Park,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Dewan Chand s/o Kanshi Ram  
R/o 5/48, Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Plot No. H-94/5, Mg. 139.75 sq yds at Shivajee  
Park, area of Village Madipur Delhi State Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/8269.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.2656 to 2660 situated at Ward XI, Gali Khajoorwali, Kucha  
Chelan, Darya Ganj, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on August, 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(1) Smt. Kafayatunisa w/o Nawab Sheikh Mohd. Ahafi  
R/o 960 Phatak Punjabiyan, Haveli Hissamuddin,  
Haider, Ballimaran, Delhi through her husband  
GA vide GPA registered dated 28-6-71

(Transferor)

(2) Sushma Johar w/o Baldev Raj Johar,  
R/o 2659-Gali Khajoorwali, Darya Ganj,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Nos. 2656 to 2660 Ward XI, Gali Khajoor Wali,  
Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi.VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New DelhiDate : 30-3-1982  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II-SR-II/8-81/6203.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 151½ sq. yds. situated at Partap Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath Sharma  
S/o Chaudhary Ram  
R/o WZ-III A, Shiv Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kawaljit Kaur  
W/o Mohinder Mohan Singh  
R/o A-41, New Moti Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Meg. 151½ sq. yards Partap Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6194.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Surehra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Ram Chander & Tula Ram  
Sons of Phool Singh  
R/o Village Hassan Garh, Distt. Rohtak,  
Haryana.

(Transferor)

(2) S/Shri Om Parkash, Ram Karan, Ram Niwas, Ram Kumar and Krishan Kumar sons of Dhala Ram  
R/o Village Surehra,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 416, 4-7, 2-8 out of 4-16, 4-16, 4-16 Village Surehra, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6215.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 97 situated at Partap Nagar, New Delhi, Village Tehar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Amar Nath Sharma  
S/o Chaudhary Ram,  
R/o WZ-111A, Shiv Nagar,  
New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Kawaljit Kaur  
W/o Mohinder Mohan Singh  
R/o A-41, New Moti Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 97, Meg. 151½ sq. yards at Partap Nagar, New Delhi, are of Village Tehar, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6097.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Munshi and Har Gopal  
Sons of Kishan Sahai,  
R/o Village Burari,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Rinco Sales Agency,  
161, Guru Nanak Auto Market,  
Kashmere Gate,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land (1-0) Bigha vide Kh. No. 853 area of village Burari Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, T. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6210.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Singhola Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
40—66GI/82

- (1) Shri Ram Chander S/o Abhe Ram  
For self and special attorney of Bhagwan  
R/o Village Singhola, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurbachan Singh s/o Mehar Singh,  
Shri Mehar Singh s/o Sham Singh,  
Smt. Avtar Kaur w/o Gurbachan Singh,  
Shri Inder Pal Singh and  
Harvinder Paul Singh s/o Gurbachan Singh  
R/o D-90, Ashok Vihar,  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Kh. Nos. 1/7 (1 Bigha-0 Biswas), 1/8 (1-11), 1/3 (1-6), 14/1 (1-0), 1/17 (2-8), 1/8 (1-16) village Singhola Delhi State, Delhi (mg. 9 Bigha 11 Biswas).

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8245.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th undivided share in situated at Ward No. III, Nicholson Road, Chhuttani Building Mpl. No. 3480 Manzil, Mori Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Amar Nath Sharma, Krishan Bhagwan, Sharma, Ved Bhagwan Sharma  
Sons of L. Pt. Sri Bhagwan Sharma  
R/o 4121 Naya Bazar, Delhi and  
Smt. Rani Devi Sharma  
D/o L. Shri Sri Bhagwan Sharma  
R/o 4121 Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

- (2) (2) S/Shri Tarvinder Kumar and Mahesh Kumar  
S/o Both Raj  
R/o 3489, Nicholson Road, Mori Gate,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided share of built property bearing Mpl. No. 3480, Ward No. III, Nicholson Road, Chhuttani Building Manzil, Mori Gate, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6129.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Agricultural land situated at Village Baprola, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on August, 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

- (1) S/Shri Rajinder Singh, Sumer, Vijender Singh,  
Satish, Karan Singh and Surender  
sons of Risal Singh  
R/o Village Baprola, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Amar Nath s/o Jai Narain  
R/o 10 Lawrance Road,  
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 9 Bighas 14 Biswas, Village Baprola,  
Delhi.

CMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8219.—Whereas, I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing XIV/8164 situated at Noor Ahmed Gali, Chimny Mill, Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering New Delhi on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanta Rani W/o Ajab Kishore  
R/o Gujranwala Town,  
Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Dropati Devi W/o Hukam Chand  
R/o 8164 Chimny Mill, Bara Hindu Rao,  
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. XIV/8164, Noor Ahmad Gali, Chimny Mill, Bara Hindu Rao, Delhi.

CMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6303.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

III 5/55 situated at Shastri Bazar, Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Charan Singh, Nahar Singh, Tirlak Singh, Gen. Att. Nahar Singh S/o Asa Singh  
R/o 445 Church Road, Shastri Bazar,  
Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mohan Singh S/o Rattan Singh  
R/o III 5/55, Shastri Bazar,  
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. III-5/55, meg. 73'9" x 34'0" Shastri Bazar, Delhi.

CMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-I/8-81/8273.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

XII/8551 situated at Bhargara Gali, Roshanara Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raj Kumar S/o Dwarka Dass  
R/o H-2/2, Model Town,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Krishan Lal (Gulshan) S/o Mohan Lal  
R/o H-7/6, Roop Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. XII/8551, Meg. 231 sq. yards Bhargarh Gali, Roshanara Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Randhir Singh S/o Sudhan  
R/o Village Alipur,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Sudhan  
R/o Village Alipur,  
Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/R-II/8-81/6060.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Alipur, Delhi (and more fully describe in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Agricultural land 69 Bighas 4 Biswas Village Alipur, Delhi.

CMT, VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New DelhiDate : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
OF INCOME-TAX

New Delhi, the 31st March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6338.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.Agricultural land situated at Village Nawada, Majra  
Hastsal, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on August 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Chander Wati Wd/o Dalip Singh &  
Smt. Sarla Sharma W/o Om Parkash  
R/o 285 R. K. Puram,  
New Delhi,

(Transferor)

- (2) Santosh Khanna, Priti Mehra, Mohan Priya Mehra.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 3 Bighas Village Nawada, Majra Hastsal  
Delhi.

CMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Harkesh son of Ram  
Village Burari,  
Delhi.

(Transferor)

(2) O. P. Gupta s/o M. L. Gupta,  
5439 Basti Harphool Singh  
R/o Sadar Bazar,  
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6340.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agricultural land situated at Village Burari, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—  
41—66GI/82

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 24 Biswas Khs. No. 806 and 807 Vill.  
Burari, Delhi.

CMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6341.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harkesh s/o Sri Ram  
Village, Burari,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Tara Gupta W/o O. P. Gupta  
R/o 5439, Basti Harphool Singh Sadar Bazar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land (O-241/2) Biswas Khs. No. 806 and 807 Village Burari Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8271.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2652 to 2655, Ward No. XI situated at Gali Khajoor Wali, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kafayatunisa W/o Nawab Sheikh Mohd. Saba R/o 960 Phatak Punjabiyan Haveli Hissamuddin Haider, Ballimaran, Delhi through Nawab Sheikh Mohd. Shafi her husband—GA regd. dt. 28-6-71 (Transferor)

(2) Smt. Laxmi Devi Grover W/o Lachhman Dass Grover R/o 2655 Gali Khajoor Wali, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2652 to 2655 Ward No. XI, Gali Khajoor Wali Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi, New DelhiDate : 7th April 1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8239.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/28 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. M. L. Batra & J. L. Batra sons of Sita Ram Batra R/o 12/28 West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Kumar Batra S/o Mohan Lal Batra R/o 13, New Market, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 12/28, West Patel Nagar, New Delhi Meg. 200 sq. yds.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 7-4-1982

Seal :



## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/8-81/8237.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT,being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believethat the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 and bearing No.2869, Ward-IX situated at  
Bulbuli Khana, Bazar Sita Ram, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on Aug. 81for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the India Income-tax Act, 1922  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Saran Dass son of Sobha Ram  
r/o 46 Defence Market, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Chand Jain S/o Mukat Lal  
r/o 3131-A Hindu Wala behind Kalan Mashid,  
Bazar Sita Ram, Delhi Sh. Ram Autar  
S/o Prehlad Rai r/o C/37, Friends Colony,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2869, Ward No. IX, Bulbuli Khana, Bazar  
Sita Ram, Delhi.SMT. VIMAL VASISHT  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.Date : 7-4-1982  
Seal :

## FORM TINS

(1) Sh. Moola S/o Kadma  
R/o Vill. Burari, Delhi.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Raj Kumar S/o Birkh Bhan  
R/o 1886, Kuchha Ghela, Khari Baoli, Delhi.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-81/6329.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at  
Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 18 Blswas, Mustatil No. 137 Kila No. 4, Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 7th April 1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6330.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Moola S/o Kdma  
R/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Inder Mani W/o Siri Ram  
R/o 2551, Chamar Wara, Tilak Bazar,  
Khari Baoli, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha, Mustatil No. 137 Killa No. 4, Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6331.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Veen W/o Baldev Raj Vill. Burari Delhi through her attorney Dev Dutt, Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Kalra W/o D. V. Kalra R/o 44 Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha 4 Biswas, Kh. No. 871 Vill. Burari, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-1982

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. JAC 'Acq. II, SR-II/8-81/6059.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at  
Vill. Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—66 GI/82

- (1) Sh. Randhir Singh S/o Shudhan  
R/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Daryo Singh S/o Surat Singh, Deep Chand  
S/o Siri Chand R/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 69 Bighas Vill. Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-1982

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Ram Dhare S/o Jot Ram  
R/o Vill. Tikri Kalan, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Surender Kumar S/o Raj Kumar  
R/o E-15, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6311.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agri. land situated at  
Vill. Tikri Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land 2 Bighas 10 Biswas, Vill. Tikri Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 31-3-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Bhim Singh S/o Net Ram  
R/o No. 62, Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi W/o Bhim Singh  
R/o 62, Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6066.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 8 Bigha 1 Biswas, Rect. No. 29, Killa No. 17, (4-2), Killa No. 18 min. (1-5), Killa No. 23 min. (1-6), Killa No. 24(1-8) Vill. Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/8-81/6306.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 941 sq. yds. Land situated at Vill. Nawada Mazra Hastswal, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Darel Singh & Jagmohan S/o  
Bhagnal R/o Vill. Nawada Mazra Hastal, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Ishwar Chand Mittal s/o  
Vasheshar Nath r/o BQ-23 Shalimar Bagh, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 941 sq. yds. Plots. No. 565, Vill. Nawada Mazra Hastal, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 30-3-1982  
Sd/-



FORM ITNS-----

(1) Sh. Surender Singh s/o Subh Ram  
R/o Vill. Mundka, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Nirmal Jain W/o Chand Mal Jain  
R/o 15-B Kalakar Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6069.—Whereas, I,  
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at

Vill. Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on Aug. 81for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land 11 Bighas and 12 Biswas, Khs. Nos. 59/17, (4-  
16), 24(4-16) and 63/4, (1-18 out of total land 2-6) Vill.  
Mundka, Delhi State, Delhi.SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi-New Delhi.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6111.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Raghu Nath S/o Ganga Sahai  
R/o Vill. Alipur, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Man Mohan Singh S/o Avtar Singh  
Ragi R/o Gurdwara Mata Sundri Road, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land meg. 59 ft. on Easter side and 92-2 ft. on Western Side Northern side 90 ft. and Southern side 87 ft. Vill. Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Acquisition Range  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th March 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-81/6069.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at  
Vill. Salatpur Khader, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dalip Singh S/o Roop Ram, Dalpat  
S/o Mohan Lal Hari Singh  
S/o Daya Ram, Hira  
S/o Nand Ram, Mauji  
S/o Kuria, Sukhbir  
S/o Lakh Ram, Virender  
S/o Lekh, Mir Singh  
S/o Het Ram  
R/o Vill. Asalatpur Khader, Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Satish Jausya S/o Gangas Ram Jauja  
R/o 190 Raghbir Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha 8 Biswas, Vill. Salatpur Khader, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-1982  
Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION  
OCTOBER, 1982

New Delhi, the 15th May, 1982

No. F.8/1/82-EI(B).—A combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 24th October, 1982, for admission to the undermentioned courses :—

*Name of the Course and Approximate No. of Vacancies*

- (1) Indian Military Academy, Dehra Dun  
(75th Course commencing in July, 1983)  
[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin, (Course commencing in July, 1983)
  - (a) General Service 65\*  
\*[including 6 reserved for N.C.C. 'C' Certificate (Naval Wing) holders].
  - (b) Naval Aviation 20
- (3) Air force Academy AFAC, Coimbatore  
[Pre-Flying Training Course for 134th F(P) Course commencing in July 1983]  
[Includes 15 reserved for NCC 'C' certificate (Air Wing) holders]. 50
- (4) Officers' Training School Madras [38th SSC (NT) course commencing in October, 1983] 268

N.B. (i)—A candidate is required to specify clearly in Col. 8(b) of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

N.B. (ii).—The left-over candidates of the IMA Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC(NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions :—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC(NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

Note I : NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing)/(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates

for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg 6 (SP) (c), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by 30th June, 1983.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months for Air Force Course and 24 months for IMA/Naval Academy Courses on the last date for receipt of applications in the Commission's office.

Note II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidate joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bompay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji, (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 24th September, 1982 will not be entertained under any circumstances.

### 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

#### (a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan,
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, not however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

#### (b) Age limits, sex and marital status :—

- (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1961 and not later than 1st July, 1964 are only eligible.
- (ii) For Officer's Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1960 and not later than 1st July, 1964 are only eligible.

NOTE :—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of verification by the Selection Staff.

#### (c) Educational qualifications :—

- (i) For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School :—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Air Force Academy :—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics, as subject(s).

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview, to Army HQ [Rtg. 6 SP (A)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

43—66GI/82

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

(i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 30th June, 1983.

(ii) For admission to Officers Training School, Madras on or before 15th September, 1983.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE I : Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.

NOTE II : Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE III : Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March 1973 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to

India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

**6. HOW TO APPLY.**—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination October, 1982 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates, Naval and Air Force Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

**7.** The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 12th July 1982 (26th July, 1982 in the

case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 12th July, 1982, and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 12th July, 1982.

**NOTE (i)** Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

**NOTE (ii)** Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

#### 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Tribes candidates] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

**NOTE :—**Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of age—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

**NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.**

**NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.**

**NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.**

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider. This evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in para 3(c)(ii) must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

(iv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

(v) Two identical copies of recent passport size ( cm.  $\times$  7 cm, approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(vi) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms  $\times$  27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/ scheduled Tribes candidates:—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribes.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

(i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate :—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :

(i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriates from Sri Lanka :

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma :

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(d) Displaced persons from erstwhile West Pakistan :

(i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A., Air Force Academy Course, and Naval Academy Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination.

**NOTE :—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.**

**9. REFUND OF FEE.**—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rupees fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, no refund of fee will be made to that candidate.

(ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in November, 1981, or in May, 1982 and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examinations October, 1982, and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st March, 1983.

**10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.**—Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

**11. RESULT OF APPLICATION.**—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

**12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.**—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

**13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.**—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them

nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
    - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him, into consideration.

**14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—**Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ/Rtg. 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(UT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011, in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June, 1983. [15th September 1983 in case of SSC (NT) only.] Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.



**15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.**—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATES (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

**16. CHANGE OF ADDRESS.**—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'s BRANCH RTG. 6(SP) (e) (ii), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022, AND AIR HQ (PO3) VAYU BHAVAN, NEW DELHI-110011, FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

**17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.**—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP)(e)(ii), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3) Vayu Bhavan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

**18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.**—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in March/April, 1983 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1983.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

**19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.**—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy Officers' Training School, N.C.C. and Graduate

Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

**20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.**—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/Grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.**—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. Candidates who resign from IMA/Naval Academy/Air Force Academies will not be considered for induction in OTS Madras under any circumstances.

**22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.**—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title 'A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards'. The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

VINAY JHA,  
Joint Secretary

#### APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

#### A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

(a) written examination as shown in para 2 below :

(b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy :

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . . . .	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy :

Subject	Time allowed	Maximum Marks
---------	--------------	---------------

#### COMPULSORY

1. English . . . . .	2 Hrs.	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hrs.	100

#### OPTIONAL

*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics . . . . .	2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics . . . . .	2 Hrs.	150

\*Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

(c) For Admission to Officers' Training School :

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100

(d) For Admission to Air Force Academy :

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . . . .	2 Hours	100
4. Mathematics or Physics . . . . .	2 Hours	150

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 450 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not therefore, bring the same inside the examination hall.

## B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

### STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

### SYLLABUS

#### ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

#### GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

#### ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

##### Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

##### Algebra

Basic Operations; simple factors. Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of Indices.

##### Trigonometry

Sine  $X$ , Cosine  $X$ , Tangent  $X$  when  $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ .

Values of  $\sin x$ ,  $\cos x$  and  $\tan x$ , for  $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$  and  $90^\circ$ .

Simple trigonometric identities.  
Use of trigonometric tables.  
Simple cases of heights and distances.

##### Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

##### Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

##### Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

#### ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units, scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces, Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane Screw and Gears. Friction angle of friction, coefficient of friction. Work. Power and energy Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law. Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation. Law of reflection, spherical mirrors; Refraction laws of refraction. Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope, Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P. D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating. Electromagnetic induction. Faraday's Laws; Basic AC & DC-generator.

**PHYSICS (Code No. 06)****1. General properties of matter and mechanics**

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of inertia; Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple, harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity. Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

**2. Sound**

Damped forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

**3. Heat and Thermodynamics**

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; van der Waals equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

**4. Light**

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Use and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

**5. Electricity and Magnetism**

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

**6. Modern Physics**

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

**MATHEMATICS (Code No. 04)****1. Algebra**

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Morgan's theorem for rational index and its simple applications.

**2. Matrices**

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

**3. Analytical Geometry****Analytical Geometry of two dimensions**

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals

**Analytical Geometry of three dimensions**

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

**4. Calculus and Differential Equation**

**Differential calculus**—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, sub-tangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial differentiation. Euler's theorem for homogenous functions.

**Integral calculus**—Standard methods of integration. Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpsons rule for numerical integration.

**Differential equations**—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

**5. Mechanics (Vector methods may be used)**

**Statics**—Conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

**Dynamics**—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

**6. Statistics**—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—binomial Distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, chi and  $F^2$  distributions to testing of significance of difference of means.

**Note** :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

**INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST**

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

## APPENDIX II

*Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination*

**NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.**

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidate must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

*Height and Weight Standards*

Height in Centimetres (without shoes)	Weight in Kgs.		
	18 years	20 years	22 years
152 . . . . .	44	46	47
155 . . . . .	46	48	49
157 . . . . .	47	49	50
160 . . . . .	48	50	51
162 . . . . .	50	52	53
165 . . . . .	52	53	55
168 . . . . .	53	55	57
170 . . . . .	55	57	58
173 . . . . .	57	59	60
175 . . . . .	59	61	62
178 . . . . .	61	62	63
180 . . . . .	63	64	65
183 . . . . .	65	67	67
185 . . . . .	67	69	70
188 . . . . .	70	71	72
190 . . . . .	72	73	74
193 . . . . .	74	76	77
195 . . . . .	77	78	78

A+ 10% ( $\pm 6$  Kg for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healing is complete.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (l) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:—

Distant Vision . . . . . 6/6 6/9 correctable to 6/6  
Near vision . . . . . N-5 each eye  
Colour Vision . . . . . CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :—

- (i) at 6 meter . . . . . Exophoria 8 prism dioptres  
Esophoria 8 prism dioptres  
Hyperphoria 1 prism dioptres

- (ii) at 30 cm . . . Exophoria 16 prism dioptres  
Esophoria 06 prism dioptres  
Hyperphoria 1 prism dioptres
- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoecia.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:—

- (a) Anthropometric measurements acceptable for Force are as follows:—

Height . . . . . 162.5 cms.

Leg length : . . . . . Min. 99 cms. & Max. 120 cms.

Thigh Length . . . . . Max. 64 cms.

Sitting

Height : . . . . . Min. 81.5 cms. & Max. 96 cms

- (b) X-Ray Spine of all candidates is to be taken to exclude the following abnormalities:—

(i) Scoliosis of more than 7 by Cobb's method.

(ii) Spina bifida except at SV-I.

(iii) Unilateral Sacralisation of LV-5.

(iv) Scheuermann's disease : Scheuermann's nodes, spondylosis or Spondylolisthesis.

(v) Any other significant spinal disease.

- (c) X-Ray Chest is compulsory.

(d) Vision

Distance Vision : . . . 6/6 6/9 Correctable to 6/6.  
Near vision : . . . . . N-5 each eye  
Colour Vision : . . . . . CP-I (MTL)

Manifest Hypermetropia . . . must not exceed 2.00 D

#### Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 metres . . . . . Exophoria 6 prism dioptres.  
Esophoria 6 prism dioptres.  
Hyperphoria 1 prism dioptres

(ii) at 33 cms . . . . . Exophoria 16 prism dioptres  
Esophoria 6 prism dioptres  
Hyperphoria 1 prism dioptres  
Myopia Nil  
Astigmatism +0.75D only

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth)

#### (e) Hearing Standards

(i) Speech test : Whispered hearing 610 cms each ear

(ii) Audiometric test : Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz

(f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.

### APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

#### (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.

1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy—

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.

(b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00

Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadets making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—

(a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or

(b) if he is not granted a commission refunded to the State

On being granted a commission, article of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

#### Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

#### 11. Terms and Conditions of Service

##### (i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut . . .	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed
Lieut . . .	870—950	Colonel	1950—2175
Captain . . .	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major . . .	1450—1800	Maj. General	2500—125/2 2750

Rank	Pay scale	Rank	Pay scale
	Rs.		Rs.
Lt. Colonel . . .	1750-1950	Lt. General	3000 p.m.
(By Selection) . . .		Lt. General (Army Commanders)	3250 p.m.

#### (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

#### (ii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

(a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.

(b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.

(c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.

(d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(e) Outfit Allowance :—Initial outfit allowance @ Rs. 1400/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed, after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

#### (iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

#### (v) PROMOTION

##### (a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

##### by time scale

Lt. . . . .	2 years of Commissioned Service
Capt. . . . .	6 years of Commissioned Service
Major . . . . .	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major (if not promoted by Selection)	25 years of Commissioned Service

##### by selection

Lt. Col. . . . .	16 years of Commissioned Service
Col. . . . .	20 years of Commissioned Service
Brigadier . . . . .	23 years of Commissioned Service
Major Gen. . . . .	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen. . . . .	28 years of Commissioned Service
Gen. . . . .	No restriction

##### (b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain . . . . .	3 years
Major . . . . .	5 years
Lt. Colonel . . . . .	6-1/2 years
Colonel . . . . .	8-1/2 years
Brigadier . . . . .	12 years
Major General . . . . .	20 years
Lt. General . . . . .	25 years

**(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.**

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid;

(i) Pocket allowance for five months  
@Rs. 45.00 per month . . . Rs. 225.00

(ii) For items of clothing and equipment Rs. 460.00

Total . . . Rs. 685.00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months  
@45.00 per month . . . Rs. 90.00

(ii) For items of clothing and equipment . . . Rs. 460.00

Total . . . Rs. 550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ship and Establishments as under :

(a) Cadets Training including ofloat training  
for 6 months . . . 1 year

(b) Midshipmen afloat Training . . . 6 months

(c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course . 12 months

(d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificate for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his

District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ship and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical



operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

### 3. PAY AND ALLOWANCES

#### (a) PAY

Rank	Pay	Scale
	General Service	
(1)	(2)	
Midshipman	Rs. 560	
Ag. Sub. Lieut.	Rs. 750	
Sub. Lieut.	Rs. 830—870	
Lieut.	Rs. 1100—1450	
Lieut Cdr.	Rs. 1450—1800	
Commander (By Selection)	Rs. 1750—1950	
Commander (By time scale)	Rs. 1900 fixed	
Captain	Rs. 1950—2400	(Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain),
Rear Admiral	Rs. 2500—125/2—2750	
Vice Admiral	Rs. 3000	

#### (b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—
  - (i) married officers serving in non-family station; and
  - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.

NOTE 1 :—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

### 4. PROMOTION

#### (a) By time scale

Midshipmen to Ag. Sub. Lieut	1/2 year
Ag. Sub. Lieut. to Sub Lieut	1 year
Sub. Lieut to Lieut	3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority)
Lieut to Lieut Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

#### (b) By selection

Lieut Cdr. to Cdr.	2-8 years seniority as Lieut Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr.
Capt. to Rear Admiral and above	No service restriction.

### 5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

### (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a both to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month.	Rs. 550.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 500.00
Total	Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned in them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

#### 9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

#### 10. Terms and conditions of Service

##### (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

##### (b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

##### (c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

##### (d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay 2/Lt. and Lieut. are :—

(i) Second Lieut. . . . . Rs. 750—790 p.m

(ii) Lieut. . . . . Rs. 830—950 p.m.  
Plus other allowances  
as laid down for  
regular officers.

(e) Leave : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid*.

(f) Termination of Commission : An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) If his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

##### (g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

##### (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous*: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

#### (D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY.

1. *Selection*.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

(a) *Direct Entry*.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.

(b) *NCC Entry*.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.

2. *Detailing for Training*.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. *Training*.—The appropriate duration of training for Flying branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

#### 4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 1925/- p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

#### 5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank	Flying Branch
	Rs.
Plt Offr. . . . .	825—865
Flg. Offr. . . . .	910—1030
Flt. Lt. . . . .	1150—1550
Sqn. Ldr. . . . .	1450—1800
Wg. Cdr. . . . .	1550—1950
Gp. Capt. . . . .	1950—2175
Air Comde. . . . .	2200—2400
Air Vice Marshal . . . . .	2500—2750
Air Marshal . . . . .	3000/—

*Dearness and Compensatory Allowance*.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

*Kit Maintenance Allowance*.—Rs. 50/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

Wg. Cdr. and below . . . . .	Rs. 750.00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde . . . . .	Rs. 666.00 P.M.
Air Vice Marshal and above . . . . .	Rs. 600.00 P.M.

*Qualification Pay*.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/- grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

*Expatriation Allowance*.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

*Separation Allowance*.—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 70/- p.m.

*Outfit Allowance*.—Rs. 1400/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,200/- for renewal after every seven years.

*Camp Kit*.—Free issue at the time of commissioning.

#### 6. Leave and Leave Travel Concession

*Annual Leave*.—60 days a year.

*Casual Leave*.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

## 7. PENSIONARY BENEFITS

Retiring Rank (Substantive)	Minimum length of qualifying service	Standard rate of Retiring Pension
		Rs.
Pjt offr/Eg offr	20 years	525 Pm
Flt Lt	20 years	750 "
Sqn Ldr	22 years	875 "
Wg Cdr (Time Scale)	26 years	925 "
Wg Cdr (Selective)	24 years	950 "
Gp Capt	26 years	1100 "
Air Comde	28 years	1175 "
Air Vice Marshal	30 years	1275 "
Air Marshal	30 years	1375 "
Air Chief Marshal	30 years	1700 "

## 8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President as under :—

- For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ months pay of rank last held.
- for every additional year—Rs. 1200/- less ¼ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 4th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 16½ times of the emoluments not exceeding Rs. 30,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows :—

- Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- Six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years;
- Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

## 9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.

## APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri \_\_\_\_\_ son of Shri \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978\*

2. Shri \_\_\_\_\_ and/or\* his family ordinarily reside(s) in village/town\* \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ District/Division\* of the State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_

Signature.....

\*\*Designation.....

State/Union Territory\*.....

(with seal of office)

Place.....

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/\*Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

## APPENDIX V

## CANDIDATES INFORMATION MANUAL

## A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

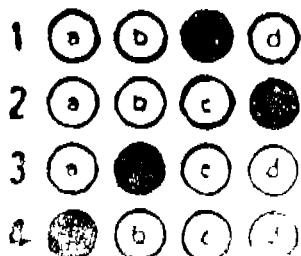
## B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, .....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



## IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

2. To change a wrong marking, erase it *completely and* remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

## E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are, NOT allowed to take the Test Booklet, the

answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(NOTE :—\*denotes the correct/best answer-option)

#### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- \* (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

#### 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \* (d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- \* (a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

#### 4. (Chemistry)

The anhydride of  $H_2VO_4$  is

- (a)  $VO_2$
- (b)  $VO_3$
- (c)  $V_2O_5$
- \* (d)  $V_2O_6$

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \* (a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

#### 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If  $C$  denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a)  $3C$
- (b)  $C$
- \* (c)  $C/3$
- (d)  $C/9$

#### 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \* (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

#### 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a)  $y = ax + b$
- (b)  $y = ax$
- (c)  $y = aex + be^{-x}$
- \* (d)  $y = ae^{x-a}$

#### 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures  $400^\circ K$  and  $300^\circ K$ . Its efficiency is

- (a)  $3/4$
- \* (b)  $(4-3)/4$
- (c)  $4/(3+4)$
- (d)  $3/(3+4)$

#### 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5, The variance is

- (a)  $4^2$
- \* (b) 3
- (c)  $\infty$
- (d)  $-5$

#### 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \* (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

#### 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- \* (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

#### 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following :

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mīmāṃsā
- (b) Nyāya, Vaiśeṣika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāṃkhya, Cārvāka, Yoga
- \* (d) Buddhism, Sāṃkhya, Mīmāṃsā, Cārvāka

#### 14. (Political Science)

'Functional representation' means

- \* (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

## 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- (b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

(b) untouchability has decreased

(c) land-ownership has spread to deprived classes

(d) education has spread to the masses

## 16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following :

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government

NOTE :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

